देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

राज्यपाल ने जिला प्रशासन के कार्यों की प्रशंसा की

अंबेडकरनगर, महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का जनपद अंबेडकर नगर में भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 5 सितंबर 2023 को सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र/ प्राथमिक विद्यालय चिंतौरा, ग्राम पंचायत चिंतौरा, पुंथर झील, अमृत सरोवर में ममरेजपुर, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन योजना के तहत संचालित केंद्र डी डी यू जे के वाई पार्थ थ्रेड प्राइवेट लिमिटेड टांडा, वृद्ध आश्रम दहिरपुर, महात्मा ज्योतिबा फुले संयुक्त जिला अस्पताल अकबरपुर का भ्रमण किया गया। तथा लोहिया भवन अकबरपुर में प्रदर्शनी में लगे स्टालों का अवलोकन, प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम एवं कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई स्थानों, स्थलों पर महोदया द्वारा जनपद के विकास कार्यों को देखकर प्रशंसा की गई। जिसके उपरांत राज्यपाल महोदया द्वारा दूरभाष से त्रुटि विहीन कार्यक्रम संपन्न करने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। महोदया द्वारा इस अच्छे कार्य की सक्सेज स्टोरी बनाकर इसे पूरे जनपद में लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

गोण्डा गुरुवार 07 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 23 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA–30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

अयोध्या बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक हब

32 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट; 20 फाइव स्टार होटल खुलेंगे; हर साल पहुंचेंगे 12 करोड़ भक्त

लखनऊ (ईएमएस)। राम नगरी अयोध्या...सज रही है। संवर रही है। 5-10 हजार करोड़ नहीं, बल्कि 32 हजार करोड़ से। इसमें राम लला के मंदिर की लागत अलग है। सरकार का टारगेट अयोध्या को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन हब बनाने का है। यह इसी से समझा जा सकता है कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी इस पूरे प्रोजेक्ट पर नजर रख रहे हैं।

मंगलवार को पीएम ने अयोध्या के डेवलपमेंट को लेकर दिल्ली में मीटिंग की। इसमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, अयोध्या कमिश्नर और डीएम भी पहुंचे। मंथन हुआ कि आखिर कैसे अयोध्या को और सुंदर और बेहतर बनाया जाए? सियासी लिहाज से इस पूरी कसरत को 2024 के आम चुनाव से जोड़कर देखा रहे हैं।

अयोध्या में सरकार 320 करोड़ की लागत से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना रही है। दो फेज में इसे बनाया जा रहा। रनवे का काम लगभग पूरा हो चुका है। बिल्डिंग भी 80 प्रतिशत तक तैयार है। पर्यटन विभाग के मुताबिक, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले एयरपोर्ट स्टार्ट हो जाएगा। यानी जनवरी से पहले। एयरपोर्ट के सेकेंड फेस का निर्माण पूरा होने के बाद 700 से ज्यादा यात्रियों को हैंडल किया जा सकता है। एयरपोर्ट से 15 मिनट में राम मंदिर पहुंचा जा सकता है।

219 करोड़ की लागत से बन रहा बस स्टेशन

अयोध्या धाम बस स्टेशन को भव्य तरीके से तैयार किया जा रहा है। इसे 9 एकड़ में 219 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। जो लोग अपने निजी वाहन से अयोध्या आएंगे, वो जन्मभूमि से एक से डेढ़ किमी पहले पार्किंग में अपना वाहन खड़ा करेंगे। इसके बाद ई-रिक्शा से मंदिर तक जा सकते हैं।

230 करोड़ में बन रहा अयोध्या जंक्शन

अयोध्या जंक्शन के लिए 150 करोड़ का बजट दिया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 230 करोड़ कर दिया गया है। नए स्टेशन को भव्य तरीके से तैयार किया जा रहा है। करीब 10 हजार वर्ग मीटर में नई बिल्डिंग बनाई जा रही है। इसमें सवा दो सौ कमरे, डॉरमेट्री, एस्केलेटर, फूड प्लाजा और 24 कोच के 3 प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सरकार की योजना रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही इस नई स्टेशन बिल्डिंग को शुरू करने की है। पुरानी बिल्डिंग को पूरी तरह से तोड़ दिया जाएगा। ट्रेन से राम मंदिर जाने के 3 रास्ते हैं। काशी से आए, तो अयोध्या जंक्शन उतरेंगे। लखनऊ से आए तो अयोध्या कैंट और गोरखपुर से आ रहे हैं, तो रामघाट स्टेशन पर उतरेंगे। अयोध्या जंक्शन से राम मंदिर मात्र 800 मीटर की दूरी पर है। अयोध्या कैंट से इसकी दूरी 9 किमी और रामघाट से 3 किमी है।

20 हॉस्पिटैलिटी कंपनियों को लाइसेंस मिला

योगी सरकार ने 20 से ज्यादा हॉस्पिटैलिटी कंपनियों लाइसेंस दिया है। अयोध्या में 20 फाइव स्टार होटल बनाए जाएंगे। इसमें ताज होटल समेत कई बड़े ग्रुप शामिल हैं। ताज ग्रुप ने तो जमीन भी तलाश ली है। ताज ग्रुप अयोध्या में जल्द 5-स्टार होटल बनाएगा। इसके अलावा विवांता 100 कमरे वाले और जिंजर 120 कमरों वाले होटल खोलेगी। यही नहीं, रेडिसन और ओयो ग्रुप भी लग्जरी होटल बनाने की तैयारी में हैं। इसके अलावा पर्यटकों के रोमांच के लिए क्रूज भी चलाए जाएंगे।

मंदिर बनने के बाद हर साल आएंगे 12 करोड़ श्रद्धालु

मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद रामनगरी में पर्यटक और श्रद्धालुओं की संख्या में दोगुना बढ़ोतरी हुई है।

यही वजह है कि सरकार राम मंदिर बनने के बाद देश के सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या में लाने की तैयारी में है। अफसरों का मानना है कि मंदिर बनने के बाद यहां हर महीने 1 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। यानी साल में 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे।

दधिकांधव उत्सव नौ सितंबरको

अंबेडकर नगर। टांडा नगर के मोहल्ला मुबारकपुर में दधिकांदव उत्सव मनाने की तैयारी प्रारंभ हो चुकी है। दधिकांदव उत्सव 9 सितंबर दिन शनिवार को सुनिश्चित है। दधिकांदव उत्सव में भाग लेने वाली समितियों ने शोभा यात्रा के लिए अपनी-अपनी झांकियों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इन्हीं झांकियों पर भगवान श्री कृष्णा और राधा रानी की प्रतिमूर्ति स्थापित कर मुबारकपुर में शोभा यात्रा निकाला जाता है। नगर के हिंदू परिवारों द्वारा अपने घर के सामने भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी की आरती और पूजा की जाती है। यह शोभा यात्रा देर रात्रि तक चलता है। इस शोभा यात्रा में दूर दराज के ग्रामीणों सहित शहरी क्षेत्र के लोगों की भारी भीड़ उपस्थित रहती है। दधिकांदव उत्सव शोभा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए नगर क्षेत्र मुबारकपुर में श्री दधिकांदव उत्सव महा सेवा समिति मुबारकपुर नाम से कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें संरक्षक गौतम उपाध्याय, मनोज साहू, सुदीप शुक्ला और कमल गुप्ता को बनाया गया है। अध्यक्ष अमित जायसवाल पिंटू, महामंत्री संदीप कुमार मांझी उपाध्यक्ष सूर्या गुप्ता, मदनलाल, शिवम चौरसिया शोभा यात्रा अध्यक्ष दीपक उपाध्याय शोभा यात्रा उपाध्यक्ष बिरजू जायसवाल, विशाल मद्धेशिया, संगठन मंत्री दिनेश सोनी, अर्जुन आचार्य शोभायात्रा मंत्री, सुभाष यादव, मंच संचालक अजय सोनी, मंत्री लाल माझी, धर्मेंद्र वर्मा और सुमित विश्वकर्मा, मंच व्यवस्थापक शोभांत मांझी सहित सदस्य रूपचंद माझी, कमल भगत, मूरत गुप्ता, सत्य प्रकाश मद्धेशिया, हीरालाल मोदनवाल, संजय, राजेश सोनी, राहुल पाठक, राहुल चौरसिया, राज मद्धेशिया, राहुल मद्धेशिया, राकेश माझी, अजीत माझी शोभा यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

डीएम व एसपी ने उप निर्वाचन का औचक निरीक्षण कर लिये व्यवस्थाओं का जायजा

निज संवाददाता

गोण्डा। जनपद में पंचायत सामान्य एवं उप निर्वाचन माह सितम्बर, 2023 के ग्राम प्रधान पद हेतु एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य हेतु मतदान केंद्र/स्थल आदि का जिलाधिकारी नेहा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने औचक निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जनपद में दो पद क्षेत्र पंचायत सदस्य, 6 पद ग्राम प्रधान तथा एक पद ग्राम पंचायत सदस्य के पद पर उपचुनाव सकुशल संपन्न होना है। सभी मतदान स्थलों अधिकारियों एवं कर्मचारी पर्याप्त मात्रा में लगाये गए थे। जनपद के तीन मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय फिरोजपुर नवीन, प्राथमिक विद्यालय भरहापारा, प्राथमिक विद्यालय रामपुर खरहटा प्रथम वजीरगंज का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिए। सभी मतदान केंद्रों पर भारी पुलिस बल तैनात की गई थी।

ज्वाइन न करने वाली एएनएम का रोका जाए वेतन

० सभी सीएचसी का कराया जाए कायाकल्प

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा- जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बीसीपीएम, बीपीएम व बीएएम के साथ बैठक कर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सभी कर्मियो से उनके कार्यों के विषय में जानकारी ली और सभी को निर्देश दिये कि सभी कर्मी अपने-अपने दायित्वों को समझते हुए कार्यों का निर्वहन करें। डीएम ने सभी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिसके द्वारा कार्यों में लापरवाही बरती जाएगी उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अवश्य की जाएगी। साथ ही डीएम ने कहा कि जो एएनएम स्थानांतरण के बाद कार्यमुक्त होने के बाद भी नई जगह पर ज्वाइन नहीं कर रही हैं उनके खिलाफ वेतन रोकने की कार्यवाही की जाए। जल्द से जल्द सभी एएनएम को नयी तैनाती स्थल पर ज्वाइन कराया जाए जिससे स्वास्थ्य कार्यक्रमों में बाधा न आयें। उन्होंने सभी सीएचसी का कायाकल्प कर वहां पर मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर की गुणवत्ता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हेलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

डीएम ने किया हैलो डाक्टर दीदी कार्यक्रम का शुभारंभ

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में हेलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर सुनील कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में चलाया जाएगा जिसका शुभारंभ गोंडा जिले से किया गया है। शुरुआत में यह कार्यक्रम जनपद के 13 ब्लॉकों में संचालित किया जाएगा बाद में बचे हुए तीन अन्य ब्लॉक में कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक किया जाएगा। साथ ही बताया कि इसमें गर्भवती महिलाएं व माताओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 07878781003 जारी किया गया है जिस पर गर्भवती महिलाएं और 6 वर्ष तक की बच्चों की माताओं को पोषण व स्वच्छता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि गोण्डा लिए गौरव की बात है कि यह प्रदेश में य। कार्यक्रम गोण्डा जिले से शुरू हो रहा है। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर डायल कर गोण्डा में इसकी औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने कहा इस कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार जनपद में कराया जाए तभी यह कार्यक्रम सफल होगा। सभी नगर पालिका, नगर पंचायत से शहर-शहर व बीडीओ व ग्राम प्रधानों के माध्यम से गांव-गांव में इसका प्रचार प्रसार कराया जाए।

उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आदि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने विभाग के माध्यम से इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करायें।

ग्राम बसालतपुर में सफाई व्यवस्था बदहाल, गंदगी का अंबार

हलधरमऊ (गोण्डा)। केंद्र व प्रदेश सरकार भले ही आये दिन स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए खर्च दिखाते हुए कागजों में चाक चौबंद व्यवस्था के दावे कर रही है लेकिन धरातल पर हकीकत उसके विपरीत है और साफ सफाई व्यवस्था महज कागजों तक सीमित दिखाई पड़ रही है। क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की मनमानी ग्रामीणों पर भारी पड़ रही है। वहीं प्रतिमाह भारी भरकम वेतन लेकर सफाई कार्य न करना इनकी आदत में शुमार हो गया है। लेकिन जिम्मेदार आलाअधिकारी सब कुछ जानते हुये भी अनजान बने हैं। जीता जागता उदाहरण विकास खंड हलधरमऊ के अन्तर्गत ग्राम बसालतपुरगांव में साफ दिखाई पड़ रहा है यहां तैनात सफाई कर्मचारी सफाई कार्य करने नही आ रहे हैं, जिससे सड़क के किनारे जगह जगह कूड़े कचरे का ढेर लगा होने के साथ ही नालियां जाम होकर बजबजा रही हैं और जल निकासी बाधित हो रही है। ग्राम पंचायत बसालतपुर में सफाई व्यवस्था बदहाल है। कहने को तो यहां सफाई कर्मी की तैनाती की गई है, जिनके ऊपर ग्राम पंचायत में प्रतिदिन नियमित रूप से साफ सफाई का जिम्मा है। चूंकि जिम्मेदारों द्वारा कोई जांच अभियान नहीं चलाया जाता है, इसलिए सफाई कर्मी भी सफाई कार्य ना करके तैनाती स्थल से काफी समय से नदारद रहकर मनमानी कर रहे हैं और सफाई कार्य नहीं कर रहे हैं। सफाई व्यवस्था इस कदर बदतर है कि मुख्य मार्ग व सार्वजनिक स्थलों पर जगह-जगह कूड़ा-करकट का ढेर लगा रहता है, जबकि नालियां बजबजा रही हैं। ग्रामीणों की मानें तो ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे है। सफाई कर्मी तो खुद कभी सफाई नहीं करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण गांव में तैनात सफाई कर्मचारी सफाई कार्य करने नही आ रहे हैं, जिससे नालियां जाम होकर बजबजा रही हैं वहीं जल निकासी बाधित हो रही है और पूरे गांव में गंदगी की भरमार है। जिससे मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। यदि सफाई व्यवस्था पर ध्यान नही दिया गया तो अनेकों प्रकार की बीमारी फैल सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इसकी जांच कराकर उचित कार्रवाई करने और सड़कों, नालियों, सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई कराने की मांग की है। उक्त संबंध में जानकारी करने हेतु बीडीओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बता रहा था।

महिलाओं को बताये कैंसर से बचाव के उपाय

गोण्डा-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के सचिव के आदेश पर जिला अस्पताल गोण्डा की महिला चिकित्साधिकारी डॉ0 नुपुर पाल द्वारा जिला कारागार गोण्डा के महिला बैरक में महिलाओं के लिये सर्वाइकल कैंसर, वीमेन हाइजीन, एवं सेन्टरी नैपकिन के विषय पर एक विधिक जागरूकता साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। डा0 नूपुर पाल द्वारा बताया गया कि गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) तब होता है जब कोशिकाएं गर्भाशय ग्रीवा के प्रवेश द्वार में असामान्य रूप से विकसित होती हैं। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लक्षणों की पहचान में अनियमित एवं अत्यधिक रक्त स्त्राव, पेशाब के दौरान दर्द, मासिक धर्म चक्र में अनियमितता, रजोनिवृत्ति के बाद और पैल्विक एरिया में होने वाला असहनीय दर्द, भारी व असामान्य पानी का निर्वहन, जो कि गंदा महक, जैसा हो सकता है। सर्वाइकल कैंसर के बचाव हेतु 09 से 14 वर्ष अवस्था की बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया जाता है तथा इससे अधिक उम्र की महिलाओं की स्क्रीनिंग कर इसका पता लगाया जाता है। इसमें 60 वर्ष तक महिलाओं की भी स्क्रीनिंग की जा सकती है। साक्षरता शिविर में महिला बैरक प्रभारी रंजना शुक्ला एवं महिला पराविधिक स्वयं सेवक कंचन सिंह सहित अन्य महिला बन्दी एवं महिला बैरक की महिला बन्दी रक्षक भी उपस्थित रहीं।

अवैध कच्ची शराब की दबिश के दौरान 1500 किलो लहन व 2 अभियोग पंजीकृत किया गया

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आबकारी विभाग द्वारा दिलीप कुमार मणि तिवारी, उप आबकारी आयुक्त देवीपाटन प्रभार एवं श्री सेवालाल, उप आबकारी आयुक्त, अयोध्या प्रभार के नेतृत्व में जनपद गोण्डा के मांझा क्षेत्र में स्थित ग्राम 卐जैतपुर मांझा卐 में दोनों प्रभारों की आबकारी टीम एवं थाना नवाबगंज, गोण्डा की पुलिस टीम द्वारा संयुक्त दबिश दी गयी। दबिश के दौरान ड्रोन कैमरे की मदद भी ली गयी। दबिश में श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव, जिला आबकारी अधिकारी-गोण्डा व श्री बच्चा लाल, सहायक आबकारी आयुक्त, प्रवर्तन, अयोध्या तथा दोनों प्रभारों के 10 आबकारी निरीक्षकगण भी मय स्टाफ उपस्थित रहे। उन्होंने बताया है कि दबिश के दौरान 120 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई, तथा 2 अवैध भट्ठी व भारी मात्रा में (लगभग 1500 किलोग्राम) लहन नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 2 अभियोग पंजीकृत किये गये।

विकासखंड स्तरीय किसान मेला एवं किसान गोष्ठी संपन्न

डॉ0कल्प राम त्रिपाठी

मनकापुर (गोंडा)। कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र महेवानानकार मनकापुर में विकासखंड स्तरीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी संपन्न हुई। किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जगदेव चौधरी ब्लॉक प्रमुख मनकापुर द्वारा फीता काटकर किया गया। श्री चौधरी ने किसानों से वैज्ञानिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों की खेती को अपनाने की आवश्यकता है। पीके ठाकुर उप कृषि निदेशक ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पीएम किसान सम्मान निधि, कुसुम योजना, कृषक उत्पादक संगठनों का गठन आदि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर पंप अनुदान पर दिया जा रहा है। कृषि यंत्रों की खरीद पर भारी अनुदान है। कृषक उत्पादक संगठनों का गठन कर किसान भाई फार्म मशीनरी बैंक आदि योजना का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही अपनी उपज का अच्छा मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। अतुल कुमार सिंह प्रगतिशील कृषक ने कंपोस्ट एवं वर्मी कंपोस्ट खादों के उत्पादन एवं प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि कार्बनिक खादों का प्रयोग कर भूमि की उर्वरा शक्ति मे सुधार कर सकते हैं। डॉक्टर पीके मिश्रा प्रभारी अधिकारी कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने से कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग को रोका जा सकता है, साथ ही यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित भी है। डॉ. रामलखन सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक ने मोटे अनाजों रागी सावां कोदों ज्वार बाजरा आदि की उत्पादन तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने धान की फसल में उर्वरक एवं सिंचाई प्रबंधन, दलहनी-तिलहनी फसलों में गंधक का महत्व एवं प्रयोग तथा तोरिया की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी। डॉ. अजीत सिंह वत्स ने एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई, भूमि शोधन, बीज शोधन, खरपतवार प्रबंधन आदि बहुत महत्वपूर्ण है। इनको अपना कर किसान भाई अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। डॉक्टर मनोज कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने फल व सब्जियों की पौध उत्पादन, फल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक, डॉक्टर दिनेश कुमार पांडेय ने फल परिरक्षण की जानकारी दी। प्रवीण सिंह प्रगतिशील कृषक ने बताया कि गन्ना की उन्नतशील प्रजातियों के बीज का उत्पादन कर किसान भाई अच्छा मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। आरपीएन सिंह कृषि विभाग ने फसल चक्र में दलहनी फसलों के समावेश को जरूरी बताया। अनुज कुमार वर्मा प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार ने बीजों एवं अन्य कृषि निवेशों पर अनुदान तथा राजेश जायसवाल बीटीएम ने डीबीटी योजना की जानकारी दी। शिवकुमार मौर्य वीआर समग्र जलवायु ने औषधीय फसलों की खेती एवं उनके प्रयोग की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर, कृषि रक्षा इकाई, पशुपालन विभाग, गन्ना विभाग, धानुका एग्रीटेक, सृजन एग्रीटेक, पारादीप फास्फेट लिमिटेड, जय बजरंग ट्रैक्टर्स, वीआर समग्र जलवायु आदि ने कृषि प्रदर्शनी लगाकर कृषि की नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया। कृषि उपसंभाग मनकापुर के आशीष शुक्ला एटीएम, कमलेंद्र सिंह एटीएम, सुनील कुमार वर्मा एटीएम आदि ने किसान मेला के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर कृषि प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने वाली संस्थाओं एवं प्रगतिशील कृषकों को पुरस्कृत भी किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर को प्रथम, कृषि रक्षा इकाई मनकापुर को द्वितीय, गन्ना विकास विभाग तथा पशुपालन विभाग को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कृषि यंत्रीकरण में जय बजरंग ट्रैक्टर्स, उन्नतशील बीज व कृषि रसायनों के प्रदर्शन में नाथ बायोजीन प्राइवेट लिमिटेड, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, श्रिजन एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड, परदीप फास्फेट लिमिटेड, तथा इफको कृषक सेवा केंद्र झिलाही सहित प्रगतिशील कृषकों अतुल कुमार सिंह, शिवकुमार मौर्य, प्रवीण सिंह, रामसागर वर्मा को उप कृषि निदेशक द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषकों महादेव यादव, राजेश कुमार वर्मा, रामसागर वर्मा, समीर कुमार, शिव प्रसाद यादव, विनय कुमार सिंह, जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, मेलाराम यादव, आनंद त्रिपाठी, श्रीमती सुनीता देवी, बालिका शर्मा आदि प्रगतिशील कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग कर खेती की तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत अधिकारी का कारनामा, कागजों में हो गया निस्तारण

इटावा। संपूर्ण समाधान दिवस में समस्याओं से परेशान लोग बड़ी उम्मीद से अपना शिकायती प्रार्थना पत्र लेकर आते हैं कि उनकी समस्या का समाधान जल्द हो जाएगा। लेकिन डीएम की अध्यक्षता वाले संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों को बिजली विभाग के अधिकारी कितनी गंभीरता से लेते हैं। इसका उदाहरण दो सप्ताह बाद देखने को मिला है। हैरानी इस बात की है कि समाधान की बजाए संबंधित विभाग के अधिकारी ने शिकायतकर्ता के आरोप की निस्तारण की रिपोर्ट लगा दी, जबकि समाधान हुआ ही नहीं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस में लोग काफी आशावान रहते हैं। जिसमें समस्त विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहते हैं। इस वजह से ज्यादातर समस्याओं का तत्काल समाधान हो जाता है। पुरबिया टोला निवासी ओमप्रकाश पटेल ने बताया कि उन्होंने गत 19 अगस्त को जिलाधिकारी को तलैया मैदान में बिजली के ट्रांसफार्मर की एलटी लाइन खुली होने की वजह से इसकी जालियों को दुरुस्त कराने की शिकायत थी। आशंका थी कि ट्रांसफार्मर की जालियों में खुली केबल के स्पर्श से करंट होने से कभी भी हादसा हो सकता है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए समस्या निस्तारण के लिए अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया। जिसे उन्होंने संबंधित क्षेत्र के एसडीओ प्रथम को भेजा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 30 अगस्त को संबंधित अधिकारी ने निस्तारण की रिपोर्ट दे लगा दी, जबकि वो समस्या अभी तक दूर ही नहीं हुई, यानी करंट से हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

एक घंटे तक जाम में फंसी दो एंबुलेंस, अटकी रही जान

एटा। नगर में अतिक्रमण के कारण सोमवार को गांधी मूर्ति चौराहे पर जाम लग गया। इसमें करीब 1 घंटे तक दो एंबुलेंस भी फंसी रहीं। मरीजों को ले जा रहे तीमारदारों की जान अटकी रही। पुलिसकर्मी नदारद थे। ऐसे में स्थानीय दुकानदारों ने प्रयास कर एंबुलेंस को निकलवाया। नगर में अतिक्रमण के कारण जाम लगना आम बात हो गई है। सोमवार को गांधी मूर्ति चौराहे पर दोपहर के समय करीब 1 घंटे से अधिक समय तक जाम लगा। इसमें जहां सामान्य राहगीरों के अलावा स्कूलों के बच्चे फंसकर गर्मी से परेशान नजर आए। वहीं दो एंबुलेंस भी फंस गईं। दुकानदारों ने काफी देर तक प्रयास किया तब कहीं जाकर जाम खुल पाया। व्यापार मंडल द्वारा नगर में अतिक्रमण तथा जाम के संबंध में कई बार शांति समिति की बैठकों और व्यापारियों के साथ वार्ता के दौरान भी बात रखी जा चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। जिसके कारण आए दिन जाम के हालात बन जाते हैं। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विनोद कुमार आर्य ने बताया कि जाम की समस्या के लिए कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया। प्रशासन द्वारा आश्वासन भी मिला, परंतु जाम से छुटकारा नहीं मिल पाया। डाक बंगला के पास गल्ला आढ़तियों ने फुटपाथ पर पूरी तरह से कब्जा कर रखा है। इसके कारण वहां अक्सर जाम लगा रहता है। मातादीन चौराहे पर स्थित विधायक सत्यपाल सिंह राठौर के आवास तक पहुंचने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। एसडीएम वेदप्रिय आर्य ने बताया कि जाम की समस्या से निजात दिलाए जाने के लिए अतिक्रमण हटवाने को नगर पालिका को निर्देश दिए जाएंगे।

बिना रिश्वत के काम नहीं कर रहे थे राजस्व निरीक्षक, एंटी करप्शन की टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

देवरिया। देवरिया जिले में भाटपाररानी तहसील परिसर से मंगलवार को गोरखपुर एंटी करप्शन की टीम ने एक राजस्व निरीक्षक को 15000 रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए राजस्व निरीक्षक संतोष तिवारी के खिलाफ पुलिस ने भाटपाररानी थाने में केस दर्ज कर लिया है। तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक और बलुआ अफगान के लेखपाल अहिरौली बघेल गांव निवासी गणेश सिंह ने शिकायत किया था कि राजस्व निरीक्षक भूमि पैमाइश के लिए रुपये मांग रहे हैं।

गोरखनाथ मंदिर में सात सितंबर को मनाया जाएगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, जारी हुआ शेड्यूल

देवरिया। गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने दिया। उन्होंने कहा कि सात सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाएगा। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में श्री कृष्ण बाल रूप सज्जा एवं भजन संध्या कार्यक्रम बतौर संयोजक डॉ राकेश श्रीवास्तव के देखरेख में किया गया है। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव सात सितंबर 2023 को मनाया जाएगा। यह जानकारी गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने दिया। उन्होंने कहा कि सात सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाएगा। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में श्री कृष्ण बाल रूप सज्जा एवं भजन संध्या कार्यक्रम बतौर संयोजक डॉ राकेश श्रीवास्तव के देखरेख में किया गया है। डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि बाल रूप सज्जा दो वर्गों में होगी। कान्हा वर्ग (एक वर्ष से पांच वर्ष तक के बच्चे) तथा गोपाल वर्ग (छह वर्ष से ऊपर तक बच्चे) कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिभागी सात सितंबर को सुबह से निःशुल्क पंजीकरण गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर कार्यालय में करा लें अथवा वॉट्सएप नंबर 9415282997 पर निशुल्क फार्म उपलब्ध है। उक्त नंबर पर संपर्क कर निशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म, शिकायत करने पर मां को पीटा

गोरखपुर। घटना एक सितंबर की है। किशोरी को गांव के ही युवक ने शादी का झांसा देकर भगा ले गया और अपने ही घर में दुष्कर्म किया। उधर, उसकी तलाश में निकली मां को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने युवक के घरवालों से शिकायत की। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज इलाके के एक गांव में शादी का झांसा देकर 17 वर्षीय किशोरी से अपने घर में दुष्कर्म करने और शिकायत करने पर मां के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता को थाने पहुंची किशोरी की मां ने तहरीर दी है, जिस आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म करने, मारपीट, धमकी व पॉक्सो एक्ट की धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस ने युवक को दुष्कर्म व पॉक्सो और अन्य चार परिजनों को मारपीट का आरोपी बनाया है। जानकारी के मुताबिक, घटना एक सितंबर की है। किशोरी को गांव के ही युवक ने शादी का झांसा देकर भगा ले गया और अपने ही घर में दुष्कर्म किया। उधर, उसकी तलाश में निकली मां को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने युवक के घरवालों से शिकायत की। आरोप है कि युवक को समझाने की जगह घरवालों ने मिलकर किशोरी के मां की ही पिटाई कर दी थी। एसओ राजकुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सुपर सिटी के निदेशक और जीएम पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेक्टर टेकजोन-4 में मेसर्स सुपर सिटी बिल्डर के प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक कराने के आठ साल बाद भी नोएडा के सेक्टर- 22 निवासी दिनेश जैन को कब्जा नहीं मिला। पुलिस से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। अब कोर्ट के आदेश पर बिसरख कोतवाली पुलिस ने मेसर्स सुपर सिटी के निदेशक दीपक मिगलानी, जीएम तिलकराज अरोड़ा समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी आदि धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की है। बिसरख कोतवाली में दर्ज की गई एफआईआर में दिनेश जैन ने कहा है कि उन्होंने मई 2015 में मेसर्स सुपर सिटी बिल्डर के प्रोजेक्ट मैफेयर रेजीडेंसी की छठी मंजिल पर 1890 वर्गफुट का फ्लैट बुक कराया था। फ्लैट की कीमत 60 लाख रुपये थी। बिल्डर ने उससे कहा कि यदि वह एकमुश्त भुगतान करता है तो उसको यह फ्लैट लगभग 45 लाख रुपये में मिल जाएगा। बिल्डर के बहकावे में आकर दिनेश जैन ने लगभग 45 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। आरोप है कि बुकिंग के दौरान निवेशक को प्रोजेक्ट से जुड़े लुभावने वीडियो दिखाए गए थे। जिनमें सोसाइटी में होने वाले निर्माण की गुणवत्ता आदि दिखाई गई। तीन साल में कब्जा देने का दावा किया गया। लेकिन अब तक भी पीड़ित को कब्जा नहीं मिला और रुपये वापस नहीं किए।

मोपेड की टक्कर से सड़क पर गिरी बाइक, महिला की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर-कालपी मार्ग पर कुरारा क्षेत्र के झलोखर गांव के पास मोड़ पर मोपेड की टक्कर से अनियंत्रित होकर बाइक सड़क पर गिर गई। इससे बाइक सवार महिला व उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज दौरान महिला की मौत हो गई। बैंक से रुपये निकालने जा रहा था। महिला अपने भतीजे के साथ कुरारा कस्बा स्थित बैंक रुपये निकालने जा रही थी। बाइक चला रहा युवक हेलमेट लगाए था जबकि पीछे बैठी महिला हेलमेट नहीं लगाए थी। कुरारा क्षेत्र के पतारा ग्राम पंचायत के क्योटरा मजरा निवासी ममता (25) पत्नी राधेश्याम निषाद बाइक से अपने भतीजे जसवंत (18) पुत्र रामराज के साथ कुरारा बैंक से रुपये निकालने जा रही थी। जैसे ही वह झलोखर गांव स्थित तालाब मोड़ के पास पहुंचे तभी गांव के अंदर से आई मोपेड ने पीछे से टक्कर मार दी।

चार दिनों तक वाणिज्यिक वाहनों के लिए बंद रहेगा बॉर्डर

नोएडा। दिल्ली में जी-20 बैठक को देखते हुए जिले में भी वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। सात सितंबर की शाम पांच बजे से 10 सितंबर की रात 12 बजे तक वाणिज्यिक वाहनों के नोएडा से दिल्ली आने-जाने पर रोक रहेगी। साथ ही दूसरे शहरों से आने वाले भारी वाहन भी जिले में दाखिल नहीं हो सकेंगे। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार रात को इसकी एडवाइजरी जारी कर दी है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने बताया कि जी-20 बैठक को लेकर सोमवार को हुई दिल्ली में मीटिंग के बाद यह निर्णय लिया गया है। सात सितंबर की शाम से 10 सितंबर की आधी रात तक नोएडा से दिल्ली के सभी बॉर्डर पर वाणिज्यिक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लागू रहेगा। इसी तरह से नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेस समेत अन्य रास्तों से आने वाले वाणिज्यिक वाहनों को जिले में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। दिल्ली होकर दूसरे शहर जाने वाले वाहनों को अलीगढ़, बुलंदशहर और पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट कर दिया जाएगा। वहीं गौतमबुद्ध नगर के भीतर संचालित औद्योगिक और वाणिज्यिक इकाइयों के वाहनों को जिले में चलने की अनुमति होगी। हालांकि इन्हें भी दिल्ली जाने की इजाजत नहीं होगी। इसी तरह से एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को मेट्रो में सफर करने की सलाह दी गई है। जिले में ओला और उबर जैसी कैब सर्विस, एसेंसिएशल सर्विस से जुड़े वाहनों को नहीं रोका जाएगा। हालांकि इनपर दिल्ली के लिए जारी दिशानिर्देश लागू होगा।

13 साल की छात्रा का अपहरण करने वाला वांछित गिरफ्तार

एटा। थाना निधौली कलां क्षेत्र से 31 जुलाई को स्कूल से लौटते समय 13 साल की छात्रा का अपहरण कर लिया गया था। पुलिस ने छात्रा को तो पहले ही बरामद कर लिया था। जबकि आरोपी सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि छात्रा का अपहरण करने वाला वांछित आरोपी करन सिंह निवासी गांव उलाऊ थाना टूंडला जिला फिरोजाबाद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने 31 जुलाई की दोपहर स्कूल से लौटते समय 13 साल की छात्रा का अपहरण कर लिया था। वारदात के बाद छात्रा के भाई ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में नाम आने पर वांछित की तलाश लगातार की जा रही थी। सोमवार की सुबह कस्बे से ही आरोपी को पकड़ लिया गया।

छोटी-छोटी बात पर मारपीट और हत्या ने बढ़ाई पुलिस की परेशानी, सामने आ चुके हैं कई केस

गोरखपुर। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर खुद इसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस कार्रवाई कर डर पैदा करना चाहती है, लेकिन अब ऐसे लोग हैं, जिसको इन सबसे फर्क नहीं पड़ रहा है। वे मारपीट कर जेल की सलाखों तक पहुंच जा रहे हैं।

छोटी-छोटी बात पर मारपीट, हत्या जैसी वारदात ने पुलिस की परेशानी बढ़ा दी है। जिले में रोजाना सात से आठ मुकदमे बेमतलब की बात पर मारपीट के दर्ज किए जा रहे हैं। कहीं दरवाजे पर बच्चे के खेलने व शोर मचाने पर मारपीट की घटनाएं हो रही हैं तो कहीं दुकानदार के रुपये मांगने पर मारपीट कर घायल कर देने वाली वारदात सामने आ रही है। यहां तक तो फिर भी ठीक लेकिन मामूली बात पर भी हत्या जैसे जघन्य अपराध हुए हैं। ताजा मामला गगहा में सामने आया है। यहां पर जानवरों को भगाने के लिए टीन बजाने पर एक युवक की पीटकर हत्या कर दी गई। समाज में तेजी से आए इस बदलाव को लेकर पुलिस अफसर भी परेशान हैं।

सख्ती से निपटने के लिए पुलिस केस दर्ज कर रही है। साथ ही 151 (शांति भंग) में चालान कर एक रात हवालात में रखकर भी डर पैदा किया जा रहा है।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर खुद इसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस कार्रवाई कर डर पैदा करना चाहती है, लेकिन अब ऐसे लोग हैं, जिसको इन सबसे फर्क नहीं पड़ रहा है।

वे मारपीट कर जेल की सलाखों तक पहुंच जा रहे हैं। एसएसपी ने छोटी वारदात को रोकने के लिए पुलिस गश्त और बीपीओ को सतर्कता बरतने के आदेश को दोहराया भी है।

दुष्कर्म के बाद छात्रा की हत्या-पीड़ित परिजन से मिले राजभर, कहा-राम के जमाने में भी छिटपुट घटनाएं घट जाती थीं

एटा। एटा में दुष्कर्म के बाद छात्रा की हत्या के मामले में सुभासपा ओपी राजभर पीड़ित परिजन से मिलकर ढांढस बंधाया। इस दौरान पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि भगवान के श्री राम के जमाने में भी छिटपुट घटनाएं घट जाती थीं। मामले में पुलिस जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश के एटा में अलीगंज थाना में पंद्रह दिन पहले दुष्कर्म के बाद छात्रा की हत्या कर दी गई थी। मंगलवार को सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कहा कि भगवान श्रीराम के जमाने में भी छिट पुट घटनाए घट जाती थीं। बड़ा प्रदेश है अगर कोई घटना घटित होती है तो तत्काल पुलिस की टीमें एक्शन में आती हैं इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुलिस की पांच टीमें जांच कर रहीं है। एफआईआर नामजद लोगों विरुद्ध नहीं की गई है। पुलिस कप्तान भी उनकी विधानसभा क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। परिवार भी पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। कोई निर्दोष व्यक्ति मुकदमे में नहीं फंस जाए, इसलिए मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत हुई तो डीजी क्राइम से बात करके और टीमें भी लगाई जाएंगी। अपराधियों को गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था के सवाल पर कहा कि इतना बड़ा प्रदेश है, 25 करोड़ आबादी है। भगवान श्रीराम के जमाने में भी छिट पुट घटनाएं घट जाती थीं।

हा कि यूपी बड़ा प्रदेश है। यदि कोई घटना घटित होती है तो पुलिस टीमें तत्काल एक्शन में आती हैं। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करतीं हैं। एटा की घटना में भी पुलिस की पांच टीमें काम कर रही हैं। इंडिया गठबंधन पर कहा कि यह ईस्ट इंडिया कंपनी है। गठबंधन में अलग अलग तरह के मिजाज के लोग है। कुछ दिन के बाद गठबंधन समाप्त हो जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी; मंगला आरती व दर्शन का क्या है समय ?

समजावादी पार्टी से एनडीए गठबंधन में शामिल हुए राजभर ने अपने कद के बारे में चर्चा करते हुए बयान दिया की हाल में ही उत्तर प्रदेश में उपचुनाव हो रहे हैं, समाजवादियों ने उपचुनाव का माहौल ओमप्रकाश राजभर बनाम अखिलेश यादव बना दिया है। इसी से लोग समझ सकते हैं कि ओमप्रकाश राजभर का कद कितना बढ़ा है। शिवपाल यादव इन दिनों ओमप्रकाश राजभर पर हमलावर हैं।

भाइयों पर चाकू से हमले में पांच पर केस

देवरिया। नगर के बेलपार रेलवे क्रॉसिंग के पास एक दिन पूर्व एक मुर्गा की दुकान के पास दो सगे भाइयों पर मुर्गा काटने के चाकू से हमले के आरोप में पुलिस ने पांच नामजद व कुछ अज्ञात युवकों के विरुद्ध हत्या के प्रयास व बलवा का केस दर्ज कर लिया है।

घटना में घायल भाइयों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष टीजे सिंह ने बताया कि मामले में आदित्य राजभर, अंकित राजभर निवासी बेलपार पंडित, ऋषिकेश यादव व मुन्ना माफिया निवासी बिशुनपुरा तथा सूरज निवासी जमुनियाडीह बड़कागांव थाना भाटपाररानी तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास व बलवा का केस दर्ज कर घटना की छानबीन की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर युवती का शव मिलने में पांच पर हत्या का केस

देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की हत्या कर बिहार में रेलवे लाइन के किनारे शव फेंकने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। इसके बाद सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। जिन आरोपियों पर पुलिस ने कार्रवाई की है, उन पर मई माह में मारपीट कर छेड़खानी का केस दर्ज हुआ था और जेल भी गए थे। आरोपियों की पहचान विजय कुमार, सतीश, बेचू प्रसाद, जवाहर लाल, रानू के रूप में हुई है। रविवार को युवती की मां ने बनकटा थाने में तहरीर देकर बताया कि था कि बीते 31 अगस्त को उनकी बेटी रात में छत पर सो रही थी। इसी दौरान वह गायब हो गई। एक सितंबर को उसका शव घर से चार सौ मीटर की दूरी पर बिहार के मैरवा थाना क्षेत्र के दासनरहिया गांव के पास रेलवे लाइन पर मिला था। युवती के हाथ-पैर प्लास्टिक की रस्सी से बंधे हुए थे। शव दो हिस्सों में बंटा हुआ था। युवती की मां ने गांव के ही लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। उनका आरोप है कि बेटी के साथ आरोपियों ने मई माह में छेड़खानी कर उसकी पिटाई की थी। घर में लूटपाट भी की गई थी। इस मामले में केस भी दर्ज हुआ था। इस मामले में 31 अगस्त को समन तामील होने के बाद आरोपी बौखला गए और हत्या की साजिश रच डाली। छत पर सोते समय वे उनकी बेटी को उठा कर लेकर चले गए और हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गांव के विजय कुमार, सतीश, बेचू प्रसाद, जवाहर लाल, रानू के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

वारंट से बचने के लिए बर्खास्त शिक्षिका हंसमुखी बन गई नीलम

एटा। थाना मारहरा में बर्खास्त शिक्षिका के खिलाफ नाम बदलकर रहने की रिपोर्ट लिखाई गई है। महिला के खिलाफ फर्जी दस्तावेज से नौकरी पाने का मुकदमा चल रहा है। इसके अदालतों से वारंट जारी हो रहे हैं। इनसे बचने के लिए नाम बदलकर दस्तावेज तैयार कराने का आरोप है। जिला कासगंज के थाना सहावर क्षेत्र के गांव लक्ष्मिनपुर खोजपुर निवासी गिरिजा शंकर ने एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें कहा कि हंसमुखी पुत्री चंद्रपाल निवासी मोहल्ला ब्राहमणपुरी थाना मारहरा ने अपना नाम बदला है। अब कासगंज में मकान लेकर और नीलम नाम के आधार, पैन कार्ड आदि बनवा लिए हैं। महिला के खिलाफ फर्जी दस्तावेज व धोखाधड़ी से शिक्षिका की नौकरी पाने का मुकदमा बदायूं में दर्ज है। जबकि एटा अदालत में मामला विचाराधीन है। दोनों ही जिलों की अदालतों से वारंट जारी हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए नाम बदलकर रह रही है। गिरिजा शंकर ने बताया कि उसकी शादी हंसमुखी से हुई थी, लेकिन बाद में उसने आरोप लगाकर उत्पीड़न का मुकदमा लिखवाया। इसके कारण विवाद चल रहा है। एक बेटी है जो अपनी मां के साथ रहती है। आरोप है कि तत्कालीन बीएसए बदायूं प्रेमचंद के खिलाफ भी हंसमुखी ने एक मुकदमा दर्ज कराया था। थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि महिला फर्जी दस्तावेज से शिक्षिका की नौकरी कर रही थी। इसको लेकर मुकदमा चल रहा है, इसमें वारंट जारी हो चुके हैं। नाम बदलकर रहने की शिकायत मिली तो सीओ सदर ने जांच में सही पाया। इसके बाद पति की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। महिला की तलाश की जा रही है।

अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

देवरिया। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने सोमवार को तहसील में प्रदर्शन किया। अधिवक्ता 29 अगस्त को हापुड़ में हुए लाठीचार्ज का विरोध कर रहे थे। दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन एसडीएम सीमा पांडेय को सौंपा। इसमें हापुड़ के डीएम व एसपी का स्थानांतरण करने, अधिवक्ताओं को पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज करने, प्रदेश भर में अधिवक्ताओं पर दर्ज मनगढ़ंत केसों को वापस लेने, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर तत्काल प्रदेश में लागू करने व हापुड़ के घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा देने की मांग की है। इस दौरान जितेंद्र कुमार मिश्र, ब्रजेश कुमार मिश्र, प्रमोद तिवारी, सत्येंद्र कुमार तिवारी, संजय गुप्त, रमेश कुमार चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित दो अस्पतालों पर छापा, सील

देवरिया। अवैध अस्पतालों के खिलाफ सोमवार की शाम स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन की ओर से संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान में शहर के विभिन्न स्थानों पर दो अस्पतालों में छापा मारा गया। कागजात तथा मानक पूरे नहीं मिलने पर दोनों अस्पतालों को सील कर दिया गया। एसडीएम सदर योगेश कुमार गौड़, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरपी यादव के नेतृत्व में टीम शहर के रामनाथ देवरिया शहीद गेट के पास स्थित जेके लक्ष्मी हॉस्पिटल पर पहुंची। मौके पर कोई चिकित्सक और प्रशिक्षित कर्मचारी नहीं मिले। एक मरीज शादिया खातून निवासी कंचनपुर प्रसव के लिए भर्ती थीं, जिन्हें ड्रिप चढ़ाया जा रहा था, उन्हें एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में शिफ्ट कराया गया। इसके बाद टीम ने हॉस्पिटल को सील कर दिया। मई माह में भी हॉस्पिटल पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन के क्रम में निरीक्षण के दौरान मौके पर चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टाफ नहीं मिले थे, जिस आधार पर आवेदन को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद शाम को शहीद गेट के पास स्थित न्यू मेट्रो हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया, जहां तीन मरीज भर्ती मिले। इसमें दो मरीजों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जबकि एक मरीज को मरीज को उसकी इच्छा से एक सर्जन के यहां भर्ती कराया गया। यहां मौके पर कोई पंजीकृत चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ नहीं मिले। हॉस्पिटल भवन के प्रथम तल में संचालित होता है, जिसमें जाने का रास्ता संकरी सीढ़ी है, जो मरीजों के आने-जाने के लिए उपयुक्त नहीं है। बताया गया कि भवन के द्वितीय तल पर किराएदार हैं, जिनका रास्ता एक ही है। टीम ने हास्पिटल को सील कर दिया गया।

फिल्म सिटी में केवल वहां काम करने वाले कर पाएंगे प्रवेश

नोएडा। सेक्टर-16ए स्थित फिल्म सिटी में केवल वहीं काम करने वाले लोगों के वाहनों को प्रवेश की इजाजत होगी। अब डीएनडी फ्लाईओवर से रजनीगंधा अंडरपास के ऊपर से यू-टर्न कर फिल्म सिटी पार्किंग स्थल से अंदर प्रवेश कर फिल्म सिटी के मुख्य मार्ग से एक्सप्रेसवे पर निकलने वाले वाहनों पर रोक लगा दी गई है।

ऐसे वाहन रजनीगंधा लूप से एक्सप्रेसवे होकर गंतव्य को जाएंगे। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने फिल्म सिटी में यातायात की समस्या को लेकर वाहं की कंपनियों, न्यूज चैनलों के प्रतिनिधियों, स्थानीय संस्थाओं के निवासियों के साथ सेक्टर-14ए स्थित यातायात पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बैठक की।

जिंदा करने का दावा-पोस्टमॉर्टम हाउस पर हुआ झाड़ फूंक, शव के कान पर लगाया फोन...फिर दिखा हैरान करने वाला दृश्य

एटा। एटा में एक बायगीर ने सांप काटने से हुई युवक की मौत को बाद उसे जिंदा करने का दावा करने लगा। पोस्टमॉर्टम हाउस पर रखे शव का झाड़ फूंक कराया गया। शव के कान पर फोन लगाया गया। इसके बाद हैरान करने वाला दृश्य दिखा। उत्तर प्रदेश के एटा में सोमवार को पोस्टमॉर्टम हाउस पर चौंकाने वाला मामला देखने को मिला है। यहां सर्प दंश से मृत युवक के शव को रखा गया था, साथ में परिजन आए थे। इसी बीच एक बायगीर ने मृतक को जिंदा करने की गारंटी उसके कहने पर परिजन ने मोबाइल फोन मृतक के कान पर लगा दिया। फोन कॉल पर बायगीर झाड़-फूंक करता रहा। हालांकि इससे कुछ नहीं हुआ और बाद में बायगीर का ही मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। जिले के ढर्रा गांव निवासी वीरपाल ने बताया कि शनिवार की शाम को उसका 30 वर्षीय बेटा हुकुम सिंह खेतों पर काम कर वापस घर आ रहा था। इस दौरान सड़क पर उसे सर्प ने काट लिया। उसे लेकर मेडिकल कॉलेज आए। यहां चिकित्सक ने उपचार किया। करीब पांच घंटे बाद उसे घर ले जाने की सलाह दी। बेटा पूरी तरह से स्वस्थ था, जिसे घर लेकर चले गए। रविवार की सुबह वह शौच करने गया। वहां से वापस आने के बाद कहा कि पेट में दर्द हो रहा है। कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

इसके बाद परिजन रविवार को शव लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया। किसी ने पोंडरी में बायगीर की जानकारी परिजन को दी। इस पर परिजन ने बायगीर से मोबाइल पर बात की। बायगीर ने बताया कि मृतक के कान पर मोबाइल रख दो। कुछ बोलूंगा इसके बाद सब ठीक हो जाएगा। परिजन ने वहां तैनात कर्मियों से बात की और शव के कान पर मोबाइल रख दिया। कुछ देर बाद कॉल कट गई। कॉल मिलाने पर बायगीर का मोबाइल बंद बताने लगा। सीएमएस डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि सर्पदंश के बाद प्रथम एक घंटा बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सर्पदंश के शिकार व्यक्ति को एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन लग जाना चाहिए। अक्सर लोग पहले तो झाड़-फूंक के चक्कर में पड़ जाते हैं।

सांप जहरीला न होने की स्थिति में वह ठीक भी हो जाते हैं, लेकिन जहरीला सांप होने पर जब उन्हें झाड़-फूंक से राहत नहीं मिलती है तब अस्पताल जाते हैं। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। सांप काटने के बाद सीधा अस्पताल आने वाले लोगों की जान बचाई जा सकती है। इंजेक्शन लगने और उपचार के बाद युवक की मौत हुई है तो यह जांच का विषय है।

पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने फंदा लगाया, मौत

इटावा। फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के कृष्णा विहार कॉलोनी में घर के अंदर पत्नी से कहासुनी के बाद पति ने फंदा लगा लिया। परिजन युवक को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी गौरव यादव (22) पुत्र अर्जुन सिंह ने सोमवार सुबह घर के कमरे में फंदा लगा लिया। युवक के भाई महिपाल सिंह ने बताया कि गौरव ने भाभी डोली से कहासुनी होने पर पंखे के सहारे फंदा लगा लिया। पत्नी की सूचना पर पहुंचे परिजन गौरव को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पिता अर्जुन सिंह ने बताया कि उनका बेटा नोएडा की एक कंपनी में काम करता था। वह सात अगस्त को घर आया था तब से वह काम पर नहीं गया। लेकिन गौरव और उसकी पत्नी डोली के बीच आए दिन झगड़ा हुआ करता था। घटना के एक दिन पहले ही पत्नी ने यूपी 112 पुलिस को फोन कर अपने घर बुलाया था।

बुखार से महिला की मौत, प्लेटलेट्स कम होने पर बालिका रेफर

एटा। जिले में बुखार से मौतों का सिलसिला जारी है। सोमवार की सुबह एक 53 वर्षीय महिला की मौत बुखार से हो गई। जबकि 9 वर्षीय बालिका को प्लेटलेट्स कम होने पर आगरा के लिए रेफर किया गया। वहीं ओपीडी में सोमवार को 256 बुखार से पीड़ित लोग पहुंचे। इस दौरान दो मरीजों को वार्ड में भर्ती किया गया। सोमवार को सुबह आठ बजे से ही मरीजों की भीड़ पर्चा काउंटर पर लगना शुरू हो गई थी। पर्चा बनवाने के बाद मरीजों की भीड़ चिकित्सकों के कक्षों के बाहर पहुंची। फिजीशियन से लेकर त्वचा व हड्डी सहित आंख, बाल रोग के चिकित्सक के कक्षों के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी थी। सर्वाधिक भीड़ फिजीशियन कक्ष के बाहर थी। यहां महिला व पुरुषों की अलग-अलग लाइन कतार थी।

डॉ. माधवेंद्र सहित अन्य चिकित्सक उपचार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ओपीडी में करीब 380 मरीजों को देखा गया। इस दौरान 200 के लगभग बुखार से पीड़ित थे। बाल रोग विभाग में डॉ. पारस द्वारा मरीजों का उपचार किया जा रहा था।

उन्होंने बताया 52 बच्चे उनके पास बुखार के पीड़ित पहुंचे हैं। वहीं सोमवार की सुबह मारहरा से 53 वर्षीय नगीना को लेकर परिजन मेडिकल कॉलेज में पहुंचे। बताया कि तीन दिन से बुखार आ रहा था। मारहरा में दिखाया था। सोमवार की सुबह हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज लेकर आए हैं। यहां चिकित्सक ने मृत बता दिया। वहीं एमसीएच में बने बच्चा वार्ड से गांव दतेई निवासी 9 वर्षीय सौम्या की प्लेटलेट्स कम होने पर आगरा रेफर किया गया। परिजन ने बताया कि 9 दिन से बुखार आ रहा था। एक सितंबर को यहां लेकर आए थे। भर्ती कर लिया लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। अब रेफर कर दिया है।

प्रेम विवाह-पति ने रखी दोस्तों संग सोने की शर्त, न मानी तो की घिनौनी करतूत

एटा। यूपी के एटा में प्रेम विवाह को एक माह भी नहीं बीता है। उससे पहले ही महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पति शराब पीने के बाद उसे दोस्तों को परोसना चाहता था। ऐसा न करने पर उसकी पिटाई की गई। जिसके चलते वह रात में ससुराल छोड़कर आई है। यूपी के एटा जिले की कोतवाली नगर इलाके में स्थित एक मोहल्ले की युवती ने घरवालों से लड़कर प्रेम विवाह किया। युवती की शादी को अभी एक माह भी नहीं हुआ, पति पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं।

पति पर लगाया ये आरोप

आरोप है कि पति शराब पीने के बाद उसे दोस्तों को परोसना चाहता था। ऐसा न करने पर उसकी पिटाई की गई। जिसके चलते वह रात में ससुराल छोड़कर आई है। शहर के एक मोहल्ला निवासी ग्राम प्रधान के पुत्र से हाल ही में प्रेम विवाह करने वाली महिला का सोमवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ।

हत्या करने का किया प्रयास

इसमें महिला कह रही है कि पति मारता-पीटता है और दोस्तों के साथ भी संबंध बनाने का दबाव डालता है। जब दोस्तों के साथ संबंध बनाने से मना किया तो गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की गई। महिला का आरोप है कि उत्पीड़न से परेशान होकर रात तीन बजे छिपकर निकली और अपने पिता के पास पहुंची।

बेटी का कर लिया अपहरण

महिला ने उन्हें पूरी कहानी बताई। वहीं पिता का आरोप है कि 28 जुलाई को बेटी कॉलेज से टीसी लेने गई थी। तभी बेटी का कार में डालकर अपहरण कर लिया गया और बाद में शादी कर ली। कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि दोनों ने प्रेम विवाह किया है, शादी के 7 साल से पहले पति-पत्नी के मामले सुलह-समझौता केंद्र भेजे जाते हैं।

इसलिए नहीं हुई कार्रवाई

तहरीर आई है समझौता केंद्र भेजने की बात महिला के परिवार वालों से कही। इस पर उन्होंने अभी कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए बोला है। संभावना है कि दंपती साथ बैठेंगे तो उनमें समझौता हो सकता है। इसलिए अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

दुकान बंद कर घर जा रहे युवक को पीटा

देवरिया। दुकान बंद कर घर लौट रहे युवक को मनबढ़ों ने रास्ते में मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर दो को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। वहीं घायल युवक का इलाज गोरखपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के गुद्दीजोर गांव निवासी सिकंदर अंसारी लंगड़ा चौराहे पर दुकान चलाते हैं। रविवार की रात दुकान बंद कर घर लौटने के दौरान लगड़ा चौराहे के पास रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे मनबढ़ों ने दुकानदार पर लाठी-डंडे से हमला बोल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर मचाने पर पहुंचे लोगों ने घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल ले गए जहां स्थिति गम्भीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पीड़ित के चाचा नासिर के शिकायत पर पुलिस ने विनय गोंड, पुष्पेंद्र पटेल निवासी खजुरिया, अभिषेक मिश्र उर्फ किलर निवासी उदयपुरा के खिलाफ हत्या के प्रयास आदि का केस दर्ज किया है।

डॉक्टर की लापरवाही- जिस मरीज को स्वस्थ बताकर दी छुट्टी, दो कदम चलते ही हुआ ऐसा हाल; परिजनों में मची चीख पुकार

एटा। एटा मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक की लापरवाही का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मसीएच विंग में भर्ती एक युवक को डॉक्टर ने स्वस्थ बताकर छुट्टी दे दी, लेकिन जैसे ही वो दो कदम चला तो उसकी हालत खराब हो गई। वो जमीन पर गिर पड़ा, ये देख परिजनों में चीख पुकार मच गई।

उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सोमवार को एमसीएच विंग में तृतीय तल पर भर्ती एक मरीज को चिकित्सक ने स्वस्थ बता उसकी छुट्टी कर दी। पत्नी के साथ घर जाने के लिए निकला ही था। इसी दौरान मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में बेहोश होकर गिर गया। उसकी पत्नी रोने लगी। बाद में उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया।

दो दिन पहले हुआ था भर्ती

गांव सोहनपुर निवासी ईश्वरी देवी ने बताया 40 वर्षीय पति रवि को डायबिटीज की दिक्कत हैं। दो दिन पूर्व उन्हें भर्ती कराया था। इस दौरान एमसीएच विंग में तृतीय तल पर वह भर्ती थे। सोमवार को चिकित्सक आए और कहा इंजेक्शन लगाकर इनकी छुट्टी कर दो। स्वास्थ्य कर्मियों ने इंजेक्शन लगाने के बाद छुट्टी कर दी। पति को लेकर घर जा रही थी। इस दौरान वह कॉलेज में गिर पड़े और बेहोश हो गए। बाद में चिकित्सकों के पहुंचने के बाद उन्हें दोबारा भर्ती कराया गया।

मरीज दवा काउंटर के पास गिरा था। वहां पास में ही सर्जिकल वार्ड है। उसमें वार्डबॉय की ड्यूटी रहती है। सीएमएस ने सर्जिकल वार्ड के वार्डबॉय को बुलाया, लेकिन ड्यूटी पर एक भी मौजूद नहीं मिला। इस पर उनका पारा चढ़ गया। बाद में इमरजेंसी से स्वास्थ्यकर्मी आए और मरीज को लेकर गए। सीएमएस डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मरीज घर जाते समय मरीज गिर गया था। उसे डायबिटीज की दिक्कत थी। सूचना पर मौके पर गया और उसे दोबारा भर्ती करा दिया

अवैध रूप से चल रही दो पैथोलॉजी सील

देवरिया। लोगों की शिकायत पर सोमवार को एसडीएम अंगद यादव व भाटपाररानी चिकित्सा प्रभारी डॉ. इमाम हुसैन सिद्दीकी के नेतृत्व में टीम ने अवैध रूप से संचालित दो पैथोलॉजी को सील कर दिया। कार्रवाई की खबर पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई इसके बाद अवैध संचालक धड़ाधड़ केंद्र बंद कर फरार हो गए। सोमवार को सबसे पहले टीम भाटपाररानी पीएचसी के पास महावीर अल्ट्रासाउंड पैथोलॉजी पर पहुंची और अल्ट्रासाउंड की जांच की। वहां कोई कागज नहीं मिला। लैब टेक्नीशियन के नाम पर एक इंटर पास लड़का बैठा था। अल्ट्रासाउंड करने वाला कोई सक्षम चिकित्सक का नाम नहीं मिला। कागजात आदि भी नहीं उपलब्ध कराया गया। वहां से टीम नगर के दुर्गा मंदिर के पास आनंद अल्ट्रासाउंड पैथोलॉजी पर पहुंची, जहां एक-रे मशीन मौजूद थी, लेकिन न तो एक्स-रे टेक्नीशियन था और न ही कोई सक्षम चिकित्सक। अल्ट्रासाउंड के नाम पर भी वहां न तो कागज देखने को मिला और नहीं कोई चिकित्सक मिला। इससे इन दोनों पैथोलॉजी को एसडीएम ने सील कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 12 सितम्बर को

बहराइच। सदस्य सचिव एवं अधि.अभि. स.न.ख.-पंचम बहराइच ने बताया कि शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष जनपद सिंचाई बन्धु राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 12 सितम्बर 2023 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में आहूत की गयी है। सदस्य सचिव ने बताया कि जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन व बन्दी की समीक्षा, सिंचाई शुल्क निर्धारण, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण के साथ-साथ सिंचाई मंत्री द्वारा निर्देशित अन्य कार्यो पर चर्चा की जायेगी। उन्होंने सभी सम्बन्धित से ससमय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

ग्राम अदालत का आयोजन 11 सितम्बर को

बहराइच। बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी ने बताया कि चकबन्दी से सम्बन्धित सहायक चकबन्दी अधिकारी अथवा उप संचालक चकबन्दी के न्यायालय में विचाराधीन वादों के निस्तारण के उद्देश्य से शासन के निर्देश के क्रम में 11 सितम्बर 2023 को तहसील पयागपुर के ग्राम राजापुर गिरण्ट के बुढऊ बाबा मन्दिर परिसर में ग्राम अदालत का आयोजन किया गया है। वाद से सम्बन्धित किसान ग्राम अदालत में समय से उपस्थित होकर लाभ उठाये।

सीईओ पद से त्यागपत्र देने के बाद बेच दी 1.97 करोड़ की सरकारी प्रतिभूति

गाजीपुर। पूर्वांचल को आपरेटिव बैंक मामले में लगातार एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। बैंक के रिपोर्ट के अनुसार पूर्व सीईओ विवेक पाण्डेय द्वारा त्यागपत्र दिए जाने के बाद भी अनाधिकृत रूप से 1.97 करोड़ की सरकारी प्रतिभूति (सरकारी सिक्योरिटी) बेच दी। रिपोर्ट के मुताबिक एसएलआर के रूप में रक्षित रहनी थी, जबकि पूर्व सीईओ ने उसकी बिक्री कर दी। इससे एसएलआर शून्य कर हो गया। दर्ज कराए गए मुकदमे के मुताबिक इस पूरे प्रकरण की विभागीय जांच की जा रही है। आगे की जांच में यदि कोई अन्य प्रकरण भी प्रकाश में आता है तो उसे इसमें सम्मलित किया जाएगा। उधर, ददरी घाट निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविंद कुमार मिश्रा ने भी बैंक को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने इसकी शिकायत आरबीआई, ईडी से भी की है। अरविंद कुमार मिश्रा के मुताबिक पिछले डेढ़ वर्षो से लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैंक में भ्रष्टाचार करने वाले रामबाबू शांडिल्य और उनके परिवार व खानदान के सभी सदस्यों की संपत्तियों की जांच होनी चाहिए। क्योंकि उनके सोर्स ऑफ इनकम की अपेक्षा इन लोगों की चल और अचल संपत्ति कई गुना अधिक है।

परिवार और रिश्तेदार हैं बैंक के उच्चपदों पर आसीन

ददरी घाट निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविंद कुमार मिश्रा के मुताबिक रामबाबू शांडिल्य के परिवार और रिश्तेदार ही बैंक के सर्वोच्च पद पर कार्यरत हैं। इसमें सीईओ विवेक पांडेय, सीईओ रवि शंकर, अध्यक्ष राजकुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष शालिनी पांडेय, एजीएम रचना तिवारी, एजीएम रश्मि शांडिल्य, एजीएम रविकांत पांडेय (दामाद) और डायरेक्टर आनंद कुमार त्रिपाठी एवं कई नात रिश्तेदार उच्च पद पर आसीन रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि वो पूर्व में ही इसकी करीब 50 शिकायत सीएम पोर्टल पर कर चुके हैं।

शिक्षक दिवस पर जिले के शिक्षकों का हुआ सम्मान

बहराइच। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति, दार्शनिक, विचारक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस (शिक्षक दिवस) के अवसर पर लोकभवन सभागार लखनऊ में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के 75 एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के 19 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों हेतु 2.09 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम एवं बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों हेतु 18381 स्मार्ट क्लास व 880 आई.सी.टी. का उद्घाटन भी मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने जिलाधिकारी मोनिका रानी, मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना के साथ 15 शिक्षकों व रंगोली बनाने वाली शिक्षिकाओं को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार शिक्षा के विकास हेतु दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश के शिक्षा के विकास के लिए अनेकों योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित कर कायाकल्प जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यालयों भवनों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार नये आयाम सथापित कर रही है। विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में गुरूजनों का अमूल्य योगदान है। शिक्षक समाज आज भी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निर्वहन कर रहे हैं। श्री वर्मा ने भी मौजूद शिक्षकों को शिक्षा दिवस की बधाई दी।

जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सभी को शिक्षा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक द्वारा बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए किया गया प्रयास कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है। उन्होंने कहा कि अरबो-खरबों रूपये की लागत से निर्मित होने वाली परियोजनाएं एक न एक दिन नष्ट हो जाता है परन्तु शिक्षक द्वारा दिये गये संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के लिए पथ प्रदर्शक बने रहते हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित हुए डीएम ने अपने शिक्षक जीवनकाल के अनुभवों को साझा करते हुए शिक्षकों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्तराम तिवारी व अन्य विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

लम्पी स्किन डिजीज के प्रभावी नियंत्रण के लिए डीएम की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

बहराइच। जनपद में लम्पी स्किन डिजीज पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सोमवार को देर शाम पशुपालन विभाग व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान निर्देश दिया कि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एलर्ट मोड में रहकर स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाये रखें। पशुपालकों को पशुओं की बीमारी से बचाव के लिए जागरूक करें। पशुबाड़ों की समुचित साफ-सफाई के लिए भी जागरूक करें। विभागीय अधिकारी नियमित रूप से गोआश्रय स्थल का भ्रमण कर संरक्षित गोवंशों की देखभाल करें यदि कोई गोवंश बीमार पाया जाता है तो समुचित उपचार के साथ उसे अलग रखने की व्यवस्था की जाय। बैठक में वर्चुअली प्रतिभाग कर रहे एसडीएम व बीडीओ को निर्देश दिये गये कि वे भी अपने स्तर से स्थिति पर नज़र रखें तथा गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशो के लिए भूसा, चारा, पानी, छाया इत्यादि मूलभूत सुविधाओं के पुख्ता प्रबन्ध किये जाय। डीएम ने पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि रोग की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करें। जिला प्रशासन के सहयोग के सभी प्रिवेन्टिव एक्शन का अमल में लाया जाय। रोग से बचाव हेतु क्या करना है और क्या नहीं करना है के बारे में क्षेत्र के पशुपालकों को जागरूक करें। पशु पालको में रोग से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलायें यथा वाल पेण्टिग, पैम्फलेट, मुनादी कराकर लोगों को जानकारी दी जाय। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत डॉ वीरेन्द्र कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारीगण, पशु चिकित्साधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सहकारी समिति का सदस्य बनकर सहकारिता आन्दोलन को सबल बनाएं आमजन-सीडीओ

बहराइच। मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना ने बताया कि सहकारी समितियों द्वारा उपकेन्द्रों की स्थापना के माध्यम से समस्त ग्रामीण क्षेत्र को लाभदायक कृषि निवेश उपलब्ध कराने एवं ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार किये जाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किया जा रहा है। शासन की मंशा तथा नीति के अनुरूप सभी लाभों के परिप्रेक्ष्य में जिले के समस्त किसान भाईयों एवं सहकारिता में रूचि रखने वाले अन्य प्रबुद्धजन रू. 200=00 का न्यूनतम अंश क्रय करके निकटवर्ती समिति का सदस्य बनकर सहकारिता आन्दोलन को सबल, अधिक उपयोगी बनाये जाने तथा सहकार से समृद्धि की केन्द्र सरकार की योजना को मूर्तरूप में स्थापित करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें। सीडीओ ने बताया कि सहकारी समिति से संचालित योजनाओं का सम्यक लाभ लिये जाने हेतु समिति का सदस्य होना आवश्यक है। सीडीओ ने बताया कि सहकारी समितियां अल्पकालीन कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तीन प्रतिशत रियायती साधारण व्याज दर पर काश्तकारों को ऋण उपलब्ध कराती हैं, जबकि वाणिज्यिक बैंकों में चार प्रतिशत चक्रवृद्धि ब्याज दर पर कृषि ऋण वितरित किया जाता है। जिससे स्वत: स्पष्ट है कि सहकारी समितियों के माध्यम से अल्पकालीन कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ऋण लेना काश्तकारों के हितों के अनुकूल है। सहकारी समिति से ऋण प्राप्त करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा विभिन्न फसलों के लिए पृथक-पृथक निर्धारित वित्तमान एवं कृषक द्वारा धारित कृषि योग्य भूमि के आंकलन के अनुसार ऋण प्रदान किये जाने की सुविधा उपलब्ध है। प्रदेश में सहकारी समितियों के माध्यम से सहकारी कृषकों के क्रेडिट कार्ड योजना दिसम्बर 1999 से लागू है। यह ऋण सदस्यों को फसल तैयार करने हेतु नगद एवं वस्तु के रूप में किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत उपलब्ध कराया जाता है। सहकारी समितिया कृषक भाईयों की कृषि उपज का खरीद करने वाली सबसे महत्वपूर्ण ईकाई भी है। सहकारी समितियां द्वारा संचालित क्रय केन्द्रों की विशेषता यह है कि अन्य एजेन्सियों के मुकाबले इनके क्रय केन्द्र दूर-दराज के क्षेत्रों में कृषकों से उनके द्वार पर उपजों का विपणन करके उन्हें न्यूनतम समर्थन योजना से लाभान्वित कराती है। भारत सरकार में सहकारिता मंत्रालय के गठन के उपरान्त सहकारी समितियां के माध्यम से जन औषधि केन्द्रों की स्थापना तथा संचालन की प्रक्रिया प्रगति में हैं जिसके उपरान्त सहकारी समितियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार हेतु अत्यधिक उपयोगी योगदान देगी। ग्रामीण क्षेत्र के काश्तकार तथा सहकारी समितियों के सदस्य प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों में रियायती दरों पर जीवन रक्षक एवं दैनिक उपयोग की औषधियां प्राप्त कर पायेगें। इसके अलावा सहकारी समितियों के माध्यम से विश्व की सबसे बड़ी भण्डारण योजना विकसित करने की केन्द्र सरकार की योजना सम्प्रति प्रगति में है। सहकारी समितियों के गोदामों का डब्लूडीआरए में पंजीकरण भी कराया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के काश्तकार अपनी कृषि उपजो का सुरक्षित तथा वैज्ञानिक ढंग से भण्डारण भी समितियों के गोदामों में कर पाने में सक्षम होंगे। सीडीओ कविता मीना ने बताया कि इसके अलावा सहकारी समितियां एफपीओ/एफपीसी से सम्बद्ध होकर एफपीओ/एफपीसी के कामकाज को सुगम बनाने व विस्तारित करने का कार्य कर रही है। सहकारी समितियां कृषि उपजों के भण्डारण, विपणन, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी तथा मत्स्य जैसी गतिविधियों के विकास हेतु भी अपनी अमूल्य योगदान प्रदान करने में सक्षम है।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई नानपारा चीनी मिल के सामान्य निकाय की बैठक

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में श्रावस्ती किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड नानपारा के सामान्य निकाय की बैठक चीनी मिल परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव/प्रधान प्रबन्धक यमुनाधर चौहान द्वारा बिन्दुवार एजेण्डा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आदर्श उप विधियों को अंगीकार किये जाने से चीनी मिल व गन्ना किसानों को काफी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि मिल द्वारा अब तक गन्ना मूल्य का भुगतान डीबीटी के माध्यम से हो रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र से गन्ना कृषकों को सभी प्रकार का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

प्रधान प्रबन्धक श्री चौहान ने बताया कि चीनी मिल के संचालक मण्डल में 40 हज़ार से अधिक सदस्य है। जबकि 1603 नये सदस्यों को संचालक मण्डल में शामिल किये जाने का प्रस्ताव है। चीनी मिल को समावेशी बनाए जाने हेतु नवाचार को अपनाया जा रहा है। चीनी मिल द्वारा गत वर्ष 22 क्रय केन्द्रों के माध्यम से 32 लाख कुण्टल गन्ना की खरीद की गई थी। इस वर्ष 22 क्रय केन्द्रों के माध्यम से 40 लाख कुण्टल गन्ना क्रय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष मिल संचालन में रू. 197 करोड़ व्यय किया गया था। आगामी पेराई सत्र में रू. 196 करोड़ व्यय करने का प्रस्ताव है। संचालन मण्डल के पूर्व निदेशक योगेश प्रताप सिंह बैजू भईया ने आदर्श उप विधियों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। चीनी मिल संचालक मण्डल बैठक के दौरान गत बैठक 28 जुलाई 2021 की कार्यवाही की पुष्टि, शासन के निर्देशों के क्रम में आदर्श उप विधियों को अंगीकार किये जाने, पेराई सत्र 2023-24 हेतु बाह्य क्रय केन्द्रों को सुरक्षित कराये जाने, सत्र 2022-23 पर बनाये गए सदस्यों के अनुमोदन पर विचार-विमर्श के साथ-साथ पेराई सत्र वर्ष 2023-24 हेतु चीनी मिल समिति संघ द्वारा स्वीकृत बजट का अनुमोदन पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक के अन्त में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि गन्ना किसानों व चीनी मिल के हित को दृष्टिगत रखते हुए चीनी को नवीन तकनीक के साथ संचालित करना होगा। गन्ना विकास व सहकारिता के क्षेत्र में नवीन तकनीकों को अपना कर मिल व कृषकों का आर्थिक उत्थान किया जा सकता है। संचालक मण्डल द्वारा उठायी गयी समस्याओं के सन्दर्भ में डीएम ने कहा कि जायज समस्याओं को समयबद्धता के साथ निदान कराया जायेगा। बैठक के अन्त में जिला गन्ना अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ल ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रगतिशील गन्ना कृषक सम्पूर्णानन्द सिंह, शिव शंकर सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या अन्य किसान, चीनी मिल के अधिकारी मौजूद रहे।

सामने जिस तरह जमजम के हो गन्दा पानी...

कर्नलगंज, गोण्डा। साहित्यिक संस्था 'बज़्मे शामे ग़ज़ल' के तत्वाधान में मनक़बती षेरी नषिस्त (काव्य गोश्ठी) मोहल्ला नई बाज़ार में आयोजित हुई। हाजी सगीर आलम अंसारी की सरपरस्ती में गोश्ठी की अध्यक्षता गणेष तिवारी 'नेष' ने की और संचालन याकूब सिद्दीकी 'अज़्म' व अहमद रजा 'रज़्म' ने संयुक्त रूप से किया। डॉ हबीबुल्लाह कार्यक्रम के अतिथि रहे। मुख्तार खाँ ने स्वागत किया और इरफान मसऊदी ने नात पेष की। अध्यक्षीय सम्बोधन देते हुए गणेष प्रसाद तिवारी 'नेष' ने कूफ़ा में हज़रत इमाम हुसैन के दूत मुस्लिम बिन अक़ील और उनके बेटों इब्राहीम व मुहम्मद की षहादत के दर्दनाक वाक़ेआत बयान किये। षायरों ने इमाम हुसैन (अ०) व षहीदाने कर्बला की बारगाह में बनक़बत पेष किये।

महामन्त्री मुजीब अहमद सिद्दीकी ने तुलना यूँ की–
इस तरह सिब्ते पयम्बर के मक़ाबिल था यज़ीद, सामने जिस तरह ज़मज़म के हो गन्दा पानी।
डॉ असलम हाषमी ने कहा–
दिया सर राहे हक़ मे बात फासिक़ की नहीं मानी, न छोड़ा हाथ से अपने कभी दामन सदाक़त का।
अनीस खाँ आरिफी ने निस्बत पर फख्र किया–
मेरे क़लम को मुहब्बत हुसैन से है,
जो लफ्ज़–लफ्ज़ की निस्बत ग़मे हुसैन से है।
याकूब सिद्दीकी 'अज़्म' ने ख़िराजे अक़ीदत पेष किया–
हर एक बच्ची में है अक्से फातिमा ज़हरा,
हर एक बच्चा अली है हुसैन के घर का।
अवध राज वर्मा 'करुण' ने कहा–
हसन–हुसैन का क्या मर्तबा निराला है,
मक़ाम इनका खुदा की नज़र में आला है।
अजय कुमार श्रीवास्तव ने ग़मे हुसैन की व्यापकता बताई–
सारी दुनिया की है क़ौमें शाह के ग़म में शरीक़,
सब के दिल में है जगह षह की मुहब्बत के लिए।
मुहम्मद सलीम 'बेदिल' ने कहा–
जो फूला फला दीने अहमद का गुलिस्ताँ है,
यह खूने शहीदाँ है, यह खूने षहीदाँ है।
अहमद रजा 'रज़्म' क़ादरी ने पढ़ा–
उतरे हैं चाँद तारे ज़ियारत के वास्ते,
काँधे पे नाना जान के बैठे हुसैन हैं।

साथ ही हाफिज हिसामुद्दीन, इमरान मसऊदी, फर्रुख सिद्दीक़ी व असजद रजा ने कलाम पेष किये। गोश्ठी में आफाक सिद्दीक़ी, अब्दुल क़य्यूम सिद्दीक़ी, मुहम्मद आदिल, यूसुफ हुसैन खाँ, नसीम रौषन, मोनिस सलमानी, सबर मुहम्मद, मेराजुद्दीन, समी बक़ाई, तारिक़ अंसारी, नूरऐन रज़ा व अरषद अंसारी सहित अन्य मौजूद रहे। सलाम व दुआ के बाद मुखतार अहमद खाँ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

बहराइच। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत विभागीय वेबसाइट दिव्यांगजन डाट यूपीएसडीसी डाट जीओवी डाट इन पर आनलाइन आवेदन स्वीकार किये जा रहे हैं। जनपद के इच्छुक दिव्यांगजन साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट अथवा लोकवाणी के माध्यम से स्थापित ''जनसुविधा केन्द्रों'' के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजनान्तर्गत दिव्यांग दम्पति को विवाह करने पर दम्पति में पुरूष के दिव्यांग होने पर रू. 15000=00, महिला के दिव्यांग होने पर रू.. 20000=00 तथा यदि दम्पत्ति (पति-पत्नी) दोनों दिव्यांग है तो रू. 35000=00 प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

यह जानकारी देते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी वी.पी. सत्यार्थी ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन भरते समय आवेदक दम्पत्ति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, जिले के सीएमओ द्वारा निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र (यदि विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र नहीं है, तो विवाह से सम्बन्धित अन्य कोई अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न कर सकते हैं), निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय एवं जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता आदि अभिलेख पूर्ण कर ऑनलाइन आवेदन कर हार्डकापी मय संलग्नकों सहित उनके कार्यालय को उपलब्ध करा दें। श्री सत्यार्थी ने बताया कि किसी प्रकार की असुविधा होने पर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी बहराइच के कार्यालय से किसी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

पात्र असंतृप्त अभ्यर्थियों को आच्छादित किया जायेगा

बहराइच संवाददाता

बहराइच। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के ग्रामों को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर 08 सितम्बर 2023 को ब्लाक बलहा अन्तर्गत न्याय पंचायत बगहा में विभागीय अधिकारियों के भ्रमण एवं निरीक्षण के माध्यम से पात्र असंतृप्त अभ्यर्थियों को आच्छादित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि वृहस्पतिवार 07 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का अवकाश होने के दृष्टिगत 08 सितम्बर 2023 को आयोजित होने वाले सेवा से संतृप्तिकरण अभियान में न्याय पंचायत बगहा की सभी ग्राम पंचायतों गायघाट, गुलरा, बगहा, राजापुरकलां, पुरैना, भवानी बख्श व सर्रामुन्दरी के ग्रामवासियों को लाभान्वित किया जाएगा। डीएम ने न्याय पंचायत के सभी ग्रामवासियों से अपील की है कि अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन का भरपूर लाभ उठाएं। अभियान के दौरान चिकित्सा एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने, गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच एवं टीकाकरण, परिवार नियोजन, चश्मा वितरण, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम से आच्छादित करने, मोबाइल मेडिकल हेल्थ यूनिट द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांगजन लाभार्थियों को यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाएंगे। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा अवशेष पात्र असंतृप्त लाभार्थियों के राशन कार्ड बनाने, अपात्रों के नाम हटाने तथा उज्वला योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने की कार्यवाही की जाएगी। श्रम रोज़गार विभाग द्वारा अवशेष लोगों के जाब कार्ड बनाने, अमृत सरोवरों को पूर्ण कराने तथा मॉडल शाप तथा जल जीवन मिशन परियोजनाओं हेतु भूमि उच्चीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

लीड बैंक प्रबन्धक, उपायुक्त उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, सहायक श्रमायुक्त एवं समन्वयक कौशल विकास मिशन द्वारा असंतृप्त लोगों के बैंक खाता खुलवाने, रोज़गारपरक योजनाओं के लिए पंजीकरण तथा ऋण के लिए आवेदन तथा उस न्याय पंचायत के लम्बित ऋण आवेदनों को स्वीकृत करने की कार्यवाही की जाएगी।

समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांगन, राजस्व व ग्राम्य विभाग विभाग द्वारा पेंशन, आय, जाति, निवास एवं कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का पंजीकरण की कार्यवाही की जाएगी। आईसीडीएस विभाग द्वारा अवशेष गर्भवती व बच्चों का पंजीकरण व स्वास्थ्य जाँच की जाएगी। नलकूप विभाग नलकूपों की स्थापना व खराब नलकूपों को ठीक कराने जबकि मत्स्य विभाग विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध कार्यवाही करेगा। निर्माण कार्यो के भौतिक सत्यापन हेतु डीएम की तकनीकी टीम भी शिविर स्थल पर मौजूद रहेगी। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, निराश्रित गोवंशों को गो-आश्रय स्थल भेजना व सहभागिता योजनान्तर्गत ग्रामवासियों को गोदान करने के साथ-साथ अन्य विभागीय योजनाओं से भी आच्छादित किया जायेगा। उपायुक्त स्वत: रोजगार, कृषि व पंचायत राज विभाग द्वारा समूह बनाने, विभागीय योजनाओं हेतु पंजीकरण, स्वच्छ शौचालय से लाभान्वित करने के साथ-साथ रोस्टर बनाकर गावों, कूड़ा उठान, स्कूलों व अन्य सरकारी भवनों की साफ-सफाई की जाएगी। विद्युत विभाग द्वारा इच्छुक व्यक्तियों को कनेक्शन निर्गत करने के साथ-साथ अन्य विभागीय समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। जल निगम हर घर जल योजना के तहत कनेक्शन निर्गत करने, भूमि विवाद का निस्तारण एफएचटीसी के तहत सर्टीफिकेशन का कार्य किया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग पात्र लोगों को नि:शुल्क बोरिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

एसडीएम, तहसीलदार व बीडीओ द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 व 2023-24 में प्राप्त आईजीआरएस के प्रकरणों में निस्तारण की सूची बनाना व स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता का परीक्षण, विगत 03 वर्षो में धारा-24, 67, 122बी कुर्रे, धारा 80 इत्यादि के अनुपालन का स्थलीय सत्यापन। वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में चल रहे वादों में लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की सूची बनाना तथा रिपोर्ट लगाना, निर्विवाद उत्तराधिकार के लम्बित प्रकरणों की सूची बनाना व निस्तारण करना, न्याय पंचायतों हेतु निर्गत आर.सी., धारा 122बी व 67 के जुर्माना वसूली, सभी लम्बित आय, जाति, निवास एवं पेंशन प्रकरणों का निस्तारण, बीएलओ द्वारा पुनरीक्षण हेतु फार्म 6, 7, 8 को भराने व बूथों का निरीक्षण, विगत 03 वर्षों में कृषक दुर्घटना योजना से लाभान्वित लाभार्थियों की सूची तैयार करना, न्याय पंचायत के ग्रामवार 02-02 राजस्व एवं विकास विभाग की टीम का गठन किया जाय व रियल टाइम खतौनी एवं अंश निर्धारण घरौनी कार्य सम्पन्न कराये जायेंगे। इस अवसर पर जेसीबी की भी व्यवस्था रखी जायेगी।

सीओ व प्रभारी निरीक्षक राजस्व व विकास विभाग की टीम के साथ पुलिस बल उपलब्ध कराएंगे।

लम्पी स्किन डिजीज के लक्षण, रोकथाम, बचाव एवं उपचार के लिए जारी की गई एडवाईज़री

बहराइच। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर लम्पी स्किन डिजीज से बचाव एवं रोकथाम हेतु राजकीय पशु चिकित्सालय सदर में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिसका मोबाइल नम्बर 9076522598 है। कन्ट्रोल रूम रादण्ड-द-क्लाक क्रियाशील रहेगा। सीवीओ ने जिले के पशुपालकों को सुझाव दिया है कि किसी पशु में लोक के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय अथवा कन्ट्रोल रूम के मोबाइल नम्बर पर सूचना अवश्य दें। उन्होंने बताया कि सभी पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाय।

सीवीओ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि लम्पी स्किन डिजीज़ एक विषाणुजनित रोग है। रोग से ग्रसित पशु में तेज बुखार, आंख व नाक से पानी गिरना, पैरों में सूजन, पूरे शरीर में कठोर एवं चपटी गांठ आदि प्रकार के लक्षण पाये जाते हैं। कभी-कभी भी सम्पूर्ण शरीर की धमकी विशेष रूप से सिर, गर्दन, थूथन, धनों, गुदा व अंडकोष या योनिमुख के बीच के भाग पर के उभार बन जाते है। कभी कभी तो पूरा शरीर गांठे से ढक जाता है। यह गांठे (नोड्यूल) नेकोटिक और अल्सरेटिव भी हो सकती हैं. जिससे मक्खियों द्वारा अन्य स्वस्थ पशुओं में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। सीवीओ डॉ. प्रसाद ने बताया कि गम्भीर रूप से प्रभावित जानवरों में नैकोटिव घाव, श्वसन और जठरांत्र में भी विकसित हो जाते है। श्वसन पथ में घाव हो जाने से पशु को सांस लेने में कठिनाई होती है, पशुओं का वजन घट जाता है। शरीर कमजोर हो जाता है एवं अत्याधिक कमजोरी से पशु की मृत्यु भी हो सकती है। गर्भवती पशुओं में गर्भपात भी हो सकता है तथा दुधारू गायों में दुग्ध उत्पादन काफी कम हो जाता है। लम्पी स्किन डिजीज का विषाणु बीमार पशु के लार नासिका स्त्राव, दूध एवं वीर्य में भारी मात्रा में पाये जाते हैं। बीमार पशु के सीधे सम्पर्क में आने से या रोगग्रस्त पशु के स्त्राव से संदूषित चारा पानी खाने से स्वस्थ पशु बीमार हो सकता है। रोगग्रस्त पशु का दूध पीने से बछड़े में यह रोग फैल सकता है। मुख्यत: मच्छरों, मक्खियों, किलनी आदि जैसे रक्तचूसक कीड़ों के काटने से यह रोग बहुत तेजी से फैलता है।

सीवीओ ने बताया कि विषाणुजनित रोग होने के कारण इसका कोई उचित उपचार नही है। कृषकों को सलाह दी जाती है कि लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकट के पशु चिकित्साधिकारी को सूचित करें। बुखार को स्थिति में पशु चिकित्सक की सलाह से ज्वर नाशक यथा पैरासीटामोल एवं एन्टीवायोटिक आदि औषधियों का प्रयोग करें। सूजन एवं चर्म रोग की स्थिति में उचित दवाईयों का लेप लगाए, घावों को मक्खियों से बचाने हेतु नीम की पत्ती, मेंहदी पत्ती, लहसुन, हल्दी पावडर को नारियल तेल में लेप बनाकर प्रयोग करें।कृषकों को सलाह दी गई है कि लक्षणयुक्त पशु के आवागमन को प्रतिबन्धित करें, दूसरे स्वस्थ पशु से अलग रखें, पशुओं को कीटों से बचाव हेतु बाड़े तथा पशुखलिहान को फिनायल/सोडियम हाइपोक्लोराइट इत्यादि का छिड़काव कर उचित कीटाणु शोधन करें। बीमार पशु की देखभाल करने वाले व्यक्ति को स्वस्थ पशुओं के बाड़े से दूर रखें।

सक्रिय कीर्तन, भजन, पौराणिक एवं सांस्कृतिक मण्डली करा सकते है पंजीकरण

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि प्रदेश में ग्राम पंचायतों में सक्रिय कीर्तन/भजन मण्डलियों/पौराणिक एवं सांस्कृतिक मण्डलियों से सम्बन्धित दलों का संस्कृति विभाग में पंजीकरण किया जाना है। जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायत में सामान्य तौर पर कीर्तन/भजन मण्डलियों/पौराणिक एवं सांस्कृतिक मण्डलियों रामलीला, कृष्णलीला आदि सांस्कृतिक आयोजनों का प्रस्तुतीकरण किया जाता है। इन मण्डलियों द्वारा हमारी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर को आगामी पीढ़ी तक ले जाने का कार्य सुगमतापूर्वक किया जा रहा है। इन मण्डलियों को संरक्षण न मिलने के कारण धीरे-धीरे यह मण्डलियां विलुप्त सी होती जा रही है। इस स्थिति संस्कृति विभाग द्वारा ऐसे मण्डलियों का व्यापक संरक्षण किये जाने के उद्देश्य से सभी मण्डलियों का अभिलेखीकरण किये जाने की परियोजना संचालित की गयी है। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा विभिन्न लोक संस्कृतियों/विधाओं के अभिलेखीकरण का कार्य किया जाता है। कलाकारों के अभिलेखीकरण हेतु आनलाइन पंजीकरण की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध करायी गयी है जो संस्कृति विभाग के वेबसाइड यूपीकल्चर डाट यूपी डाट एनआईसी डाट इन पर उपलब्ध है। पंजीकृत कलाकारों को आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्यक्रमों एवं आयोजनों में समुचित अवसर प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि कीर्तन भजन मण्डलियों पौराणिक एवं सांस्कृतिक आयोजक मण्डलियाँ का पंजीकरण कल्चर्रइवेन्ट्स डाट इन/होम/रजिस्टेªशन पोर्टल पर नि:शुल्क किया जा सकता है। पंजीकृत मण्डलियों को स्थानीय मेलो, तीज-त्यौहारों एवं अन्य विभिन्न अवसरों पर संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जायेगा। पंजीकरण के लिए कीर्तन, भजन मण्डलियों/पौराणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिस सांस्कृतिक कार्यक्रम का पंजीकरण किया जाना है उसका स्पष्ट उल्लेख किया जाय। मण्डली दल कम से कम 5 वर्ष पुराने होना चाहिए। मण्डली/दल को कम से कम (प्राइवेट व सरकारी मिलाकर 10 कार्यक्रम किये जाने का अनुभव होना चाहिए। जिसका प्रमाण पत्र संबंधित ग्राम प्रधान द्वारा प्रस्तुत किया जाय। मण्डली/दल यदि किसी मंदिर या संस्था से सम्बद्ध है तो वहां के प्रबंधक व संयोजक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाय।

नेपाल के सीमावर्ती गावों में मिलेगी मुफ्त डी.टी.एच. की सुविधा- डीएम

बहराइच। भारत सरकार के दूरदर्शन विभाग के प्रसार भारती द्वारा जनपद बहराइच के सीमावर्ती विकास खण्डों मिहीपुरवा व नवाबगंज में भारत-नेपाल सीमा पर 0-10 कि.मी. की परिधि मे अवस्थित ग्रामों में नि:शुल्क डी.टी.एच. (डायरेक्ट टू होम) डिश सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि विकास खण्ड स्तर पर सम्बन्धित बीडीओ एवं ग्राम स्तर पर सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारियों को ग्राम स्तरीय नोडल नामित करते हुए लाभार्थियों के नाम आनलाईन पोर्टल पर 07 सितम्बर 2023 तक प्रत्येक दशा मे फीड किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। डीएम ने बताया कि आनलाईन पोर्टल पर नाम दर्ज हो जाने के तत्पश्चात चरणबद्ध तरीके से प्रसार भारती द्वारा डी.टी.एच. की सुविधा दी जायेगी। योजनान्तर्गत ऐसे लाभार्थियों का ही चयन किया जाएगा जिनके पास टी.वी. है परन्तु डी.टी.एच. की सुविधा उनके घर पर नहीं है। योजना के तहत ब्लाक मिहींपुरवा व नवाबगंज हेतु कुल 1464 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीएम ने बताया कि डी.टी.एच. की सुविधा प्राप्त होने पर सैटेलाइट चौनलों के जरिये सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों का सम्पर्क बाहरी दुनिया से हो सकेगा।

शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए डीएम ने जनपदवासियों से की अपील

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपदवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए सभी नागरिकों से अपील की है कि 11 से 16 सितम्बर तथा 09 से 14 अक्टूबर 2023 तक संचालित होने वाले सघन मिशन इन्द्रधनुष कार्यक्रम के द्वितीय एवं तृतीय चरण में छूटे हुए 0-5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराकर बच्चों को 11 जानलेवा बीमारियों (टीबी, पोलियो, डायरिया, निमोनिया, काली खांसी, गलाघोंटू, टिटनेस, हेपेटाइटिस बी, खसरा एवं रूबेला आदि) से सुरक्षा कवच प्रदान करें।

डीएम मोनिका रानी ने बताया कि जनपद में 07 से 12 अगस्त, 2023 तक संचालित हुए प्रथम टीकाकरण अभियान की भांति 11 से 16 सितम्बर 2023 तथा 09 से 14 अक्टूबर 2023 तक संचालित होने वाले द्वितीय एवं तृतीय चरण में भी रविवार को छोड़कर प्रत्येक दिन जिला अस्पताल सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं टीकाकरण हेतु निर्धारित सत्र स्थल पर यह सभी टीके नि:शुल्क लगाये जायेंगें। डीएम ने सभी नागरिकों से अपील की है कि अपने 0-5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण सत्र स्थल पर ले जाकर उनका टीकाकरण अवश्य करवायें। यह टीके पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण हेतु आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व एएनएम द्वारा आपको नियत टीकाकरण सत्र स्थल की सूचना भी उपलब्ध करायी जायेगी। डीएम ने यह भी बताया कि ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर सभी गर्भवती महिलाओं की जांच नि:शुल्क की जाती है। इसके लिए आप अपने नजदीकी आशा या आंगनबाड़ी कार्यकत्री से सम्पर्क कर सकते हैं।

त्रिगुट
गुरुवार 07 सितम्बर 2023

बिना बिजली लिए कंपनियों को प्रतिवर्ष 500 करोड़ की सौगात

मध्य प्रदेश सरकार ने बिजली कंपनियों से 15000 बिजली उपलब्ध मेगावाट के लॉन्ग टर्म बिजली का करार किया है। मध्य प्रदेश में मांग से ज्यादा बिजली करार और कागजों में उपलब्ध है। लेकिन जब बिजली की जरूरत होती है, तब बिजली कंपनियों से बिजली की आपूर्ति नहीं होती है। करार के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार हर साल 500 करोड़ रूपया बिजली कंपनियों को बिना बिजली खरीदे ही भुगतान करती है। मध्य प्रदेश में बिजली कंपनियों के लिए बहुत अनुकूल माहौल है। लॉन्ग टर्म का करार बिजली कंपनियां करती हैं। बिजली आपूर्ति किए बिना उन्हें मप्र की बिजली कंपनियों से भुगतान भी मिल जाता है। जब बिजली की वास्तविक रूप से जरूरत होती है। तब यह बिजली कंपनियां करार के अनुसार बिजली की सप्लाई नहीं करती हैं। बिजली वितरण कंपनियों को महंगी कीमत पर बिजली खरीदनी पड़ती है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 रूपये यूनिट में भी बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है बिना बिजली खरीदे लॉन्ग टर्म कार के कारण पिछले 3 सालों में करार के अनुसार 1773.71 करोड रुपए का भुगतान बिजली वितरण कंपनियों ने किया है। 2020-21 में सर्वाधिक 908 करोड रुपए का भुगतान हुआ है। जब बिजली वितरण कंपनी को बिजली की आवश्यकता होती है। तब बिजली कंपनियां, बिजली की सप्लाई नहीं करती हैं। खुले बाजार से बिजली वितरण कंपनियों को महंगी बिजली खरीदना पड़ती है। करार लेकर अब तरह-तरह के आरोप सरकार पर लगाए जा रहे हैं। सरकार जो अनुबंध बिजली उत्पादन कंपनियों से करती है, वह कागजी करार साबित हो रहे हैं। 2020-21 में जब भीषण संकट बिजली का आया था। उसे समय जिन बिजली उत्पादन कंपनियों के साथ अनुबंध थे। उन्होंने बिजली उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया था। बाकी समय पर सरप्लस बिजली होने के कारण वह बिजली सप्लाई भी नहीं करते है। उन्हें भुगतान भी अनुबंध के अनुसार बिजली कंपनियों को करना पड़ता है। कम बारिश के कारण सितंबर माह में बिजली की मांग बड़ी तेजी के साथ मप्र में बढ़ रही है। 15000 मेगावाट बिजली के करार विभिन्न कंपनियों से होने के बाद भी प्रदेश को 10000 मेगावाट भी बिजली नहीं मिल पा रही है। इसका कारण बिजली संकट आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। बिजली कंपनियों द्वारा अनुबंध के अनुसार जो भुगतान किया जाता है। वह भी एक तरीके से धोखाधड़ी के दायरे में आ गया है। शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म का यह खेल बिजली उपभोक्ताओं के लिए अब काफी महंगा पड़ रहा है। उपभोक्ताओं को महंगी दरों पर बिजली खरीदनी पड़ रही है। सरप्लस स्टेट होने के बाद भी बिजली वितरण कंपनियां महंगे दामों में बिजली खरीदती हैं, तो इसकी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। बिजली उत्पादक कंपनियों के साथ जो लांग टर्म अनुबंध बिजली वितरण कंपनियों ने किये हैं। उनकी जांच कराई जाना चाहिए। सरप्लस बिजली होने पर बेंकिंग के नाम पर जो बिजली दूसरे राज्यों और बिजली कंपनियों को दी गई है। उसका भी फारेंसिक अडिट कराया जाना चाहिए। लम्बी अवधि के अनुबंध होने के कारण तय कीमत पर विद्युत वितरण कंपनियों को बिजली नहीं मिलती है। मंहगी बिजली खरीदकर वितरण कंपनियां आम बिजली उपभोक्ताओं को मंहगे दामों पर बिजली खरीदना पड़ रही है। दो माह बाद मप्र में विधानसभा चुनाव है। बिजली की कमी ओर मानसून के कारण सरकार के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। अन्यथा यह घपले- घोटाले इसी तरीके से चलते रहेंगे।

तीर्थंकर श्री शांतिनाथ जी का गर्भ कल्याणक

शांतिनाथ जैन धर्म में माने गए 24 तीर्थंकरों में से अवसर्पिणी काल के सोलहवे तीर्थंकर थे। माना जाता हैं कि शांतिनाथ के संग 900 साधू मोक्ष गए थे।

शांतिनाथ का जन्म ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के दिन हुआ था। तब भरणी नक्षत्र था। उनके पिता का नाम विश्वसेन था, जो हस्तिनापुर के राजा थे और माता का नाम महारानी ऐरा था।

जैन ग्रंथो में शांतिनाथ को कामदेव जैसा स्वरुपवान बताया गया है। पिता के बाद शांतिनाथ हस्तिनापुर के राजा बने। जैन ग्रन्थो के अनुसार उनकी 96 हजार रानियां थीं। उनके पास 84 लाख हाथी, 360 रसोइए, 84 करोड़ सैनिक, 28 हजार वन, 18 हजार मंडलिक राज्य, 360 राजवैद्य, 32 हजार अंगरक्षक देव, 32 चमर ढोलने वाले, 32 हजार मुकुटबंध राजा, 32 हजार सेवक देव, 16 हजार खेत, 56 हजार अंतर्दीप, 4 हजार मठ, 32 हजार देश, 96 करोड़ ग्राम, 1 करोड़ हंडे, 3 करोड़ गायें, 3 करोड़ 50 लाख बंधु-बांधव, 10 प्रकार के दिव्य भोग, 9 निधियां और 24 रत्न, 3 करोड़ थालियां आदि संपदा थीं एसा माना जाता है।

लक्षण--रंग ,स्वर्ण,चिन्ह -हिरण ,ऊंचाई 40 धनुष (120 मीटर),आयु-7,00,000 वर्ष ,वृक्ष -नंदी वृक्ष

शासक देव,यक्ष गरुड़,यक्षिणी निर्वाणी

गणधर---प्रथम गणधर चक्रयुध स्वामी गणधरों की संख्या 36

वैराग्य आने पर इन्होने ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी को दीक्षा प्राप्त की। बारह माह की छ्द्मस्थ अवस्था की साधना से शांतिनाथ ने पौष शुक्ल नवमी को 'कैवल्य' प्राप्त किया। ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के दिन सम्मेद शिखर पर भगवान शान्तिनाथ ने पार्थिव शरीर का त्याग किया था।

चिन्ह का महत्व

हरिण शान्तिनाथ भगवान का चिन्ह है। जैनधर्म की मान्यता अनुसार हरिण की यह शिक्षा है कि तुम भी संसार में संगीत के समान प्रिय लगने वाले चापलूसों / चमचों की दिल -लुभाने वाली बातों में न फ़ंसना, अन्यथा बाद में पछताना पडेगा। यदि तनाव -मुक्ति चाहते हो तो मेरे समान सरल -सीधा तथा पापों से बचों, चौकन्ना रहो।

असित सातँय भादव जानिये, गरभ मंगल ता दिन मानिये

बेचैन सत्ता - उत्साहित इंडिया

तनवीर जाफ़री

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक पिछले दिनों मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बार मुंबई में इंडिया गठबंधन की मेज़बानी महाराष्ट्र विकास अघाड़ी द्वारा की गयी जिसमें मुख्यत: शिवसेना (उद्धव),राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी शामिल है। जबकि पटना में हुई पहली बैठक की मेज़बानी जनता दल यूनाइटेड द्वारा की गयी थी व बंगलौर में हुई दूसरी बैठक कर्नाटक कांग्रेस पार्टी द्वारा आहूत की गयी थी। पटना से मुंबई तक के विपक्षी गठबंधन का अब तक का यह सफ़र निश्चित रूप से गठबंधन के 26 सदस्यों में परस्पर विश्वास बनाने में सफल रहा है। इंडिया के गठन के बाद सत्ता के गलियारों में मची उथल पुथल स्वयं इस बात का सुबूत है कि 2024 के लोकसभा चुनाव और उससे पूर्व होने जा रहे विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव, स्वयं को अजेय समझने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये नाकों चने चबाने जैसे हालत पैदा करने जा रहे हैं। सत्ता की घबराहट इससे भी पता चलती है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता स्वयं अपने नवगठित राजनैतिक गठबंधन की सफलता या उसकी विशेषता का उतना गुणगान व प्रचार प्रसार नहीं कर रहे जितना कि भाजपा के नेता इसकी आलोचना व निन्दा करने में व्यस्त हैं। यहाँ तक कि सत्ता द्वारा रसोई गैस में की गयी 200 / रूपये प्रति सिलेंडर की कमी जैसे फ़ैसले भी इंडिया के बढ़ते क़द के तहत ही लिये बताये जा रहे हैं। ग़ौरतलब है कि जिस भाजपा ने 2014 से लेकर अब तक अपने सहयोगी एन डी ए दलों की बैठक बुलाने की ज़रुरत महसूस नहीं की थी,इंडिया का गठन होते ही उसे भी एन डी ए की बैठक बुलानी पड़ी। इतना ही नहीं बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया से घबराई भाजपा अपने विरोधी नेताओं को परेशान करने,उनमें विभाजन पैदा करने उन्हें डराने धमकाने जैसे निकृष्टतम हथकंडे भी अपना रही है। यह सब सत्ता की बेचैनी और बौखलाहट के ही परिणाम हैं।

बहरहाल,पटना में पहली मुलाक़ात,बंगलौर में गठबंधन का नामकरण और मुंबई में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया के नारे के साथ इस बैठक में तीन मुख्य प्रस्ताव पारित करना गठबंधन की प्रारंभिक सफलता को दर्शाता है। मुंबई बैठक में जहां सीट बंटवारे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी करने की बात कही गयी वहीँ इस बैठक में चार समितियां बनाने का फ़ैसला भी किया गया है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोकसभा का अगला चुनाव जहां तक संभव हो, एक साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट के बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू होगी और विचार-विमर्श की सहयोग वाली भावना के साथ यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोगों की चिंता और महत्व के मामलों पर देश के विभिन्न हिस्सों में जल्द से जल्द सार्वजनिक रैलियां आयोजित करने का संकल्प लेते हैं। प्रस्ताव के अंत में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, विभिन्न भाषाओं में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम के साथ अपनी संबंधित संचार और मीडिया रणनीतियों और मुहिमों का समन्वय करने का संकल्प लेते हैं। बैठक के समापन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ़्रेंस में राहुल गांधी सहित अनेक नेताओं ने दोहराया कि - इंडिया गठबंधन बीजेपी को आसानी से हराएगा. उन्होंने कहा - इस मंच पर बैठी सारी पार्टियां यदि एकजुट रहती हैं, तो हमें हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन भी है।

जैसे जैसे लोकसभा चुनाव का समय नज़दीक आता जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के लिये परेशानी बढ़ाने वाली कई ख़बरें भी सामने आ रही हैं। जैसे कि पिछले दिनों विश्व के प्रतिष्ठित समाचार पत्र 'द गार्डियन' और 'फ़ाइनेंशियल टाइम्स' ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिस में कहा गया है कि टैक्स हैवन्स देश मॉरीशस के दो फ़ंड - इमर्जिंग इंडिया फ़ोकस फ़ंड (ईआईएफ़ एफ़) और ईएम रीसर्जेंट फ़ंड (ईएमआरएफ़) ने 2013 से 2018 के बीच अदानी ग्रुप की चार कंपनियों में पैसा लगाया और इनके शेयरों की ख़रीद-फ़रोख़्त भी की। इन फ़ंडस के द्वारा यूएई के निवेशक नासिर अली शाबाना अहली और ताइवान के निवेशक चांग चुंग लींग ने इन कंपनियों में पैसा लगाया था। ये पैसा बरमूडा के इन्वेस्टमेंट फ़ंड ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज़ के ज़रिये लाया गया। 2017 में नासिर अली और चांग चुंग लींग के इस निवेश की क़ीमत लगभग 43 करोड़ डॉलर थी। इस समय इसकी क़ीमत (मौजूदा एक्सचेंज रेट) 3550 करोड़ रुपये है। जनवरी 2017 में इन दोनों निवेशकों की अदानी इंटरप्राइज़ेज़, अदानी पावर और अदानी ट्रांसमिशन में क्रमश= 3.4, 4 और 3.6 फ़ीसदी हिस्सेदारी थी। दरअसल गौतम अडानी के भाई विनोद अदानी के कहने पर ही नासिर अली और चांग चुंग लींग के फ़ंडस ने अदानी ग्रुप की कंपनियों में जो पैसा लगाया, उससे अदानी ग्रुप की कंपनियों अदानी एंटरप्राइज़ेज़ और अदानी ट्रांसमिशन में प्रमोटर ग्रुप (जिसके विनोद अदानी सदस्य थे) की हिस्सेदारी जनवरी 2017 में 78 फ़ीसदी से ज़्यादा हो गई।

इसी प्रकार दूसरा गंभीर विषय चीनी घुसपैठ का है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ़्रीक़ा में ब्रिक्स देशों की बैठक में भाग ले रहे थे उसी के फ़ौरन बाद चीन के नेचुरल रिसोर्स मिनिस्ट्री की तरफ़ से 28 अगस्त 2023 को अधिकृत रूप से एक नया नक़्शा जारी किया गया जिसमें भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीनी क्षेत्र दिखाया गया है। इससे पहले इसी वर्ष अप्रैल के महीने में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम बदलने की मंज़ूरी दे दी थी। चीन के इस नए नक़्शे में भारत के उपरोक्त क्षेत्रों के अलावा चीन द्वारा ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर को भी चीनी क्षेत्र में शामिल किया गया है। विपक्षी गठबंधन चीन के कुत्सित इरादों से अधिक भारत सरकार द्वारा इस विषय पर अपनायी जा रही उदासीनता व ख़ामोशी को लेकर चिंतित है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने लद्दाख़ तथा पेंगोंग झील का एक सप्ताह का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाक़ात कर क्षेत्र में चीनी घुसपैठ की हक़ीक़त से देश को आगाह किया। इसका ज़िक्र उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद भी किया। गोया विपक्ष द्वारा अगले चुनावों में जहां मंहगाई,बेरोज़गारी,भ्रष्टाचार व साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दे सत्ता को घेरने के लिये उठाये जायेंगे वहीँ चीनी घुसपैठ और अडानी जैसे चंद उद्योगपतियों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला संरक्षण भी सत्ता के लिये बड़ा सिर दर्द साबित होने जा रहा है। इसीलिये जहाँ सत्ता की बेचैनी बढ़ती जा रही है वहीं इंडिया घटक दलों का उत्साह बढ़ता जा रहा है।

युवा पीढ़ी के प्रेरणास्त्रोत- श्रीकृष्ण

डॉ. शारदा मेहता

वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूर मर्दनं।
देवकी परमानन्दं कृष्णं वंदे जगद् गुरं।।

श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग = श्रीकृष्णजी द्वापर युग में भगवान विष्णु के दस अवतारों में से आठवें अवतार थे। इनके माता-पिता का नाम देवकी तथा वसुदेव था। माता देवकी का भाई कंस था। कंस को यह शाप था कि देवकी की आठवीं सन्तान उसका वध कर देगी। इसी भय से उसने देवकी को उसके विवाह पश्चात् मारना चाहा। परन्तु वसुदेव ने कहा आप इसे न मारें, हम अपनी सन्तान आपको प्रदान करते रहेंगे। कंस ने वसुदेव देवकी को कारागृह में डाल दिया। जब-जब देवकी ने सन्तान को जन्म दिया, तब तब कंस उन्हें मारता रहा। अन्त में जब आठवीं सन्तान का जन्म होने वाला था तब कंस ने कारागृह का पहरा और कड़ा कर दिया। लोहे की जंजीर में ताला डालकर कारागृह के द्वार बंद कर दिए और पहरेदारों को निर्देशित कर दिया कि देवकी की प्रसूति होने पर उसे शीघ्र सूचित किया जाए। भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र में रात्रि ठीक बारह बजे बालक कृष्ण का जन्म हुआ। वसुदेवजी ने तुरन्त सुरक्षित रूप से बालक को उठाकर एक टोकरी में रखा। भगवत् कृपा से पहरेदारों को नींद लग गई। ईश कृपा से कारागृह के द्वार खुल गए और वसुदेवजी बालक की टोकनी को मस्तक पर रख कर निकल गए। बाहर भारी वर्षा हो रही थी। यमुना नदी पूर थी। उफान पर थी। शेषनाग ने अपने फन से टोकनी को ढंक लिया। बालक कृष्ण के अँगूठे के स्पर्श से जल कम हो गया। वसुदेव जी सकुशल नदी पार कर मथुरा पहुँच गए। ठीक बाहर बजे नन्द बाबा के घर यशोदाजी ने एक कन्या को जन्म दिया था। उसे लेकर तथा कृष्ण को वहाँ सुलाकर वसुदेवजी वापस मथुरा कारागार में आ गए। बालिका का रुदन सुनकर पहरेदारों ने कंस को सूचित किया। कंस ने उस योगमाया कन्या का वध कर दिया। उस बालिका ने आकाशवाणी के माध्यम से कहा कि तेरा काल तो पृथ्वी पर जन्म ले चुका है। उसने देवकी तथा वसुदेव को कारागृह से मुक्त कर दिया।

शैशवावस्था प्रसंग = कृष्णजी ने शैशवावस्था में ही कई राक्षसों का वध कर दिया था। कंस ने अपने राज्य में यह आदेश दिया कि सम्पूर्ण राज्य में आज जन्म लिए बालकों का वध कर दिया जाए। पूतना नामक एक विकराल राक्षसी को यह कार्य सौंपा गया। वह शिशुओं को अपना जहरीला स्तनपान कराती थी और शिशुगण कालकवलित हो जाते थे। वह श्रीकृष्णजी को भी एक सुन्दरी का रूप धारण कर स्तनपान कराने पहुँची। शिशु श्रीकृष्ण ने उसका दूध पीने के बहाने वध कर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शकटासुर, तृणावर्त, कालयवन, शिशुपाल, दन्तवत्र, चाणूर, कंस, बाणासुर, बकासुर आदि अनेक राक्षसों का वध कर इस पृथ्वी पर विचरण करने वाली आसुरी शक्तियों का विनाश कर दिया। श्रीकृष्ण स्वयं अपने विषय में कहते हैं-

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।
(श्रीमद् भगवत् गीता, अध्याय 4/श्लोक 7)

अर्थात्- जब भी ब्रह्माण्ड में धर्म की हानि होती है, अधर्म बढ़ता है, तब मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेता हूँ।

बाल्यावस्था प्रसंग = श्रीकृष्ण का पालन पोषण माता यशोदा और नन्दबाबा ने बड़े लाड़ प्यार से औरस के समान स्नेहपूर्वक किया। बाल्यावस्था में अपनी मित्र मंडली के सहित गोपियों के घरों में चुपचाप प्रवेश कर माखन चोरी की और कई बार पकड़े भी गए। वे बाल्यावस्था से ही जंगल में जाकर गाय चराने की हठ करते थे-

गाय चरावन जै हो मय्या गाय चरावन जैहों।

इनके प्रमुख बालसखा थे- श्रीदामा, सुदामा, प्रबल, भद्र, सुभद्र श्रीदामा, भोज, सदानन्द, मणिभद्र आदि।

गुरुकुल प्रसंग = श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा उज्जैन नगर में गुरु सांदीपनि आश्रम में हुई थी जो मंगलनाथ मार्ग पर स्थित है। यहाँ श्रीकृष्णजी के साथ ही बलराम, सुदामा, गुरु सांदीपनि, गुरुपत्नी, सुदामा आदि के चित्र तथा चित्ताकर्षक मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं। यह स्थान दर्शनार्थियों के लिए विशेष आस्था का केन्द्र है। श्रीकृष्णजी ने यहाँ चौसठ कलाएँ तथा चौदह विद्याएँ सीखी थीं। श्रीकृष्ण तथा सुदामा गुरुकुल से लकड़ियाँ लेने जाते थे। उज्जैन के समीप नारायणा नामक ग्राम में आज भी कटी हुई लकड़ियाँ रखी हैं जो अब छोटे वृक्ष का रूप ले चुकी हैं। वहाँ कृष्ण सुदामा का एक सुन्दर मंदिर भी है। शिक्षा समाप्त होने पर गुरुजी ने श्रीकृष्ण से कहा कि तुम मेरे बिछुड़े हुए पुत्र को मुझे लाकर दे दो, यही तुम्हारी गुरु दक्षिणा होगी। कथन है कि शंखासुर नामक राक्षस गुरुजी के पुत्र को उठाकर ले गया था। श्रीकृष्ण जी ने शंखासुर का वध कर गुरु सांदीपनि को उनका पुत्र दे दिया। श्रीकृष्णजी का स्मरण कर भक्तगण कहते हैं-

कृष्ण कृष्ण महाकृष्ण सर्वज्ञ त्वं प्रसीद मे।
रमा रमण विद्येश विद्यामाशु प्रयच्छ मे।।

विवाह प्रसंग = श्रीकृष्ण और राधा रानी का सम्बन्ध अलौकिक था। वे एक-दूसरे के पूरक थे। वे अन्योन्याश्रित थे। श्रीकृष्णजी की प्रमुख आठ पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रवन्दा, सत्या, भद्रा तथा लक्ष्मणा। श्रीकृष्णजी ने रुक्मिणी का हरण कर विवाह किया था। उत्तर प्रदेश के बुलन्द शहर में अवन्तिका देवी का मंदिर है जो आज भी स्थित है। यहीं श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी से विवाह किया था। चारुमति नामक इनकी एक कन्या भी थी। अवन्तिका नगरी (उज्जैन) श्रीकृष्ण का ससुराल थी। सत्यभामा अवन्तिका नरेश सत्राजित की पुत्री थी। इनके दस पुत्र थे- श्रीभानु, सुभानु, भानु, स्वरभानु, प्रभानु, चन्द्रभानु, भानुमान, अतिभानु, प्रतिभानु तथा बृहद्धानु। कथन है कि राजा सत्राजित ने श्रीकृष्ण जी पर स्यमतक मणि चुराने का आरोप लगाया। वह मणि जामवन्त के पास प्राप्त हुई। राजा सत्राजित अत्यधिक लज्जित हुआ और उसने अपनी पुत्री सत्यभामा का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया। कहा जाता है कि हरसिद्धि माता श्रीकृष्णजी की कुलदेवी थीं। पौराणिक ग्रन्थों के आधार पर यह भी कहा जाता है कि भूमासुर राक्षस ने सोलह हजार कन्याओं को बलि देने का निश्चय किया तो श्रीकृष्ण ने उन्हें मुक्त कराया। उन कन्याओं को उनके घर वालों ने स्वीकार नहीं किया तो श्रीकृष्णजी ने सोलह हजार रूप धारण कर उन सभी कन्याओं से विवाह कर लिया।

प्रियवस्तु प्रसंग = श्रीकृष्णजी ने अपना जीवन अनोखे रूप से जिया है। वैसे तो उन्हें सभी वस्तुएँ प्रिय थीं फिर भी कुछ वस्तुओं से उनका जुड़ाव विशेष था। ये वस्तुएँ उनके व्यक्तित्व के सौंदर्य का वर्द्धन करती हैं। ये वस्तुएँ हैं-

मोरपंख, वेणु (बांसुरी), मिश्री, वैजयन्ती माला, पीताम्बर तथा चन्दन तिलक। निम्नांकित श्लोक में उनकी सुन्दरता का सटीक वर्णन है-

कस्तूरी तिलकं ललाट पटले वक्षस्थले कौस्तुभं।
नासाग्रे वरमौक्तिकं करतले वेणुकरे कंकणम्।।
सर्वांगे हरिचन्दनं सुललितं कंठे च मुक्तावली।
गोपस्त्री परिवेष्टि तो विजयते गोपाल चूड़ामणि।।
(गोपालसहस्त्रनाम, श्लोक 9), गीताप्रेस गोरखपुर, उ.प्र.

अतिवृष्टि प्रसंग = एक बार इन्द्र ने कुपित होकर बादलों को आदेश दिया कि गोवर्धन पर्वत के आसपास जहाँ नन्दबाबा आदि मथुरावासियों की गायें चर रही थीं वहाँ घनघोर वर्षा कर दो। अतिवृष्टि होने से गायें तथा ग्वाले इधर-उधर भागने लगे। कहीं भी छुपने का स्थान नहीं मिला। ऐसे समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका ऊँगली पर गोवर्धन पर्वत ऊपर उठा लिया और सभी गायें तथा ग्वाले उसके नीचे खड़े हो गए और अतिवृष्टि के दुष्परिणाम से बच गए। आज भी भारतीय घरों में दीपावली के दूसरे दिन इसकी स्मृति में गोवर्धन पूजन किया जाता है।

द्वारिका नरेश प्रसंग = पौराणिक सूत्रों के अनुसार श्रीकृष्ण ने लगभग छत्तीस वर्ष द्वारिका पर राज्य किया।

देशी भाषाओं को सीखने पर ध्यान देने से छात्रों की भाषाई क्षमताओं में वृद्धि होगी

विजय गर्ग

शिक्षकों, प्रकाशन गृहों और एड टेक ने स्कूली शिक्षा में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) द्वारा अनिवार्य मूल भारतीय भाषाओं को शामिल करने की सराहना की है क्योंकि यह छात्रों की सांस्कृतिक भावनाओं को मजबूत करती है और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है। हालाँकि, उनका कहना है कि सरकार को संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों का समाधान करना चाहिए और विनियमन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध कराने चाहिए। हाल ही में जारी एनसीएफ में कक्षा ढ्ङ्ग-ङ्ग के छात्रों के लिए तीन भाषाओं में शिक्षा अनिवार्य है, जिसमें दो भारतीय भाषाएं और कक्षा ङ्ढ्ढ-ङ्ढ्ढ्ढ के दौरान दो भाषाएं शामिल हैं, जिनमें से एक भारतीय भाषा है। भारत एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश है, लेकिन कई बार हमारे छात्रों को देश की अन्य संस्कृतियों और भाषाओं की बारीक समझ नहीं होती है। एनसीएफ विनियमन भारत में विभिन्न भाषाई पहचानों और असंख्य उपसंस्कृतियों की गहरी समझ का मार्ग प्रशस्त करेगा।

हमारे पास भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाएँ हैं; पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया (पीएलएसआई) के अनुसार भारत में 700 से अधिक भाषाएँ हैं। एक भाषा पढ़ाकर, हम छात्रों को लोगों के साहित्य, संस्कृति और मूल्य प्रणाली के बारे में भी सिखाते हैं। इसका मतलब छात्रों पर दबाव होगा, लेकिन अगर छात्र भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाएँ सीखते हैं, तो यह भाषाई पहचान के संबंध में असुरक्षाओं और द्वेषपूर्ण दृष्टिकोण को संबोधित करेगा और अगली पीढ़ी को एक साथ काम करने में मदद करेगा, 卐 प्रभावी कार्यान्वयन देशी भाषाएँ सीखने से अपनेपन की भावना और एकता की भावना को बढ़ावा मिलता है। 卐यह छात्रों को अनुवादक, शिक्षक और अनुसंधान विद्वान के रूप में सीखी गई नई भाषाओं में करियर के नए अवसर भी प्रदान करता है। इस कदम से छात्रों को नए कौशल विकसित करने और उन्हें लागू करने में भी मदद मिलेगी। हालाँकि, एनसीएफ विनियमन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुछ पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, छात्र छह विषय सीख रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप एक व्यस्त कार्यक्रम हो जाता है, सातवें विषय को समायोजित करने से छात्रों पर पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के लिए समय नहीं बचेगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी मूल भारतीय भाषाओं में शिक्षक उपलब्ध हों जिन्हें छात्र नए विनियमन के तहत ले सकें। साथ ही, छात्रों को नई भाषाएँ सिखाने के लिए पाठ्यपुस्तकों सहित पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती है।卐 पाठ्यपुस्तकों और संसाधनों के अलावा, यह भी महत्वपूर्ण है कि मूल भाषाओं को सीखने के प्रति सामाजिक मानसिकता बदलनी चाहिए, तभी भारतीय स्कूली छात्रों के लिए भारतीय भाषाओं को अनिवार्य बनाने के उद्देश्य पूरे होंगे। जब भाषा विषयों की बात आती है, तो अक्सर छात्र इसे महत्व नहीं देते हैं और परीक्षा से कुछ दिन पहले ही इसका अध्ययन करते हैं। मूल भाषा में सीखना निर्बाध बौद्धिक विकास को बढ़ावा देता है क्योंकि शिक्षार्थी अवधारणाओं को तेजी से और बेहतर तरीके से समझते हैं। 卐एनसीएफ बहुभाषावाद को अपनाने और मूल भारतीय भाषाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देता है।

यह भारत की विविध भाषाई विरासत की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है= एक दृष्टिकोण जो सांस्कृतिक चेतना को बढ़ाएगा, छात्रों को उनकी भाषाई और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ेगा, 卐प्रबंध निदेशक सुमंत दत्ता कहते हैं, समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव देश की समृद्ध भाषाई विरासत को मजबूत करने के अलावा, मूल भाषाओं पर एनसीएफ की सिफारिश में बहुत लाभ हैविभिन्न शिक्षण क्षेत्रों में छात्र। 卐कई अध्ययनों से पता चला है कि बहुभाषावाद संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाता है। एकाधिक भाषाएँ सीखने से समस्या-समाधान कौशल, रचनात्मकता और एक साथ कई कार्य करने की क्षमता में सुधार हो सकता है। यह अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों की शुरुआत में भी देरी करता है। क्षेत्रीय भाषाओं का ज्ञान सामाजिक एकता को बढ़ावा दे सकता है। जैसे-जैसे छात्र विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि वाले साथियों के साथ बातचीत करते हैं, कई भाषाओं में संवाद करने की क्षमता समझ और सम्मान को बढ़ावा देती है। यह, बदले में, एक ऐसे समाज का निर्माण करता है जहां विविधता का जश्न मनाया जाता है, इन भाषाओं के संपर्क से छात्रों को उनके मूल रूप में साहित्य, कला और प्रदर्शन की सराहना करने की अनुमति मिलेगी, जिससे एक समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त होगा।

ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है जो कई भाषाओं में संवाद कर सकते हैं अंग्रेजी और एक अन्य विदेशी भाषा के अलावा, एक मूल भाषा का ज्ञान, कूटनीति, व्यापार और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है, यह बताते हुए कि हालांकि लाभ कई गुना हैं, कार्यान्वयन के साथ उचित संसाधन भी होने चाहिए - योग्य शिक्षक, व्यापक अध्ययन सामग्री और इंटरैक्टिव शिक्षण मंच।

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यों से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निर्णायात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वत= ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो। हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

अदभुत देवत्व के धनी योगेश्वर श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भाद्रमाह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है।प्रायः जन्माष्टमी का त्योहार दो दिन मनाया जाता है। एक दिन गृहस्थ जीवन वाले और दूसरे दिन वैष्णव संप्रदाय वाले जन्माष्टमी मनाते हैं।इसलिए 6 व 7 सितंबर दोनों दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा सकता है। 6 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5250 वां जन्मोत्सव है। श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि 12 बजे मथुरा में हुआ था। इस दिन श्रीकृष्ण भक्त उपवास रखकर श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं। कंस के बढ़ रहे अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था।श्रीकृष्ण पूजा का समय 6 सितंबर 2023 को रात्रि 11.57 बजे से 07 सितंबर 2023, प्रातः 12:42 तक है,यानि केवल 46 मिनट की पूजा अवधि है।रात्रि पूजन के लिए श्रीकृष्ण के लिए झूला सजाएं, इसके बाद श्रीकृष्ण को पंचामृत या गंगाजल से अभिषेक करें और फिर उनका श्रृंगार करें। इस दिन श्रीकृष्ण का बांसुरी, मोर मुकुट, वैजयंती माला कुंडल, पाजेब, तुलसी दल आदि से श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ ही पूजा में उन्हें मक्खन, मिठाई, मेवे,मिश्री और धनिया की पंजीरी का भोग लगाया जाता है।पूजा में श्रीकृष्ण की आरती जरूर करें।वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता से महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया था।वे महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के लिए खासे चर्चित हुए। श्रीमद्भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है ,जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया।श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है।उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना ,गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे अतिथि सत्कार करना भक्तों को इतना भाया कि श्रीकृष्ण को उन्होंने दिलो मे बसा लिया।तभी तो कही लड्डू गोपाल के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है।श्रीकृष्ण जिन्हें पौराणिक दृष्टि से लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया है ,की भक्ति मनोरथ पूरा करने वाली है । ब्रह्माकुमारीज व आर्य समाज जैसी संस्थाओं ने हमेशा अपने महापुरुषों को अंधविश्वास से मुक्त करने का काम किया है। लोगों को वास्तविकता का बोद्ध कराया है। योगिराज श्रीकृष्ण के चरित्र को किस तरह से पेश कर कह दिया गया कि उनकी 16 हजार गोपियाँ थी, वे छिपकर माखन व गोपियों के कपडे चुराने जाया करते थे।जबकि इसमें कोई सच्चाई नही है।फूहड़ गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे हजारों स्त्रियाँ नाचती थी, वो रासलीला रचाते थे7 यदि कोई हमारे सामने हमारे माता-पिता के बारे में ऐसी टिप्पणी करे तो क्या हम सहन करेंगे? नहीं ना! तो फिर आर्य समाज कैसे सहन करता? ऐसी स्थिति में श्रीकृष्ण के वास्तविक चरित्र को समझना बहुत आवश्यक है7 श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है,सबने कृष्ण के जीवन को खंडो में बाँट लिया सूरदास ने उन्हें बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के श्रीकृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वह श्रीकृष्ण प्रस्तुत नही किया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता है।श्री कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था, पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे7 श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया।7 श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई । स्वामी दयानंद ने कृष्ण के शब्दों को उनकी नीति, उनकी युद्ध कला के रूप में समझाया7 वास्तव में अर्जुन नाम एक मनुष्य का है,जबकि कृष्ण नाम चेतना का है ,जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है7 जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम श्रीकृष्ण है7पुराणों के चश्मे से श्रीकृष्ण को नहीं समझा जा सकता क्योकि वहां सिवाय मक्खन व कपड़े चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलता7 मन्दिरों में नाचने से श्रीकृष्ण को नहीं पाया जा सकता7 उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा, तभी श्रीकृष्ण को समझा जा सकता है7 यह सत्य है श्रीकृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुआ7 यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा ।श्रीकृष्ण ने हर किसी स्त्री का सम्मान किया। स्त्री जाति भी श्रीकृष्ण का सम्मान करती रही।

7 शहरों में 7 लाख अनबिके मकान

भारत के 7 बड़े शहरों में 2022 के दिसंबर माह में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 7 लाख से अधिक मकान बिना बिके हुए बिल्डरों के पास हैं। यह मकान मध्य एवं ??निम्नवर्गीय परिवारों के लिए बनाए गए थे। पिछले वर्षों में मकान की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। आम आदमी की क्रय शक्ति इन मकानों को खरीदने की नहीं बची है। बैंक से कर्ज लेकर ब्याज चुकाने की हैसियत भी मध्यम वर्ग की नहीं होने से बिल्डरों के पास देश के कई शहरों में लाखों की संख्या में मकान खाली पड़े हैं। ठीक इसके विपरीत एक स्थिति और है कि लोगों ने बैंक से लोन लेकर बिल्डरों को पैसा दे दिया है। बिल्डर उन्हें कब्जा नहीं दे पा रहे हैं। जिन लोगों ने बिल्डरों के यहां पर फ्लैट बुक किए थे, वह हर माह बैंक को किस्त भर रहे हैं। ब्याज भी चुका रहे हैं। ?किराया भी उन्हें देना पड़ रहा है। उन्हें 5 से 7 साल बीत जाने के बाद भी फ्लेट का कब्जा नहीं मिल पा रहा है। 2000 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में रियल स्टेट पर निवेश बढ़ा था। बैंकों से मकान के लिए कर्ज मिलने लगे थे। हर साल लाखों की संख्या में लोग कर्ज लेकर फ्लैट और मकान ले रहे थे। कोविड के बाद रियल एस्टेट में मंदी देखने को मिल रही है। 2021 के बाद से लगभग 53 फ़ीसदी फ्लैट और मकान की मांग कम हो गई है। एक करोड़ से ज्यादा कीमत के मकान की मांग जरूर बढ़ी है। मध्यम और निम्न वर्ग अब मकान लेने की स्थिति में नहीं रहा। 2016 के बाद से रियल एस्टेट में जीएसटी एवं अन्य टैक्स बड़े पैमाने पर बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण फ्लेट और मकानों की कीमतें 30 फीसदी तक बढ़ गई हैं। जिसके कारण निम्न वर्ग के लिए जो फ्लैट 4 से 5 लाख रुपए में प्रधानमंत्री आवास योजना में बनना था। उसकी कीमतें भी काफी बढ़ गई है। बिल्डरों ने बड़े-बड़े मल्टी स्टोरी में फ्लैट तो बना दिए हैं। लेकिन इनको खरीदने वाले सामने नहीं आ रहे हैं। बिना बिके हुए मकान बेचने के लिए और हाउसिंग में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार को कम कीमत के फ्लैट और मकान के टैक्स घटाने होंगे। किफायती दर पर लोगों को मकान उपलब्ध कराना होगा। इनका ब्याज भी कम होगा, तभी अन ?बिके मकानों को बेचना संभव हो सकेगा।

राष्ट्रीय हित का कदम है एक साथ चुनाव

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है।

अभी केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ करदी है। इसके लिए एक समिति भी बनाई है, जो देश के राजनीतिक दलों और आम जनता से इसके हित और अनहित के बारे में विमर्श करेगी। जब सब ओर से सकारात्मक रुझान मिलेगा, तब यह धरातल पर उतारा जाएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। लेकिन देश में कुछ राजनीतिक दल संभवतः इसकी गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं। इस कदम को संकुचित राजनीति के भाव से देख रहे हैं। अगर यह देशभाव के दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा। वर्तमान में केन्द्र सरकार, चुनाव आयोग इस बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन कर रहा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए। केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनाई हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता।

भारत में ऐसा होना ही चाहिए। जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। यह बात भी सही है कि इन कामों का वास्तविक स्वरुप भविष्य में ही सामने आएगा। क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि अब भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी। सरकारें हमेशा इसी उधेड़बुन में लगी रहती थी कि हमारी सरकार कैसे बचे या हमारी सरकार कैसे फिर से बने। इसी कारण कई निर्णय ऐसे भी किए जाते रहे हैं, जिससे देश की विकास की गति बाधित होती गई और स्वतंत्रता के बाद देश को जिस रास्ते पर जाना चाहिए था, उस रास्ते पर न जाकर केवल स्वार्थी राजनीति के रास्ते पर चला गया। जिसके कारण देश ने अनेक उतार चढ़ाव भी देखे हैं। वर्तमान की कई समस्याएं अपने देश की सरकारों की ही देन है। सरकारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के बजाय देश हित के काम किए होते तो संभवतः देश में इतनी विकराल स्थिति पैदा नहीं होती। मोदी सरकार ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए कई अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। सरकार ने जो नोट बंदी की थी, उसमें भले ही विपक्षी राजनीतिक दलों ने आलोचना की, लेकिन इसके बाद मोदी सरकार की ख्याति बढ़ती चली गई और लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा से ज्यादा सफलता मिली है। यानी साफ शब्दों में कहा जाए तो यही कहना समुचित होगा कि जो कदम विपक्षियों को खराब लगा, वह देश की जनता की नजर में एक दम सही था। मोदी सरकार का एक साथ चुनाव कराने का कदम भी कुछ ऐसा ही है, जिसकी विपक्षी दल तो आलोचना करेंगे ही, लेकिन जनता निश्चित रुप से इसे सही कदम मानकर इसका समर्थन ही करेगी।

अगर देश में लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ होने पर राजनीतिक दलों की सहमति बनती है तो इससे आम जनता को राहत ही मिलेगी, लेकिन सरकार विरोधी राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस पर क्या कहेंगे। हालांकि देश में जनहित के साथ ही राष्ट्रीय हितों के प्रति सबको समर्थन देना ही चाहिए, क्योंकि राष्ट्रीय हित से बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता।

अंधकार से प्रकाश की ओर का पर्व

नारायण, प्रति नारायण, बलभद्र आदि शलाका पुरुष होते हैं। वे सब निकट मोक्ष गामी भव्य जीव होते हैं। हमारे आगम के अनुसार श्री कृष्ण भी भावी तीर्थंकर हैं। आगामी चौबीसी में 16 तीर्थंकर होने वाले हैं। इसलिए श्री कृष्ण का महान स्थान तो हमारे धर्म में हैं लेकिन जैन धर्म के अनुसार हम वीतरागता को पूजते है। इस भव में श्रीकृष्ण ने वीतराग रूप नहीं पाया। अभी नारायण हुए, जब वे तीर्थंकरत्व को प्राप्त करेंगे तब हम उनकी पूजा अर्चना करेंगे। तो उसे उसी सन्दर्भ में देखकर करके चलना चाहिए। एक नारायण होने के नाते उनके जीवन और आदर्श की चर्चा करना, उनके गुणों की चर्चा करना, उनके कौशल और पराक्रम की चर्चा करके उनके आदर्शों से अपने जीवन में एक अच्छी प्रेरणा पाना, कोई बुरी बात नहीं है।

पर्व तीन प्रकार के होते हैं जैसे शाश्वत, नैमित्तिक और जन्म दिवस, जन्माष्टमी का त्यौहार जन्म दिवस के अंतर्गत मनाया जाता हैं ! ।यह दिन जिनके जन्म में प्रेम, घ्यान और अठखेलियों का एक साथ होना वह कृष्ण का ही रूप हो सकता हैं।इसे गोकुलाष्टमी भी कहते हैं। यह भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव हैं जिसे अखिल विश्व पूर्ण उत्साह, हर्षोल्लास से मनाते हैं। श्री कृष्ण का जन्म यह दर्शाता हैं की अंधकार का नाश होना और दुष्टों का संहार करना और पापीओं को इस पृथ्वी से मुक्त करना।कृष्ण जन्माष्टमी एक ऐसा त्यौहार हैं जिसमे सम्पूर्ण विश्व उमंग और उत्साह में डूब जाता हैं।श्रावण कृष्ण अष्टमी को यह त्यौहार मनाया जाता हैं।

ऐसी मान्यता हैं की जब पृथ्वी पर अन्याय, अत्याचार, हिंसा का प्रादुर्भाव होता हैं तब पृथ्वी माँ ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की इस पृथ्वी के विनाश को बचाने के लिए कोई उपाय करे।भगवान विष्णु ने धरती माँ को आश्श्वत किया की वे पृथ्वी को बचाएंगे और दुष्टों का अंत करेंगे।अपने वादें के मुताबिक भगवान विष्णु ने कृष्ण के अवतार के रूप में इस पृथ्वी पर अर्धरात्रि को जन्म लिया।.श्रीकृष्ण विष्णु के आठवे अवतार के रूप में जाने जाते हैं।देवकी और वासुदेव के पुत्र कृष्ण का जन्म मथुरा में कंस के कारागृह में हुआ था।जिस समय कृष्ण का जन्म हुआ उस समय का काल बहुत दुखमय था, स्वतंत्रता का अभाव, दुष्ट आत्माएं /कंस जैसे अत्याचारी राजा राज्य कर रहे थे.श्रीकृष्ण का जीवन बहुत कष्टमय था।कारण उसके मामा कंस को यहभविष्यवाणी मिली थी की उसकी मृत्यु उसके भांजे के हाथों होंगी।श्रीकृष्ण पूर्व से ही होने वाली घटनाओं से परिचित थे।वासुदेव ने तुरंत बाल कृष्ण को यशोदा और नन्द को कंस के भय के कारण सौंप दिया था.इस कारण इस कृष्ण भक्त इस दिवस को उपवास रखते हैं, भक्ति गीत गाते हैं और कृष्ण मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करते हैं। जैन धर्मानुसार श्री कृष्ण नौवें नारायण थे और नारायण शलाका पुरुष में आते हैं और वो नेमिनाथ भगवान के चचेरे भाई भी थे। नारायण, प्रति नारायण, बलभद्र आदि शलाका पुरुष होते हैं। वे सब निकट मोक्ष गामी भव्य जीव होते हैं। हमारे आगम के अनुसार श्री कृष्ण भी भावी तीर्थंकर हैं। आगामी चौबीसी में 16 तीर्थंकर होने वाले हैं। इसलिए श्री कृष्ण का महान स्थान तो हमारे धर्म में हैं लेकिन जैन धर्म के अनुसार हम वीतरागता को पूजते है। इस भव में श्रीकृष्ण ने वीतराग रूप नहीं पाया। अभी नारायण हुए, जब वे तीर्थंकरत्व को प्राप्त करेंगे तब हम उनकी पूजा अर्चना करेंगे। तो उसे उसी सन्दर्भ में देखकर करके चलना चाहिए। एक नारायण होने के नाते उनके जीवन और आदर्श की चर्चा करना, उनके गुणों की चर्चा करना, उनके कौशल और पराक्रम की चर्चा करके उनके आदर्शों से अपने जीवन में एक अच्छी प्रेरणा पाना, कोई बुरी बात नहीं है।

श्रीकृष्ण ने संसार में व्याप्त दुखों, जन्म और मृत्यु पर बहुत उपदेश दिए, उनका जन्म अवतार के रूप में हुआऔर उनका त्यौहार भगवान् के बाल रूप में मनाया जाता हैं।जो सबके प्रिय, आकर्षक दिव्य विभूति और आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक के रूप में पूजे जाते हैं।उनका पृथ्वी में अवतार लेने का मुख्य कारण यह था की उस समय पृथ्वी पर जो अज्ञानता रूप अंधकार, राक्षसी प्रवृत्तियों द्वारा अत्याचार, भय, हिंसा का वातावरण बना हुआ था उससे मुक्त कराना था. और धर्म को स्थापित करना व दुष्ट कंस जिसने मानव जीवन कष्टमय बना रखा था को नष्ट किया. उनका सूत्र था की जब जब पृथ्वी पर अधर्म का राज्य होगा व अत्याचार /अनाचार /दुराचार/ हिंसा का बाहुल्य होगा तब तब मैं जन्म लूंगा.जन्माष्टमी पर्व आपसी भाई चारा को बढ़ावा देता हैं और आपस की मलिनता को दूर करता हैं।इसीलिए इस दिन इस दिन को पवित्रता के साथ मिलजुलकर मनाने का अवसर मिलता हैं। इस दिन पूरे देश विदेश में यह त्यौहार बहुत उत्साह, उमंग, उल्लास के साथ मनाया जाता हैं।इस दिन उनके उपासक उपवास रखते हैं और मंदिरों, घरों में बाल लीलाएं होती हैं।युवा वर्ग मस्ती के साथ दही हांडी का कार्यक्रम रखते हैं।कई जगह रास लीला मनाई जाती हैं।उनके जन्म की झांकिया बनायीं और रखी जाती हैं।

इस समय उनकी मूर्ति को पालने में रखकर पंचामृत से अभिषेक करते हैं।यह पंचामृत प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता हैं उनके उपासक पालना झुलाकर उनका आशीर्वाद लेते हैं।उनकी आरती शंखों के नाद से की जाती हैं।इस दौरान कृष्ण मंदिरों में भव्य बिजली की सजावट की जाती हैं।कुछ मंदिरों में भागवत गीता का पाठ किया जाता हैं।सुगंधित फूलों की वर्षा की जाती हैं।सुगंधित कपूर की आरती की जाती हैं और मंदिरों में घंटियों से पूर्ण वातावरण शुद्ध व शांतिमय बन जाता हैं।विशेष रूप से मथुरा और वृंदावन में जन्माष्टमी बहुत उत्साह से मनाई जाता हैं और रात्रि जागरण होता हैं।नृत्य नाटक श्रीकृष्ण के चरित्र पर होते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में दही हांडी की अधिकता होती हैं दक्षिण भारत में चावल के आटे की रंगोली बनाई जाती हैं और बालकृष्ण के चरण कमल अपने घरों के सामने बनाते हैं जिसका आशय कृष्ण हमारे घरों में पधारे। इस दिन को हम वास्तव में श्रीकृष्ण के द्वारा दिए गए उपदेशों को जीवन में उतारे और अपने जीवन को सुख शांतिमय बनाये व इसके माध्यम से हम सर्व विश्व कल्याण की मंगल कामना करे व उन्होंने जीवन की नश्वरता का जो पाठ पढ़ाया, नीतियां समझाई उसे अंगीकार कर अपना जीवन कृष्ण मय बनाये यह ही जीवन की सार्थकता होगी। आपका जन्माष्टमी पर्व मंगलमय हो।

कहो तो कह दूं

भले ही हम चांद पर पहुंच गए लेकिन मच्छरों को नहीं मार पाए

चैतन्य भट्ट

पूरी दुनिया ने तमाम तरह की खोजें कर ली,उसके बाद भी हर देश अपनी अपनी तरह से नई-नई चीज खोज रहा है अपना इंडिया चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंच गया, वहां की चीजों की जानकारी यहां मिल रही है, अब तो सूरज की तरफ भी एक यान रवाना कर दिया गया है लेकिन विकसित देश हो या विकासशील देश इनमें से कोई भी देश इन मच्छरों को मारने की आज तक कोई दवाई नहीं खोज पाए। तकरीबन सवा सौ साल पहले ब्रिटेन के एक डॉक्टर ने इस मच्छर को पहचाना था जो मलेरिया फैलाता है इसका मतलब है कि ये मच्छर सवा सौ साल से भी पहले से इस दुनिया में बेहतरीन घूम फिर रहा है, डॉक्टर साहब ने काफी खोजबीन के बाद बताया कि इसकी जो मादा होती है उसी के काटने से मलेरिया होता है ,चूंकि मच्छर की खोज अगस्त महीने में हुई थी इसलिए इस महीने की एक तारीख को मच्छर दिवस भी कहा जाता है । डॉक्टर साहब ने यह भी बताया कि मच्छर का जितना वजन होता है उसका तीन गुना खून वो इंसान के शरीर से चूस लेता है। सवा सौ साल हो गए इन मच्छरों को मारने की कोशिश करते-करते , डीडी टी के टैंकर पे टैंकर खत्म होते गए लेकिन मच्छर ज्यों की त्यों बने रहे हार कर सरकार ने इनके लिए एक अलग से मलेरिया विभाग भी खोल दिया, मलेरिया अफसर भी बना दिए गए, मलेरिया इंस्पेक्टर भी पोस्ट हो गए गाड़ी घोड़ा सब डिपार्टमेंट को दे दिया गया कि किसी भी तरह इन मच्छरों का नाश करना है डिपार्टमेंट को बने बरसों हो गए, लाखों रुपए करोड़ों रुपए स्टाफ की पेमेंट और दवाइयों में निकल गए लेकिन मच्छरों का कोई बाल बांका नहीं कर पाया, फिर प्राइवेट कंपनियों ने सोचा कि ये तो अच्छा धंधा है सरकार तो कुछ नहीं कर पा रही है चलो अपन कुछ ट्राई करते हैं तो किसी ने कछुआ छाप अगरबत्ती बना ली तो किसी ने रिलैक्सो नाम से मच्छर मार अगरबत्ती का पेटेंट ले लिया कुछ कंपनियों ने बाकायदा बिजली से चलने वाली मशीन बना ली जिसमें एक टिकिया डालो और रात भर आराम से सो जाओ ऐसा दावा कंपनी ने कर डाला । किसी ने कहा नीम के पत्ते जला दो उसके धुएं से मच्छर भाग जाएंगे लेकिन पता लगा कि जिस जगह नीम के पत्ते जलाए जा रहे हैं उसके ही ऊपर मच्छर चक्कर लगा रहे हैं । कितने जतन वैज्ञानिकों ने, डॉक्टरों ने नहीं किए लेकिन मच्छरों को कोई खत्म नहीं कर पाया। कुछ साल पहले तक उनके एक जिगरी दोस्त खटमल भी हुआ करते थे लेकिन जब से खटिया का चलन खत्म हुआ तब से खटमलों का आशियाना ही उजड़ गया बेचारे कहां जाते सो उन्होंने दुनिया ही छोड़ दी,लेकिन मच्छर अभी भी बाकायदा अपना राग सुनाए पड़े हैं कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा और जिस गति से मच्छरों की संख्या बढ़ती जा रही है उसको देखते हुए यह लगता है कि अब इंसान को मच्छरों के साथ ही जीने की आदत डाल लेना चाहिए क्योंकि जितने भी उपाय उसने किए हैं उनसे मच्छरों का कुछ नहीं बिगाड़ पाया अपने को तो लगता है कि जब समुद्र मंथन हुआ होगा तो भले ही देवताओं और राक्षसों को अमृत मिला हो या ना मिला हो लेकिन इन मच्छरों ने जरूर अमृत पिया होगा तभी तो तमाम कोशिशें के बावजूद भी बाकायदा जिंदा है और अपनी जनसंख्या को भी बढ़ाने में लगे हुए हैं इनके लिएसी जनसंख्या नियंत्रण कानून भी कोई काम नहीं करने वाला यह तय मान लिया जाए।

ये टिकिट जो ना कराए

चुनावी टिकट का जलवा ही कुछ और होता है हर नेता इस टिकट को अपने आलिंगन में लेने के लिए बेचैन होता है लेकिन टिकट सिर्फ एक नेता को गले लगाती है बाकी नेता उस टिकट को ललचाई आंखों देखते ही रह जाते हैं इस टिकट के लिए हर पार्टी का नेता न जाने क्या-क्या जतन करता है उसे वो सब करना पड़ता है जो उसने कभी जिंदगी में ना किया होगा, अब देखो ना अपने मध्य प्रदेश के विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं एक टिकट है और 50 उम्मीदवार । सब अपनी अपनी तरह से प्रयास कर रहे है कि टिकट उसके ही कब्जे में आ जाए। कोई नर्मदा की सफाई करने में जुटा है हाथों में दस्ताने पहन कर कीचड़ में हाथ गंदे कर रहा है, तो कोई जगह-जगह सड़कों पर झाड़ू लगा रहा है,कोई महिलाओं को राखी बांट रहा है ,तो कोई कानों में काजलिया खोंस रहा है तो कोई पोस्टर पे पोस्टर लगाए पड़ा है शहर के हर खंबे पर उसी का पोस्टर दिखाई दे रहा है दूसरे नेता के लिए इंच भर की जगह नहीं बची है कि वो गरीब भी अपना पोस्टर लगा ले तो किसी ने पेड़ पर पोस्टर तान दिया है तो किसी ने किसी दरवाजे की छत पर अपना पोस्टर लगा दिया है, कोई कथा करवा रहा है ,तो कोई हनुमान चालीसा का पाठ । यानी जो काम कभी सोचे भी नहीं होंगे वो तमाम काम इस टिकट ने उनसे करवा दिए लेकिन इसके बावजूद टिकट उनकी हो पाएगी या नहीं इसका अंदाजा उनको भी नहीं है, अपना तो इन तमाम नेताओं को एक ही संदेसा है कि भैया इन चीजों से टिकट नहीं मिलती ,टिकट मिलती है दिल्ली दरबार में जुगाड़ से, ये सब छोड़कर अगर दिल्ली दरबार में अपना मत्था टेकोगे तो हो सकता है कि टिकट मिल जाए क्योंकि टिकट देना तो हाई कमान के हाथ में है और जो चीज हाई कमान के हाथ में है वो उसी को मिलेगी जिसे हाई कमान चाहता है खाली पीली टाइम बर्बाद मत करो पहली गाड़ी से दिल्ली निकल जाओ उसी में फायदा है ।

फिर अड़ी दे दी उमा जी ने

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती से पूरी पार्टी भारी हलाकान है विशेष कर अपने मामा जी, कुछ समय पहले उमा जी ने शराब के खिलाफ आंदोलन चलाया, शराब की दुकान में ईंट चला दी उस चक्कर में मामा जी को अहाते बंद करवाने पड़ गए अहाते बंद क्या हुए बेचारे दरुओ की लाई ही लुट गई ,अब दारु तो खरीद लेते हैं लेकिन पिएं कहां ये भारी संकट उनके सामने खड़ा हो गया। फिर नर्मदा में क्रूज चलाने की बात आई तो उमा जी ने बत्ती दे दी कि खबरदार जो किसी ने नर्मदा मैया में क्रूज उतारा ,उखाड़ कर फेंक दूंगी मैं उसको, सो ये मामला भी मामा जी को बंद करना पड़ गया अब सुना है कि 20 लोगों की लिस्ट उमा जी ने मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को सौंप दी है कि इन लोगों को टिकट दी जाए अब यदि दो सौ तीस विधानसभा की सीटों में से बीस टिकिट यदि उमाजी मांग रही है तो पार्टी को भी विचार तो करना ही पड़ेगा वरना उनका क्रोध तो सबको मालूम ही है, एक बात और कह दी है उमाजी ने कि अभी एक सप्लीमेंट्री लिस्ट वे और जारी करने वाली हैं। वैसे ही तो इतनी मारामारी मची है टिकट को लेकर ,एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति बनी हुई है उस पर से उमा जी की लिस्ट ने पूरी बीजेपी में हड़कंप मचा दी है अब उमा जी की लिस्ट में से कितने लोगों को टिकट मिल पाती है यह देखना होगा लेकिन यह भी तय मान ले कि उमा जी से पंगा लेना आसान काम नहीं है।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

मैं तुमसे शादी नहीं कर सकता मेरे घर वाले नहीं मान रहे हैं श्रीमान जी ने अपनी प्रेमिका से कहा

तुम्हारे घर में कौन-कौन हैं प्रेमिका ने पूछा

एक बीवी और दो बच्चे श्रीमान जी का उत्तर था

संक्षिप्त समाचार

सिपाही पर मारपीट कर शांतिभंग में चालान करने का आरोप

फर्रुखाबाद। पारिवारिक विवाद में सिपाही ने युवक को लाठी-डंडों व पट्टों से मारपीट कर शांतिभंग में चालान कर दिया। पीड़ित ने एसपी को चोटें दिखाकर कार्रवाई की गुहार लगाई। थाना क्षेत्र के गांव रूनी चुरसई निवासी कुंवर सिंह ने सोमवार को एसपी विकास कुमार को प्रार्थना पत्र दिया। इसमें आरोप लगाया कि अविवाहित चाचा भूरे सिंह उसके साथ रह रहे हैं। इसके कारण माता-पिता व भाई रंजिश मानते हैं। दो सितंबर को चाचा ने पिता से अपने हिस्से के खेत के गेहूं को लेकर तगादा किया। इस पर माता-पिता व दो अज्ञात लोगों ने चाचा के साथ मारपीट कर गालीगलौज की। जानकारी होने पर मौके पर जाकर विरोध जताया। माता पिता ने चौकी राजपुताना में तैनात सिपाही वीरपाल को सुविधा शुल्क देकर कार्रवाई करने के लिए कहा। सिपाही ने कुंवर सिंह को पकड़ लिया। लाठी-डंडों व पट्टों से मारपीट कर घायल कर दिया। कुंवर सिंह का शांतिभंग में चालान कर दिया। जमानत पर छूटने के बाद कुंवर सिंह ने सिपाही के खिलाफ थाने में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। एसपी ने इस मामले में जांच करवाकर कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

जुलूसे मोहम्मदी को भव्य बनाने के लिए हुई तैयारी बैठक

फर्रुखाबाद। पैगम्बर-ए- इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर जुलूसे मोहम्मदी भव्य रूप से निकालने को लेकर सीरत कमेटी के पदाधिकारियों ने बैठक कर जिम्मेदारियां सौंपी। रविवार देर रात मोहल्ला छप्पट्टी के मदरसा में सीरत कमेटी के सरपरस्त हाजी सादिक अली की सदारत में बैठक हुई। बैठक में नायब सदर मुफ्ती मुंतजिर व खजांची हाफिज आबिद अली ने पिछले साल का आय व्यय का ब्योरा पेश किया। कमेटी के सदर आफताब हसन खां ने सभी पदाधिकारियों को जुलूस व जलसा के इंतजाम को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल ईद मिलादुन्नबी के जश्न के मौके पर निकलने वाले जुलूस-ए- मोहम्मदी को इस साल भी सभी लोग मिल जुलकर अमन और शांति का पैगाम देते हुए कामयाब बनाएं। उन्होंने कहा कि जुलूस में नगर की भव्य सजावट, घोड़ों की ब्रिगेड, बाइकर्स भी साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि 28 सितंबर की शाम को जटवारा से जुलूस शुरू होकर नगर से होते हुए पुल गालिब तिराहे पर संपन्न होगा। इसके बाद यहां देर रात जलसा होगा। जलसे में तमाम बाहर के मौलाना भी तकरीर करेंगे। इस दौरान सेक्रेट्री आसिफ अली, शहरोज खां, सोहराब खां, पूर्व सभासद पप्पू खां, तैय्यब अली, बबलू खां आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष पद के लिए चार नामांकन पत्र बिके

फर्रुखाबाद। पांच वर्ष बाद बार एसोसिएशन के चुनाव में प्रत्याशियों के सामने आने से मुकाबला दिलचस्प होगा। दूसरे दिन अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष के चार नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। आठ सितंबर तक नामांकन पत्रों की बिक्री व नामांकन होंगे। बार एसोसिएशन के चुनाव के नामांकन पत्र बिक्री के दूसरे दिन एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष श्रवण कुमार चतुर्वेदी, सदस्य राजकुमार सिंह राठौर, अजरुद्दीन, सरदार सूर्य प्रताप सिंह, चुनाव प्रबंध समिति के सदस्य राजीव कुमार सिंह राठौर, शिवनरेश सिंह, श्याम कटियार, संजय कुदेशिया व नामांकन विक्रय समिति से सुभाष सोमवंशी, कुंवर सिंह यादव, ओम प्रकाश गौतम, पवन मिश्रा व बंटी की मौजूदगी में सेक्रेटरी को नामांकन पत्र की बिक्री शुरू की गई। वकील रवीश द्विवेदी, नरेश सिंह यादव ने सचिव के पद के लिए, जागेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने अध्यक्ष पद के लिए, गौतम कुमार वर्मा ने उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र खरीदे। चुनाव में प्रत्याशियों के आने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। अन्य पदों के लिए मंगलवार को नामांकन पत्र खरीदने के लिए कई वकीलों ने कमेटी के लोगों से संपर्क किया। यह जानकारी सहायक मीडिया प्रभारी राजीव बाजपेई ने दी।

सोने की सूचना पर पहुंची पुलिस को मिले तांबे के सिक्के

फर्रुखाबाद। एक पुराने मकान की खोदाई करते वक्त मिट्टी के बर्तन में कुछ सिक्के बरामद हुए। कुछ लोगों ने सोने के सिक्के निकलने की सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस को वहां तांबे के सिक्के मिले। पुलिस ने इन्हें बरामद कर कब्जे में ले लिया है। शहर कोतवाली के मोहल्ला कटरा बू अली निवासी ब्रजबिहारी शुक्ला का काफी पुराना पुश्तैनी मकान है। जर्जर हालत में होने की वजह से उसका मलबा हटवाने का ठेका सरी-सवासी गांव के एक ठेकेदार को दे दिया है। सोमवार दोपहर मजदूर खोदाई कर रहे थे। खुदाई के दौरान उसमें एक मिट्टी का बर्तन मिला। इसमें कुछ सिक्के भरे थे। आसपास के लोगों ने उसे देखते ही सोने के सिक्के होने की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। तब तक ठेकेदार मौके से फरार हो गया। वहां पुलिस को 31 सिक्के मिले। पुलिस ने जब उन सिक्कों को साफ किया, तो वह सोने की बजाय तांबे के पाए गए। फिलहाल उन्हें कोतवाली में रख लिया गया है। इसकी लिखित जानकारी भी मकान मालिक से ले ली गई है।

दीवार गिरने से मौसेरे दो मासूम भाई दबकर घायल

फर्रुखाबाद। जर्जर दीवार गिरने से मौसेरे दो मासूम भाई दबकर घायल हो गए। सीएचसी में दोनों की हालत गंभीर होने पर उनको लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के गांव बैरमपुर निवासी राधा कृष्ण की पुत्री पूजा की शादी गांव फरसोली निवासी मोनू के साथ हुई थी। शादी के दो वर्ष बाद पूजा को एक पुत्र देवांश व पुत्री हुई। इसके बाद पूजा की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीन वर्ष का देवांश नाना के पास रह रहा है। रक्षाबंधन पर राधा-कृष्ण की दूसरी पुत्री जनपद कन्नौज कोतवाली छिबरामऊ गांव निगौली निवासी दुर्गा पति वर्षा के पुत्र कार्तिकेय को साथ लेकर मायके आई। सोमवार सुबह देवांश व कार्तिकेय दरवाजे के बाहर खेल रहे थे। उसी दौरान जर्जर दीवार दोनों मासूमों के ऊपर गिर गई। मलबे में दोनों मासूम दब गए। परिजनों ने मलबे को हटाकर दोनों को बाहर निकाला। दोनों के गंभीर चोटें आई थी। परिजनों ने उनको सीएचसी में भर्ती कराया। वहां उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उनको लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया।

दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष का कारावास

फिरोजाबाद। अपर जिला जज एवं विशेष जज पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह ने थाना मक्खनपुर क्षेत्र से 6 वर्ष पूर्व हुए नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म के दोषी को दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। 28 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं। घटनाक्रम थाना मक्खनपुर क्षेत्र का तीन जनवरी 2017 का है। पीड़ित किशोरी के पिता द्वारा थाना मक्खनपुर पुलिस को दी तहरीर में कहा कि तीन जनवरी 2017 को कस्बा मक्खनपुर में परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे।

इसी दौरान उसकी 14 वर्षीय बेटी को थाना टूंडला के उलाऊ खेड़ा निवासी बच्चा उर्फ जयराम ले गया। परिजन ने काफी खोजबीन करने के बाद उसके घर पर जाकर जांच पड़ताल की तो वह गायब रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की विवेचना करके बच्चा उर्फ जयराम के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मामला सुनवाई को अपर जिला जज एवं विशेष जज पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह के न्यायालय में पहुंचा। शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक अवधेश भारद्वाज ने करते हुए दोषी बच्चा उर्फ जयराम को सख्त सजा दिलाए जाने को दलीलें दीं। न्यायाधीश ने गवाहों के बयान एवं फाइल पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर दोषी बच्चा उर्फ जयराम को किशोरी को ले जाने तथा दुष्कर्म का दोषी पाते हुए 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। 28 हजार का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर 4 माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं।

बिजली का तार टूट कर गिरा, दुकानदार की मौत

फिरोजाबाद। सोमवार की दोपहर को बिजली का तार टूट कर गिर गया। तार की चपेट में आकर एक 24 वर्षीय युवक गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे उपचार के लिए आगरा लेकर गए। जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। अतुल प्रताप (24) निवासी फतेहपुर सोमवार की दोपहर को अपनी बरतरा रोड स्थित खाद बीज की दुकान पर बैठा था। लघुशंका के लिए वह दुकान के पीछे स्थित दीवार के पास खड़ा था। इसी बीच हाईटेंशन बिजली का तार टूट कर गिर पड़ा। तार में करंट प्रवाहित होने की वजह से अतुल प्रताप गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे उपचार के लिए सीधे आगरा लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। देर शाम को युवक का शव गांव लाया गया।

किशोरी का अपहरण करके दुष्कर्म करने वाले दोषी जीशान को 12 साल की जेल, 28 हजार का अर्थदंड

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में किशोरी का अपहरण करके दुष्कर्म करने वाले दोषी जीशान को कोर्ट ने 12 साल जेल की सजा सुनाई। साथ ही 28 हजार का अर्थदंड लगाया है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में अपर जिला जज एवं विशेष जज पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह ने नाबालिग लड़की को भगाने एवं दुष्कर्म के दोषी को 12 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 28 हजार का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं। घटनाक्रम थाना लाइनपार क्षेत्र का 20 मई 2022 का है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी नाबालिग बेटी 20 मई को सुबह नौ बजे मम्मी के पास जाने की कहकर निकली थी। लेकिन मम्मी के वापस लौटने पर साथ नहीं दिखाई दी तो वह परेशान हो गए। बेटी की खोजबीन करने के बाद थाना लाइनपार में अभियोग दर्ज कर लिया। पुलिस ने खोजबीन प्रारंभ की तो उसे शिकोहाबाद के काशीराम कालोनी निवासी जीशान ले गया था। उसके खिलाफ किशोरी के अपहरण,दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट में मामला दर्जकर विवेचना प्रारंभ की। पुलिस ने न्यायालय में जीशान के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। मामला सुनवाई को अपर जिला जज एवं विशेष जज पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह के न्यायालय में पहुंचा। शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक अबधेश भारद्वाज ने दोषी को सख्त सजा दिलाने के लिए हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग को न्यायालय के समक्ष रखा। न्यायाधीश ने फाइल पर उपलब्ध साक्ष्य व गवाहों के बयान के आधार पर किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म दोषी जीशान को 12 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

आगरा और शिकोहाबाद में अधिवक्ताओं ने मुख्य सचिव और डीजीपी का फूंका पुतला

फिरोजाबाद। हापुड़ की घटना को लेकर अधिवक्ताओं का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को भी आगरा और फिरोजाबाद के साथ शिकोहाबाद की तहसील में अधिवक्ताओं गुस्सा दिखाई दिया। दोनों ही जगह अधिवक्ताओं ने मुख्य सचिव और डीजीपी का पुतला फूंक दिया और पुलिस देखती रह गई। हापुड़ में अधिवक्ताओं के साथ हुई घटना को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में आक्रोश है। मंगलवार को आगरा और शिकोहाबाद में अधिवक्ता लामबद्ध हैं। न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए अधिवक्ताओं ने मुख्य सचिव और डीजीपी का पुतला फूंक दिया। हैरानी की बात तो ये है कि इस दौरान पुलिस सिर्फ देखती रही। इस दौरान अधिवक्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। मंगलवार को आगरा एडवोकेट्स एसोसिएशन और जनमंच ने प्रदर्शन किया। पुलिस की मौजूदगी में डीजीपी का पुतला फूंका गया। न्यायालय परिसर के अंदर पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी की गई। वकीलों को न्याय न मिलने पर सड़क से लेकर संसद तक प्रदर्शन करने का ऐलान भी किया।

वहीं शिकोहाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने तहसील प्रांगण मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। हापुड़ में अधिवक्ताओं के साथ हुई घटनाओं को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने तहसील प्रांगण में शासन-प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी भी की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामबाबू यादव ने कहा कि हापुड़ में अधिवक्ताओं के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट की घटना लोकतंत्र की हत्या है। आवाज उठाने पर प्रशासन अपनी दमनकारी नीतियों का खुलकर इस्तेमाल कर रहा है, जोकि नंदनीय है।

हाईवे पर 13 स्थानों पर गिरे पेड़, आवागमन रहा घंटों बाधित

गाजीपुर। जिले में रविवार की रात 12-30 बजे तेज तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। जिले में कई पेड़ जहां-तहां गिर पड़े। वहीं, वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अलग-अलग स्थानों पर हाइवे और सड़कों पर 13 पेड़ गिरे, जिससे आवागमन घंटों बाधित रहा। सुबह जानकारी होने पर जेसीबी से इन पेड़ों को हटवाया गया, जिसके चलते आवागम बहाल हो सका। मुहम्मदाबाद, कासिमाबाद और सदर के कठवामोड़ में रविवार की देर रात आए तूफान ने जमकर तबाही मचाई है। जगह जगह पेड़ उखड़ने से काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई हैं। अनऊर हवाई अड्डे के पास, जंगीपुर से लावा मार्ग जाने वाले पर पेड़ गिर गया था। इससे सोमवार की सुबह बजे तक जाम लगा रहा। जाम के कारण स्कूली बच्चे भी लौट गए। वहीं, बिरनोथाना क्षेत्र के भडसर गांव में तेज आंधी के कारण पेड़ उखड़ गया। इससे पेड़ के नीचे खड़ी कार तक पेड़ पर चढ़ गई। पेड़ की चपेट में आकर विद्युत पोल समेत कई वाहन और कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो गए। उत्तर-पश्चमी बंगाल की खाड़ी में कम के कारण यह चक्रवात आया है, जिसकी वजह से प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज व चमक के साथ हल्की बारिश भी हुई। साथ ही कई जगह फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। जहां कुछ जगह फसलें गिर गई है, बिजली के खम्भे भी उखड गए हैं जिसकी वजह से किसान भाइयों को नुकसान उठाना पड़ा है 7 आगामी समय में अभी हल्की बूंदा बांदी है।-कपिल देव शर्मा, मौसम विज्ञानिक रविवार की रात आई आंधी तूफान से जिले के चारों डिविजन में विद्युत तार, पोल क्षतिग्रस्त हुआ है। एक नंबर डिविजन और दो नंबर डिविजन को सुबह चालू कर दिया गया था। तीन और चार में कहीं-कहीं कार्य चल रहा है।

टूटा 25 केवीए एचटी वायर, राजधानी सहित दस ट्रेनें प्रभावित

गाजीपुर। जिला सहित आसपास में रविवार की देर रात क्षेत्र में आए चक्रवात से वाराणसी मंडल के करीमुद्दनपुर-ढूडाडीह के बीच 25 केवीए एचटी वायर क्षतिग्रस्त होने से अप-डाउन दोनों रूटों पर रेल परिचालन कई घंटे बाधित रहा। इससे छह मेल एक्सप्रेस और छह मालगाड़ी जगह-जगह खड़ीं रहीं। रेलवे के मुताबिक रविवार की रात आई आंधी से करीब 11-58 बजे अप और डाउन लाइन का एचटी वायर टूट गया। जिससे कुल 12 ट्रेनें प्रभावित रहीं। जिसमें दो राजधानी, चार मेल एक्सप्रेस और छह मालगाड़ी जगह-जगह खड़ीं रहीं। गाजीपुर सिटी स्टेशन के टीआरडी विभाग के एक्सईएन विमल कुमार ने बताया कि करीब चार घंटे में डाउन लाइन वायर दुरुस्त कर 02-54 बजे और अप लाइन का करीब साढ़े सात घंटे में वायर दुरुस्त कर 07-35 बजे रेल परिचालन सुचारू रूप से संचालित किया गया। लट्टूडीह- करीमुद्दीनपुर क्षेत्र में रविवार की देर रात आए तूफान ने रेल सहित सड़क व्यवस्था ध्वस्त कर दिया है। तेज हवाओं से वाराणसी-बलिया रेल लाइन का अप और डाउन एचटी वायर टूट गया। जिससे छपरा से वाराणसी की तरफ जाने वाली ट्रेन जगह-जगह रेलवे स्टेशन पर रुक गईं। स्वतंत्रता सेनानी, दो मालगाड़ी, अगरतला-इंदौर ट्रेन बड़ा गांव पर खड़ी रहीं।

जुलूस और प्रदर्शन कर अधिवक्ताओं ने जताया विरोध

गाजीपुर। हापुड़ में पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जिले के अधिवक्ता सोमवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे और विभिन्न मांगों का पत्रक जिला प्रशासन को सौंपा। सिविल बार संघ के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए मांगों से संबंधित पत्रक अतिरिक्त एसडीएम चंद्रशेखर यादव को सौंपा।

सिविल बार संघ के जिलाध्यक्ष सुधाकर राय ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि अधिवक्ता तीन दिनों तक न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए विरोध दर्ज कराएंगे। इस मौके पर धीरेंद्र सिंह, राजेश, अशोक भारती, अजय यादव, रामजश यादव आदि मौजूद रहे। इधर कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी की बैठक रामकरन दादा स्मृति हॉल में हुई। इसमें बीते 29 अगस्त को अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की गई। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। साथ ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक डीएम के प्रतिनिधि अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा। मांग किया कि हापुड़ के डीएम और एसपी को अविलंब का स्थानांतरण किया जाए। दोषी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर मुकदमा दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तारी किया जाए। प्रदेशभर में अधिवक्ताओं के विरुद्ध पुलिस द्वारा मनगढ़त झूठी कहानी बनाकर जो मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाए। अधिवक्ता प्रोटेक्शन अधिनियम लागू किया जाए और हापुड़ में घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर अध्यक्ष अमर सिंह, महासचिव मदर सिंह कुशवाहा आदि मौजूद रहे। उधर, सेंट्रल बार एसोसिएशन की आवश्यक बैठक कलेक्ट्रट अधिवक्ता भवन में संघ के अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह के अध्यक्षता में बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर हुई।

इसमें हापुड़ घटना को लेकर शासन व प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के विरोध में जुलूस और प्रदर्शन करते हुए प्रभारी जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।

जमानिया - तहसील परिसर स्थित बार सभागार में सोमवार को बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं की बैठक हुई। बार के अध्यक्ष गोरख नाथ सिंह ने कहा कि हापुड़ में अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने तथा गाजियाबाद के अधिवक्ता की हत्या व प्रदेश में आये दिन अधिवक्ताओं की हत्या, जान लेवा हमला आदि की घोर निंदा करते हैं। संबंधित मांगों का पत्रक उपजिलाधिकारी हर्षिता तिवारी को सौंपा। इस मौके पर अशोक कुमार सिंह, बजरंगी यादव, घनश्याम सिंह, जयप्रकाश, फैसल होदा आदि मौजूद रहे।

सो रहे वृद्ध पर पेड़ गिरने से मौत, कई घायल

-डॉ. भीमराव अंबेडकर और रविदास के मंदिर पर पेड़ की टहनी गिरी, हुई क्षतिग्रस्त

गाजीपुर। जनपद में रविवार की रात चक्रवात से ने खूब तबाही मचाई। नोनहरा थाना क्षेत्र के बौरी गांव में पेड़ के नीचे दबने से सो रहे एक वृद्ध की मौत हो गई। वहीं, अलग-अलग स्थानों पर पेड़ के नीचे दबने से सात पशुओं की भी मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल भी हो गए हैं।

नोनहरा थाना क्षेत्र के बौरी गांव निवासी श्रीराम (81) रविवार की रात पेड़ के नीचे गर्मी के कारण सो रहे थे। रात करीब 11-50 बजे तूफान से पेड़ गिर गया जिससे दबकर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के रघुवरगंज निवासी रीना देवी पेड़ गिरने से घायल हो गईं। इनमें सदर तहसील क्षेत्र में दो, मुहम्मदाबाद में तीन और कासिमाबाद तहसील क्षेत्र से दो पशुओं की मौत हो गई।

बिरनो: इनवा गांव में मकान की दीवार गिरने से अमित यादव (22) दीवार गिरने से घायल हो गई। उनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। जहां हालत अभी नाजुक बताई जा रही है। बारा: पश्चिमी नई आबादी में शीशम का पेड़ उखड़ के इम्तियाज़ खान के छत पर गिरा, जिसमें दबकर एक बकरी की मौत हो गई। पेड़ गिरने से मकान का दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुल्लहपुर- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और रविदास मंदिर पर पेड़ की टहनी गिरी, जिससे डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा और मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया। देवरीबारी गांव में रमेश चौहान और सुदर्शन चौहान के आवास पर खड़े टैक्टर पर पेड़ गिरने से भारी क्षति हुई। साथ ही किराना के दुकान को भी भारी क्षति हुई। निजामुद्दीनपुर गांव के पास गाजीपुर आजमगढ़ स्टेट हाईवे पर पेड़ गिरने से यातायात चार घंटे प्रभावित रही। नंदलाल चौहान के मकान पर नीम का पेड़ गिरने से पूरा परिवार भयभीत होकर भाग कर पूरा परिवार बाहर दूसरे के घर में रात बिताई। वही जमुना चौहान, सदानंद, पन्ना चौहान के टीन शेड उड़ गए। मीरा रेहटी गांव निवासी बालचंद यादव की पक्की दीवार व 12 टीन शेड पर पेड़ गिर जाने से हजारों की क्षति हुई। मनिहारी-सराय गोकुल गांव निवासी अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के जिलामंत्री वीरेंद्र गौतम के टीन शेड व छप्पर उड़ गए।

हरदासपुर खुर्द गांव में कच्चा मकान पर लगे आल वेस्टर गिर जाने से क्षति हुई। कासिमाबाद- एसडीएम राजेश प्रसाद ने बताया कि सरोली गांव में राम अवध की कच्ची दीवार गिरने से दो बकरियों की दबकर मौत हो गई। इसी प्रकार ग्राम क्यामपुर निवासी रामदास कुशवाहा का नीम का पेड़ गिरने से एक भैंस की दब जाने से मौत गई। प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक सात पशुओं की मौत हुई हैं।

पत्नी को तलाक न देने पर ससुरालियों ने युवक को पीटकर लूटा

फतेहपुर। हथगाम में पत्नी को तलाक न देने पर ससुरालियों ने घर में घुसकर पति को पीटा और घर में रखे जेवर, नकदी लूट ले गए। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पत्नी और ससुराल के सात सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव पट्टीशाह, हथगाम निवासी मिसबाऊल हक अंसारी ने बताया कि उसका निकाह 14 अप्रैल 2020 को खखरेरू गांव बदनमऊ निवासी शमा बानो के साथ हुआ था। शादी के कुछ माह बाद से पत्नी ने तलाक मांगना शुरू कर दिया। उन्होंने काफी समझाया लेकिन वह नहीं मानी और मायके चली गई। 30 मार्च को पत्नी, अपने पिता महशर अली, भाभी महजबी, भाई अरशद, नूरे, शफीक और सिकंदर को लेकर उसके घर आई। ससुरालियों ने उन पर पत्नी को तलाक देने का दबाव बनाया। बातचीत के दौरान ससुरालीजनों ने मारपीट शुरू कर दी। घर में रखे 22 हजार रुपये व जेवरात लूट लिए।

सहायक लेखाकार को प्रधान ने पीटा

फिरोजाबाद। नारखी ब्लॉक में तैनात सहायक लेखाकार राकेश कुमार ने गढ़ी पुरानी के ग्राम प्रधान पर फर्जी काम कराने का दबाव बनाने और नहीं करने पर गाली गलौज करते हुए पीटने, अभिलेख फाड़ने एवं लैपटॉप तोड़ने व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। वहीं ग्राम प्रधान ने आरोपों को गलत बताते हुए सहायक लेखाकार पर पंचायत का काम नहीं करने और रुपयों की मांग करने का आरोप लगाया है। नारखी ब्लॉक में तैनात सहायक लेखाकार राकेश कुमार ने थाना नारखी पुलिस को दी तहरीर में कहा कि वह चार सितंबर को नारखी ब्लॉक में काम कर रहा था। इसी दौरान गढ़ी पुरानी के प्रधान अवधेश प्रताप सिंह उर्फ सप्पू मेरे पास आए और फर्जी काम कराने को दबाव बनाने लगे। फर्जी काम करने से इंकार किए जाने पर उन्होंने गाली गलौज किए जाने के साथ मेरे साथ पिटाई की। कार्यालय में रखे शासकीय अभिलेखों को फाड़ दिया तथा लैपटॉप को जमीन पर पटक दिया।

सहायक लेखाकार का आरोप है कि प्रिंटर की केबल से फंदा लगाकर जान से मारने की कोशिश की। इतना ही नहीं जाते-जाते रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक नारखी नरेंद्र शर्मा ने कहा कि ब्लॉक के सहायक लेखाकार की तहरीर पर प्रधान के खिलाफ अभियोग दर्ज कर लिया है। मामले की जांचकर कार्रवाई की जाएगी। ग्राम प्रधान गढ़ी पुरानी अवधेश कुमार सिंह उर्फ सप्पू का कहना है कि ब्लॉक में तैनात सहायक लेखाकार मनरेगा संबंधी काम कराने के पैसे की डिमांड कर रहा था इसी को लेकर सिर्फ बहस हुई है, पिटाई करने का आरोप गलत है।

कहीं पति तो कहीं सास को समझाया, घरों को टूटने से बचाया

समझा- बुझाकर आठ परिवारों की कराई गई विदाई

गाजीपुर। शहर के पुलिस लाइन स्थित सभागार में रविवार को परिवार परामर्श केंद्र 15 परिवार के विवाद प्रस्तुत किए गए। इसमें आठ परिवारों की विदाई कराई गई। केंद्र के सदस्यों के प्रयास से कई परिवारों की समझा-बुझाकर विदाई कराई गई। जमानिया की किरण देवी की शिकायत थी कि उसकी सास उसे बिना मतलब के परेशान करती रहती हैं। वहीं लंगड़पुर निवासी पुष्पा देवी की शिकायत थी कि पति शराब पीकर मारपीट करते रहते हैं।

सादात की अर्चना देवी की शिकायत थी कि पति शंका करते रहते हैं। इन मामलों में पति और अन्य घरवालों को समझा कर विदाई करवाई गई। चंदौली निवासी महिला की शिकायत थी कि पति मारपीट करते रहते हैं। रामपुर मांझा निवासी लक्ष्मीना की शिकायत थी कि पति उसे ससुराल नहीं ले जा रहे हैं। जमानिया कोतवाली निवासी कुसुम की शिकायत की पति दवा नहीं कराते हैं। आजमगढ़ निवासी प्रियंका की शिकायत थी कि उसकी सास अनावश्यक उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करती रहती हैं। इन सब मामलों में भी पति व सास को समझा कर विदाई कराई गई।

सैदपुर निवासी आरती निषाद की शिकायत थी कि पति उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। इस पर पति को समझ कर विदाई कराई गई। सात पारिवारिक विवाद कुशलता के बाद बंद कर दिए गए। इस मौके पर परिवार परामर्श केंद्र सरिता गुप्ता, वीरेंद्र नाथ राम, महिला उप निरीक्षक रेनू यादव, महिला आरक्षी रोली सिंह, महिला होमगार्ड उर्मिला गिरी, महिला पीआरडी गीता देवी आदि मौजूद रहीं।

कुएं में गिरने से वृद्धा तो सर्पदंश से महिला की मौत

गाजीपुर। थाना क्षेत्र के दो अलग- अलग गांवों में सोमवार को हुई दो घटनाओं में एक वृद्धा की कुएं में गिरने से और एक महिला की सर्पदंश से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बसंतपट्टी गांव निवासी वृद्धा लेंगी देवी (85) सुबह घर से 50 मीटर दूर स्थित कुएं के तरफ गई थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर कुएं में गिर पड़ी। यह देख गांव के लोग शोर मचाते हुए घटना स्थल पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं से शव बाहर निकाला और आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर धरम्मरपुर निवासी प्रभा देवी (66) पत्नी रामकृत यादव सोमवार की सुबह पशुओं के लिए खेत में घास काटने गई थी। घास काटते समय सांप ने डस लिया। जानकारी होते ही परिजन उनका झाड़फूंक कराने में जुट गए, लेकिन उनकी मौत हो गई।

55 घंटे में तीसरी बार फुंका ललौली रोड का ट्रांसफार्मर

फतेहपुर। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से 55 घंटे में ललौली रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का ट्रांसफार्मर तीसरी बार खराब हो गया। बिजली बाधित क्षेत्र के लोगों की बिना बिजली के दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो चुकी है। पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ घरों के सभी विद्युत उपकरण बंद हो चुके हैं। उपभोक्ताओं में बिजली अधिकारियों के रवैये और कटौती को लेकर आक्रोश बढ़ रहा है। बीते शुक्रवार की देर रात 12 बजे कस्बे के दक्षिणी फीडर स्थित ललौली रोड का 400 केवी ट्रांसफार्मर अचानक खराब हो गया था, जिसे शनिवार शाम बदल गया। विद्युत आपूर्ति बहाल होने के महज दो घंटे बाद ही ट्रांसफार्मर फिर खराब हो गया। रविवार शाम लगभग 42 घंटे बाद ट्रांसफार्मर बदल गया। ट्रांसफार्मर बदले जाने के कुछ घंटे बाद ही केबल में आग लग गई। जिसे रात 12 बजे तक ठीक किया गया। जैसे तैसे एक फेस बिजली आपूर्ति हुई। सोमवार सुबह लगभग आठ बजे अचानक दूसरा ट्रांसफार्मर भी खराब हो गया। सोमवार की रात तक ललौली रोड की विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। 70 घंटे से अधिक समय से ललौली रोड की विद्युत आपूर्ति बंद है। इससे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने की गलियों, ओम शांति ओम आश्रम के आसपास, कुंबरपुर रोड के दाहिने हिस्से के लगभग 400 से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा छाया हुआ है। तीन दिनों से लगातार बिजली बंद होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित होने लगी है। लोगों की नींद पूरी नहीं हो रही है। गर्मी और नींद पूरी नहीं की वजह से लोग बीमार होने लगे हैं। खासतौर पर बच्चे और महिलाओं को खासी परेशानी हो रही है। पानी की किल्लत बढ़ने लगी है। हैंडपंप व टैंकर का सहारा लेना पड़ रहा है। लोग जनरेटर किराए पर लेकर बिजली से जुड़े घरेलू कामकाज करने को विवश हैं।

बोल जिम्मेदार---

ट्रांसफार्मर बदला जा रहा है। केबल में कहीं पर दो तारे आपस में चिपक गए हैं। इससे हाई करंट हो जाने से ट्रांसफार्मर खराब हो रहा है। ललौली रोड पर केबल चेक किया गया है। तार मंगवा कर उसे ठीक करने का काम मंगलवार सुबह से कराया जाएगा। जिन इलाकों में तार की चेकिंग हो चुकी है। सिर्फ उस इलाके में ही आपूर्ति सोमवार रात तक तक चालू कराई जा सकेगी। मंगलवार से पूरे इलाके में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चालू कर दी जाएगी।

आंधी-तूफान ने उखाड़े दर्जनों पेड़, बिजली बेपटरी

गाजीपुर। जनपद में रविवार की आधी रात को अचानक आए तूफान ने काफी तबाही मचाई। कई स्थानों पर सड़कों पर बिजली के तार गिर गए। इतना ही नहीं ट्रांसफार्मर भी खेतों और सड़कों पर गिर गए। जिसके चलते जनपद के अधिकांश इलाकों की बिजली गुल हो गई। कई स्थानों पर शार्ट सर्किट की घटनाएं भी हुईं। मौसम विभाग का मानना है कि रविवार की देर रात आए तूफान का कारण उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बना कम दवाव का क्षेत्र रहा। अभी बूंदा बांदी होने की संभावना है। इससे मुहम्मदबाद, सैदपुर, जमानिया, जखनिया, शहर सहित शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रही। मनिहारी में इससे जगह-जगह पेड़ गिर गए है और वहीं विद्युत खंभे और तार क्षतिग्रस्त होने से बिजली व्यवस्था काफी प्रभावित हुई है।

फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। हंसराजपुर बाजार में स्थित विद्युत का खंभा के टूटने से उस पर रखा ट्रांसफार्मर नीचे गिर गया। वहीं सुल्तानपुरी, चौकड़ी, रंजीतपुर सहित अन्य गांवों में पेड़ और टिनशेड उड़ गए। खेत में लगे गन्ना, बाजरे की फसल गिर गई। रेवतीपुर- नगदीलपुर, तिलवां-कल्यानपुर, रजागंज चौकी, कालूपुर त्रिमुहानी सहित अन्य कई जगहों पर पेड़ गिरने से जहां आवागमन ठप हो गया। वहीं दर्जनों गांव में विद्युत पोल तार जगह-जगह गिरने से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई। विद्युत कर्मचारियों के द्वारा सोमवार को करीब बारह घंटे बाद कुछ जगहों पर आपूर्ति शुरू हो, मगर कुछ जगहों पर अभी तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। बहादुरगंज में जगह-जगह पेड़ गिरने, विद्युत खंभे और तार टूटकर गिरने से आवागमन और बिजली व्यवस्था काफी प्रभावित हुई है। वहीं फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। कासिमाबाद मऊ मार्ग तथा सलामतपुर सिधागर घाट संपर्क मार्ग की सड़क पर पेड़ों की टहनियां टूट कर गिर पड़ी। कहीं-कहीं पेड़ जड़ सहित उखड़कर धराशायी हो गया। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हुइं। दुबिहां- हरदासपुर, नेवादा, कमसडी दुबिहां, असावर भठवा सरेजा गोबिंदपुर,पाहुपुर, पातेपुर, पैकवली उंचाडीह आदि गांवों में बिजली के पोल और तार टूटकर गिर जाने से बिजली लगभग 15 घंटे से बंद है। बिरनो: क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के तारों के साथ खंभे टूट गए, जिससे कि कई गांव में बिजली का संकट बना हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान पेड़ और खभों को हुआ है। कासिमाबाद रसड़ा मार्ग पर विशालकाय पेड़ और विद्युत पोल गिरने से मार्ग पर आने जाने वाले राहगीरों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। तहसील मुख्यालय पर तहसीलदार कार्यालय, आवास सहित तीन अधिवक्ताओं के चेंबर पर पीपल का विशालकाय पेड़ गिरने से आलमारी में रखे सभी कागजात पुस्तकाएं मेज कुर्सी आदि सामान क्षतिग्रस्त हो गया। कासिमाबाद- युवा शक्ति समिति के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में आंधी तूफान से गांव में लोगों के हुए क्षतिग्रस्त का राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा जांच कराकर दैवीय आपदा राहत कोष से अनुदान दिलाने की मांग को लेकर एसडीएम राजेश प्रसाद को पत्रक सौंपा।

तूफान के कारण विद्युत पोल, पेड़, झोपड़ियां, टीनशेड के साथ फसलों की भारी बर्बादी हुई है। कासिमाबाद एसडीओ संजीव भास्कर ने बताया कि 33 केवीए के पांच उपकेंद्र चक्रवर्ती तूफान के कारण पूरी तरह से बंद है। एसडीओ के अनुसार 33 केवीए उप केंद्र कासिमाबाद से संबंधित लगभग 50 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, लगभग सात ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं। 33 केवीए बहादुरगंज ओल्ड में 25, न्यू में आठ महरौड़ में 15 से 20 ,ढोटारी में 25 से 30 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस तूफान में क्षेत्र की एकमात्र पंप कैनाल रामगढ़ रजवाहा का तार टूटने से पूरी तरह से बंद है। विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल करने में दो से तीन दिन लगेंगे। पहली प्राथमिकता है कि सभी उपकेंद्रों को आपूर्ति सुचारू रूप से पहुंच जाए।

एंबुलेंस को बचाने में रोडवेज बस खड्डु में पलटी, 25 घायल

फतेहपुर। बांदा-टांडा हाईवे पर कार को ओवरटेक कर रही एंबुलेंस अचानक रोडवेज बस के सामने आ गई। एंबुलेंस को बचाने में बस अनियंत्रित होकर खड्डु में पलट गई। हादसे में 25 सवारियां घायल हो गईं। गंभीर रूप से घायल 11 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कार भी अनियंत्रित होकर गुमटी से टकरा गई। हादसा गाजीपुर थानाक्षेत्र के शाह चौकी अंतर्गत महमदपुर गांव के पास सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। फतेहपुर डिपो से अनुबंधित बस सोमवार सुबह बांदा की ओर जा रही थी। महमदपुर के पास बांदा की ओर से आर ही एंबुलेंस कार को ओवरटेक करके बस के सामने आ गई। एंबुलेंस को बचाने में चालक ने बस को बाएं ओर दबा दिया। इससे बस दो-तीन फीट गहरे खड्डे में जाकर पलट गई। बस के आगे के दोनों टायर एक्सल समेत निकल गए। हादसा होते ही सवारियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए पहुंचे। सूचना पर शाह चौकी प्रभारी अविनाश मिश्रा भी टीम के साथ मौके पर आ गए। रोडवेज में कुल 33 लोग सवार थे। पुलिस ने हुसैनगंज थाने के छेउका निवासी चंद्रभान सिंह, पूजा सिंह, राधानगर थानाक्षेत्र के नरपतपुर निवासी राजकुमार, दिनेश, मलवां थानाक्षेत्र के ठकुराइन का पुरवा निवासी सचिन, ललौली के गंगईपर निवासी विकास और उसकी पत्नी रामश्री, बरौंहा निवासी मालती देवी, रायबरेली निवासी सगी बहनें कमला, सुषमा और सैंबसी निवासी कल्लू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, रोडवेज चालक अनुरुद्ध मिश्रा, परिचालक ज्ञानेंद्र व अन्य 10 लोग मामूली रूप से जख्मी हुए। यह लोग मौके से चले गए। उधर, कार भी अनियंत्रित होकर कुछ दूर जाकर गुमटी में टकरा गई। एएसपी विजय शंकर मिश्र ने बताया कि कुछ ही लोग घायल हुए हैं। हादसे में सभी लोग बाल-बाल बचे हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

इटावा। फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के बिचपुरी खेड़ा में युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बिचपुरी खेड़ा निवासी प्रदीप कुमार पुत्र केशव दयाल ने बताया कि रविवार रात करीब आठ बजे के बाद उसके छोटा भाई शैम्पू उर्फ सचिन (28) ने शराब के नशे में फंदा लगा लिया। शैंपू ने फंदा लगाने से पहले मां से कहा था कि मम्मी आप हमें नहीं चाहतीं और कमरे में जाकर अंदर से दरवाजे बंद करके आत्महत्या कर ली। दस मिनट बाद जब मां ने खिड़की से देखा तो वह चीख पड़ीं। आवाज सुनकर घर के सभी परिजन मौके पर आ गए और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी पर आई पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

आरोपी से सिर में मालिश कराते दरोगा का वीडियो हुआ वायरल

इटावा। सिविल लाइन थाने में तैनात एक दरोगा का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दरोगा एक आरोपी से अपने सिर की मालिश करा रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। सिविल लाइन थाने में तैनात दरोगा अमित गोस्वामी की वायरल हो रही वीडियो में मेज पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। दरोगा के सिर में मसाज करने वाला युवक एक युवती को ले जाने के मामले में आरोपी बताया जा रहा है जिसका वीडियो करीब तीन माह बाद वायरल हुआ है। थाना प्रभारी यशवंत सिंह ने बताया कि अभी वीडियो की जानकारी उन्हें नहीं है। मामला सामने आते ही उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

संपत्ति के लिए विधवा बनने को तैयार पत्नी- बेटा भी दे रहा साथ

एटा। एटा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां संपत्ति के लिए पत्नी विधवा बनने को भी तैयार है। बेटा भी उसका साथ दे रहा है। दोनों ने मिलकर कार से रौंदकर रिटायर्ड शिक्षक पिता की हत्या करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के एटा में सेवानिवृत्त अध्यापक के उसकी पत्नी, बेटे तथा सालों ने संपत्ति हड़पने के लिए जान से मारने का प्रयास किया है। शिक्षक ने सोमवार को जमीन बेची थी। इसकी रकम मिलने की भनक लगने पर हत्या का प्रयास किया गया। पुत्र ने बाइक सवार पिता को कार से टक्कर मार दी। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

हरि शंकर बने अपना दल एस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

इटावा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. हरिशंकर पटेल अपना दल एस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बनने पर संगठन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। इनमें जिलाध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद अग्रवाल, जिला प्रभारी मनोज अग्रवाल, जिला महामंत्री धर्मेंद्र जैन, जिला कोषाध्यक्ष- सर्वेश चौहान, युवा जिलाध्यक्ष- नरेंद्र कुशवाह, युवा जिला महामंत्री रंजीत कुशवाहा, जिला प्रवक्ता इकरार अहमद, महिला जिलाध्यक्ष मीना सिंह राजपूत, डॉ संतोष राठौर आदि शामिल हैं।

जुलूस- ए- मुहम्मदी की तैयारियों पर हुई चर्चा

इटावा। जुलूस ए मुहम्मदी की तैयारियों के सिलसिले में जुलूस कमेटी अंजुमन- ए- हुसैनिया शहर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक संस्था के संयुक्त सचिव मुहम्मद सलमान के नौरंगाबाद स्थित निवास पर हुई। जिसमें पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने चर्चा की कि किस तरह से जुलूस- ए- मुहम्मदी को उठाया जाए। शहर के मोहल्लों से आने वाले जुलूस को नया शहर चौराहा से इस्लामिक विद्वानों उलेमा हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। कमेटी के वालंटियर इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि जुलूस के दौरान आम लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में आरिफ़ राईन, हाफ़िज़ मुहम्मद हुसैन, शाहबाज़ मिर्ज़ा, मुहम्मद हसन, आसिम वारसी, शहबाज़ खान, शफ़ाअत उल्ल एवं नफीस खान एडवोकेट आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष हाजी सरफ़राज़ मुस्तफ़ा खान ने की।

पीजी की खाली सीटों के लिए स्पॉट टेस्ट, साक्षात्कार 8 सितंबर को

हमीरपुर। संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मेकेनिकल इंजीनियरिंग समेत 12 विभागों में 303 सीटें खाली हैं। ये सीटें स्वयं वित्त पोषित स्कीम के तहत भरे जा रहे हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में स्वयं वित्त पोषित स्कीम के तहत पीजी की खाली सीटों के लिए स्पॉट टेस्ट और साक्षात्कार 8 सितंबर को होंगे। संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मेकेनिकल इंजीनियरिंग समेत 12 विभागों में 303 सीटें खाली हैं। ये सीटें स्वयं वित्त पोषित स्कीम के तहत भरी जा रही हैं। मैटीरियल साइंस इंजीनियरिंग और कैमिकल इंजीनियरिंग में 25-25, इलेक्ट्रिकल और मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 23-23 सीटें खाली हैं। इसी तरह जियो टेक्निकल प्रोग्राम में 9, स्ट्रक्चर प्रोग्राम में 7, ट्रांसपोर्टेशन में 5, वाटर रिसोर्सेज में 15 और पर्यावरण में 10 सीटें खाली हैं।

जुआ खेलते सात गिरफ्तार 19,500 बरामद

हमीरपुर। पुलिस ने क्षेत्र के बांकी गांव में छापा मारकर के सात लोगों को जुआ खेलते गिरफ्तार करके हजारों रुपए की नकदी बरामद की है। चर्चा है कि वह जुआ महीनों से संचालित हो रहा था। हल्का इंचार्ज अनुग्रह नारायण सिंह ने क्षेत्र के ग्राम बांकी में छापा मारकर बांकी निवासी रामकुमार सैनी, कालका प्रसाद, नंगू यादव, चंद्रप्रकाश साहू, रामकृपाल, संतू उर्फ सत्यनारायण, प्रदीप को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते गिरफ्तार करके 19,500 रुपये की नकदी बरामद करके जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके निजी मुचलके पर रिहा किया है आरोप है कि कस्बे में बढ़ी पुलिया और इमलिया थोक में रेलवे लाइन किनारे, कांशीराम कालोनी वलरा हार में भी जुआ की फड़ रात-दिन गुलजार रहती हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है की शिकायत के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं करती है।

सेवानिवृत्त शिक्षक के मकान में आग से लाखों का नुकसान

इटावा। शहर के मोहल्ला बराही टोला स्थित सेवानिवृत्त शिक्षक के मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। आग से करीब लाखों के नुकसान की आशंका जताई गई है। कोतवाली क्षेत्र के बराही टोला निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक गिरधर प्रसाद सक्सेना के मकान में सोमवार शाम करीब चार बजे अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि मकान के स्टोर में शॉर्ट सर्किट होने से इनवर्टर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान घर में गिरधर प्रसाद सक्सेना उनकी पत्नी बीना सिन्हा, पुत्र धरणीधर, बहू ममता, बहन राम श्री, नाती सुधाकर मौजूद थे। आग लगने के बाद सभी लोग घर के बाहर निकल आए। आग की लपटें देखकर पड़ोसियों की भीड़ लग गई।

15 टीबी मरीजों को गोद लेकर, प्रदान की पोषण किट

इटावा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को पक्का बाग स्थित औद्योगिक संस्थान के संस्थापक कृष्ण कुमार व पत्नी रेशमा देवी ने 15 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट प्रदान की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.शिवचरण हेंब्रम ने बताया कि 2025 तक प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पिछले वर्ष से अब तक इस औद्योगिक घराने ने 46 मरीजों को गोद लेकर पोषण किट वितरित कर चुके हैं। इस अवसर पर जिला क्षय रोग नियंत्रण केंद्र पर गोष्ठी हुई। जिसमें डॉ. सोहम प्रकाश गुप्ता ने टीबी के मरीज को उपचार एवं देखभाल के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही स्वस्थ पोषण आहार लेने की सलाह दी। जिससे समय पर दवा लेने के साथ-साथ कुपोषण को भी दूर भगाया जा सके और मरीज जल्द स्वस्थ हो सके।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान, मायका पक्ष बोला- ससुरालियों ने की है हत्या, जमकर हंगामा

हमीरपुर। थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी। मृतका अपने पीछे दो मासूम बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गई है। हमीरपुर जिले में मझगवां थाना क्षेत्र के बरेल गांव में विवाहिता ने साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। उसका पति से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। महिला के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी है। बरेल गांव निवासी सविता (26) ने सोमवार रात 9-30 बजे पति ईतेंद्र कुमार अहिरवार से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया आक्रोशित महिला ने साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

एक्सप्रेसवे के किनारे लगेंगे कारखाने, मिलेगा रोजगार

इटावा। एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इसके लिए बुंदेलखंड और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे दोनों जगहों पर यूपीडा की ओर से प्रशासन से जगह मांगी गई है। दोनों में एक जगह पर 100 हेक्टेयर या उससे अधिक पर औद्योगिक गलियारा बनाया जाएगा।

इसके लिए सर्वे का काम किया जा रहा है। प्रदेश सरकार प्रदेश से निकलने वाले एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा बनाकर रोजगार पैदा करने की तैयारी में लगी है। इसके लिए प्रदेश के 38 जिले चिह्नित किए गए हैं। इनमें इटावा भी शामिल है। जिन जिलों में एक से अधिक एक्सप्रेसवे निकले हैं। वहां पर दोनों में से किसी एक के किनारे औद्योगिक गलियारा बनाया जाएगा। इसी के तहत यूपीडा ने जिले में बुंदेलखंड और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के किनारे 100 हेक्टेयर या इससे अधिक जमीन प्रशासन से मांगी है। प्रशासन की ओर से दोनों एक्सप्रेस वे के किनारे जगह चिह्नित कर ली गई है। वहां सर्वे का काम कराया जा रहा है। दोनों ही जगहों पर गुंजाइशें तलाशी जा रही हैं। हालांकि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के किनारे औद्योगिक गलियारा बनाना यूपीडा और प्रशासन दोनों ही ज्यादा मुफीद मान रहे हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर ताखा और भरथना के बीच कन्नौज इटावा मार्ग पर बने ककराई कट के आसपास भूमि का प्रस्ताव यूपीडा को भेजा गया है। इसमें ताखा तहसील के 133 किसानों की 51.9 हेक्टेयर भूमि को मिलाकर 60 हेक्टेयर भूमि उपयोगी बताई गई है। इसमें लगभग छह हेक्टेयर भूमि वन विभाग की है।

इसके अलावा शेष भूमि ऊसर, बंजर, सडक, नाला आदि की है। सभी भूमि की सर्किल रेट के अनुसार लगभग 58 करोड़ रुपये की है। यदि यूपीडा को प्रस्ताव के हिसाब से भूमि अच्छी लगती है तो यह किसानों से सर्किल रेट के चार गुना मूल्य पर खरीदी जाएगी। वहीं, भरथना की लगभग 40 हेक्टेयर भूमि को भी देखा गया है। उधर, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के किनारे चौपला और टिमरुआ के बीच जमीन का प्रस्ताव यूपीडा को दिया गया है। यूपीडा की ओर से इसका सर्वे कराया जा रहा है। इन दोनों जगहों में से जो सबसे बेहतर जगह होगी वहां जल्द ही औद्योगिक गलियारा बनाने की कवायद शुरू हो जाएगी।

जनपद न्यायाधीश का हुआ स्थानांतरण

हमीरपुर। जनपद न्यायाधीश डॉ. अनुपम गोयल का स्थानांतरण प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट, मुजफ्फर नगर बनाए गए है। उनके स्थान पर चित्रकूट के जनपद न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा को भेजा गया है। हमीरपुर जनपद न्यायालय में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने हड़ताल कर जनपद न्यायाधीश, सीजेएम के स्थानांतरण की मांग की। 18 दिन चली अधिवक्ताओं की हड़ताल रंग लाई। जनपद न्यायाधीश डॉ. अनुपम गोयल का स्थानांतरण प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट, मुजफ्फर नगर बनाए गए है। उनके स्थान पर चित्रकूट के जनपद न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा को भेजा गया है। मांग पूरी होने पर अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई, और ढोल-नगाड़े बजवाकर जमकर जश्न मनाया।

उरुवा में छात्रा से छेड़खानी, विरोध करने पर पीटा

गोरखपुर। थानाध्यक्ष जटाशंकर सिंह ने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गोरखपुर जिले में उरुवा इलाके के बथुआ मोड़ पर सोमवार को कॉलेज से लौट रही छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट भी की।

परिजनों के साथ थाने पहुंची युवती ने आरोपी प्रदुम्न यादव पर केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच करने के साथ ही आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, युवती इलाके के एक डिग्री कॉलेज में पढ़ती है। उसका कहना है कि आरोपी आए दिन उसे परेशान करता है। रास्ता में फब्तियां कसता है, लेकिन इस पर वह बहुत ध्यान नहीं देती थी। सोमवार को आरोपी ने छात्रा को बथुआ मोड़ के पास रोक लिया। इसके बाद पहले फब्तियां कसा और फिर अश्लील टिप्पणी करने लगा। छात्रा ने विरोध किया तो उसने हाथ पकड़ लिया और फिर कई थप्पड़ मार दिए। छात्रा के शोर मचाने पर धमकाते हुए फरार हो गया। घर पहुंची छात्रा ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। युवती ने यह भी बताया कि वह कई महीनों से उसे परेशान कर रहा है। आरोपी भी उरुवा इलाके का ही रहने वाला है।

इमरजेंसी वार्ड में मरीज के ऊपर पंखा गिरा, कंधे की हड्डी टूटी

इटावा। जिला अस्पताल की इमरजेंसी के पुरुष वार्ड में भर्ती मरीज के ऊपर पंखा टूटकर गिर गया। जिससे मरीज के कंधे की हड्डी टूट गई। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंचे सीएमएस ने लापरवाही बरतने पर जांच के लिए एक टीम गठित की है। शहर के आजाद नगर निवासी पंकज किशोर 35 एनीमिया का इलाज कराने के लिए रविवार को जिला अस्पताल पहुंचा था। डॉक्टर ने खून की कमी होने पर उसे इरजेंसी के पुरुष वार्ड में बेड नंबर दो पर भर्ती कर दिया था। सोमवार दोपहर जब खून चढ़ाने की तैयारी की जा रही थी। तभी पंकज के ऊपर छत का पंखा गिर गया। आनन-फानन में इमरजेंसी में हड़कंप मच गया और डॉक्टर और स्टाफ मौके पर पहुंचा घायल पंकज का एक्सरा कराया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक ने बताया कि युवक की कंधे की हड्डी टूट गई है। वहीं पीड़ित की पत्नी वर्षा दुबे ने बताया कि वह पंकज के पास ही बेड पर बैठी थीं पंखा गिरने के दौरान और भी लोग चपेट में आ सकते थे। जानकारी पर पहुंचे सीएमएस डॉक्टर एमएम आर्या ने मरीज का हाल जाना और सीएमएस ने बताया कि टीम गठित करके जांच की कराकर लापरवाही बरतने वाले दोषियों के ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंडलीय कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सैफई । जिला पंचायत इंटर कॉलेज हैवरा में 67 वीं मंडलीय विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें औरैया, कानपुर नगर, कानपुर देहात तथा इटावा जिला के लगभग 100 पहलवानों ने प्रतिभाग कर दम दिखाया। जिला कुश्ती संघ इटावा के मुख्य संरक्षक तथा प्रधानाचार्य डॉ. शिवकुमार यादव ने पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया।

अंडर 14 बालक 35 किग्रा वर्ग में देवेश गौतम जनता इंटर कॉलेज अजीतमल औरैया, 38 किग्रा वर्ग में बादल जिला पंचायत इंटर हैवरा, 41 किग्रा वर्ग में करन बाबू डॉ राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज धनुआ ने हिस्सा लिया।

44 किग्रा वर्ग में आयुष मिश्रा सीएसएसएस जेपी इंटर कॉलेज घाटमपुर कानपुर, 48 किग्रा वर्ग में आयुष, 52 किग्रा वर्ग में पुष्पेंद्र श्री सच्चिदानंद जन सहयोगी इंटर कॉलेज लहरापुर औरैया, 57 किग्रा वर्ग में मयंक यादव सुदिति ग्लोबल अकेडमी, 62 किग्रा में अमन जनता इंटर कॉलेज बिरुहनी औरैया, 75 किग्रा योगेंद्र कुशवाहा जोधा सिंह इंटर कॉलेज हरकुपुर जसवंतनगर ने हिस्सा लिया। अंडर 17 के 45 किग्रा वर्ग में अमरदीप जिला पंचायत इंटर कॉलेज हैवरा, 48 किग्रा गोविंद जीएसएस बिझाई औरैया, 51 किग्रा तिलक राज जीआईसी इंटर कॉलेज अजीतमल औरैया, 55 किग्रा शिवम पाल एसएम पब्लिक स्कूल रमाबाई पर कानपुर, 65 किग्रा आशीष यादव डॉ राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज धनुआ, 71 किग्रा आयुष्मान पांडे श्री अवधेश सिंह इंटर कॉलेज आश्वी कानपुर देहात ने प्रतिभाग किया। 92 किग्रा वर्ग में हिमांशु सीएसजेएस बीआसी कॉलेज घाटमपुर कानपुर, अंडर -19 के 57 किग्रा वर्ग में देव भदौरिया कानपुर नगर, 61 किग्रा आशीष इटावा, 65 किग्रा देवराज औरैया, 70 किग्रा कुसुम यादव औरैया, 74 किग्रा ऋषभ, 79 किग्रा प्रशांत कुमार इटावा, 97 किग्रा आयुषई नायक औरैया, अंडर 19 बालिका वर्ग में 50 किग्रा बबली यादव इटावा, 53 किग्रा प्रिया औरैया, 55 किग्रा राखी औरैया, 57 किग्रा जोया इटावा, 59 किग्रा सुधा इटावा, 62 किग्रा शिवा औरैया, 65 केजी शिवानी इटावा, 68 किग्रा गुंजन सिंह औरैया, 72 किग्रा विशाखा इटावा और 76 किग्रा में दिव्यंका कानपुर नगर विजेता रहीं।

सभी सहारनपुर में आगामी दिनों में होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

सीएचसी अधीक्षक व उनके पति निजी अस्पताल में कर रहे इलाज

हमीरपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौदहा की अधीक्षक व उनके पति का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दोनों निजी चिकित्सालय में मरीज का इलाज कर उसके बदले में रुपये लेते दिख रहे है। संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।

गरीब मरीजों के निशुल्क इलाज के लिए शासन से लाखों रुपये प्रति माह पाने वाले धरती के भगवान लालच के सामने शासन से निर्देशों को ताक पर रखे है। ओपीडी में बैठकर भले ही दूर से देखकर दवाएं लिखते है। लेकिन निजी चिकित्सालय में वह पूरी मरीज को संतोष पहुंचाने के लिए गहनता से परीक्षण कर इलाज करते है। इससे सरकारी अस्पताल में दिखाने के बजाय मरीज इन डॉक्टरों को उनके निजी अस्पताल में दिखाना पसंद करते है। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसमें मौदहा सीएचसी में अधीक्षक पद पर तैनात डॉ. नेहा रानी व उनके पति डॉ. जय प्रकाश साहू अपने आवास में बनाए निजी चिकित्सालय में इलाज करते दिख रहे है। इलाज कराने के बदले मरीज से रुपये भी ले रहे है। वहीं डॉ जय साहू व उनकी पत्नी नेहा रानी का कहना है कि मरीज की हालत गंभीर थी तो घर में देख लिया और पैसे लेने वाली बात गलत और निराधार हैं। सीएमओ डॉ. गीतम सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराई जा रही है। दोनों चिकित्सकों को नोटिस दे उनका पक्ष लिया जाएगा। संतोषजनक न पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मौदहा सीएचसी ही नहीं जिला अस्पताल में भी प्राइवेट प्रैक्टिस चिकित्सक कर रहे हैं। इससे ओपीडी के बाद उनके आवास भारी भीड़ दिखाई देती है। जिसको लेकर एक व्यक्ति ने शिकायत की थी। इसके के बाद चित्रकूट मंडल के एडी स्वास्थ्य डॉ. विजयपति स्वास्थ्य निरीक्षण करने आए थे। मौके पर मरीज भी मिले थे। लेकिन एडी ने चिकित्सकों का पक्ष लेते हुए भगवान हनुमान पर अमर्यादित टिप्पणी कर दी थी। जिससे हिंदू संगठनों में उबाल आ गया था। राठ में पुतला दहन भी हुआ था। लेकिन मामले में अबतक कार्रवाई नहीं हुई है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

हमीरपुर। पनवाड़ी मार्ग पर बिलरख मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक शहर से खरीददारी कर वापस गांव लौट रहे थे। हेलमेट नहीं पहने होने से सिर में गंभीर चोट आई। कोतवाली क्षेत्र के बिलरख गांव निवासी संतोष राजपूत ने बताया रविवार को उनके छोटे भाई बलराम (38) राठ के बाजार खरीददारी करने गए थे। रात करीब 9.30 बजे बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। बिलरख मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बलराम उछल कर सड़क पर गिरे व मौके पर मौत हो गई। बताया मृतक के नाम पर करीब एक एकड़ कृषि भूमि है। इस पर खेती कर परिवार का भरण पोषण करते थे। अपने पीछे मां रामसखी, पत्नी भूरी व मासूम पुत्र आशू को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मधुमिता की बहन निधि शुक्ला ने जताया जान का खतरा, बोली- छह बार आया धमकी भरा फोन

गोरखपुर। निधि शुक्ला ने मधुमिता की हत्या करने वाले शूटर संतोष राय का जिक्र करते हुए कहा है कि 24 अगस्त को उन्हें 6 बार धमकियों भरी कॉल आई थी। निधि शुक्ला ने रजिस्ट्री से भेजे गए शिकायती पत्र में मधुमिता की हत्या करने वाले शूटर संतोष राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि की समय से पहले रिहाई के बाद नया मोड़ सामने आया है। मधुमिता की बहन निधि शुक्ला ने अपनी जान का खतरा बताया है। इसके लिए उन्होंने गोरखपुर पुलिस को लिखित शिकायत भी भेजी है। वहीं, उसने राज्यपाल व पुलिस से आरटीआई डालकर सवाल भी पूछा है कि किस आधार पर समय से पूर्व रिहाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, बहन निधि शुक्ला ने मधुमिता की हत्या करने वाले शूटर संतोष राय का जिक्र करते हुए कहा है कि 24 अगस्त को उन्हें 6 बार धमकियों भरी कॉल आई थी। निधि शुक्ला ने रजिस्ट्री से भेजे गए शिकायती पत्र में मधुमिता की हत्या करने वाले शूटर संतोष राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। निधि शुक्ला का दावा है कि शूटर संतोष राय अभी पेरोल पर जेल से बाहर है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं है। वहीं, फिलहाल गोरखपुर पुलिस इसपर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

निधि शुक्ला ने बताया कि इसके बाद उन्होंने सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत यूपी सरकार और राज्यपाल से अमरमणि और मधुमणि त्रिपाठी की रिहाई का आधार भी मांगा है। इतना ही नहीं, उन्होंने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर से भी अमरमणि के मेडिकल रिपोर्ट के बारे में भी सवाल किया है।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- जहां जरूरत होगी, वहां मिलेगी खनन की अनुमति

हमीरपुर। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जहां जरूरत होगी, वहां खनन की अनुमति दी जाएगी। पहले भी बरसात के मौसम में ब्यास नदी में 15 सितंबर तक खनन पर रोक रहती थी और अब भी रोक है।

हिमाचल प्रदेश में खनन पर लगी रोक के कारण कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। खनन पर रोक पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां जरूरत होगी, वहां खनन की अनुमति दी जाएगी। पहले भी बरसात के मौसम में ब्यास नदी में 15 सितंबर तक खनन पर रोक रहती थी और अब भी रोक है। सीएम मंगलवार को गृह जिला हमीरपुर के अंतर्गत बड़सर विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खनन पर यह रोक वर्तमान सरकार की घोषणा से पहले से है। सुक्खू ने कहा कि आपदा के समय खनन पर रोक लगी है। इस मामले में अधिकारियों से चर्चा जारी है और आगे भी चर्चा करने के बाद जहां जरूरत होगी, वहां खनन को अनुमति प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस भर्ती में विशेष तौर पर कमांडो फोर्स तैयार होगी। यह एक फोर्स होगी, जिसे पर्यटन फोर्स और कमांडो फोर्स कह सकते हैं। इस फोर्स को चिट्टे और साइबर अपराध के मामलों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। एक हजार से अधिक पदों पर भर्ती होगी और इसके लिए नियमों में भी परिवर्तन करेंगे। सुक्खू ने कहा कि हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग भंग है। यहां बहुत बड़ी बिल्डिंग भी है। इसलिए इसे हमीरपुर से बाहर कहीं ओर नहीं खोला जा सकता।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों के जख्मों पर मरहम लगाना और उनके दुखों को बांटना सरकार का कर्तव्य है।

संतान की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा हलषष्ठी व्रत, स्वस्थ रहने की कामना की

गोरखपुर। पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, इस दिन घर के बाहर भैंस के गोबर से षष्ठी माता का चित्र बनाएं। उसके पश्चात गणेश-गौरी और बलराम की पूजा करें। एक छोटा सा गड्ढा बनाकर उसमें झरबेरी, पलाश और कुश का पेड़ लगाएं और वहीं बैठकर पूजा-अर्चना करें। व्रती हलषष्ठी व्रत की कथा सुनें। संतान की दीर्घायु के लिए माताएं मंगलवार को हलषष्ठी व्रत रखकर भगवान बलराम की पूजा-अर्चना कीं। ऐसी मान्यता है कि षष्ठी देवी और भगवान बलराम की पूजा करने से व्रती के पुत्रों की आयु में वृद्धि होती है। वे स्वस्थ और निरोग रहते हैं। वाराणसी से प्रकाशित हृषीकेश पंचांग के अनुसार, इस दिन भाद्रपद कृष्ण षष्ठी तिथि का मान संपूर्ण दिन और रात आठ बजकर 35 मिनट तक है। इस दिन भरणी नक्षत्र दिन में दो बजकर 41 मिनट तक और इसके बाद कृत्तिका नक्षत्र है। मध्याह्न में भाद्रपद कृष्ण षष्ठी होने से हलषष्ठी व्रत के लिए यह दिन प्रशस्त है।

दो नकाबपोशों ने घर में घुसकर महिला को मारी गोली, पुलिस के हाथ खाली

ग्रेटर नोएडा। गोली लगते ही महिला सोनी जमीन पर गिर गई और खून से लथपथ हो गई। नकाबपोश हत्यारे बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के छपरौला गांव के पास बृज विहार कॉलोनी में बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने महिला को गोली मार दी। महिला की मौके पर मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्यारों की तलाश में लगी है। पुलिस ने बताया कि जीटी रोड स्थित छपरौला गांव के पास बृज विहार कॉलोनी है। कॉलोनी में मौसम कुमार परिवार के साथ रहता है। पति मौसम कुमार नोएडा के आरटीओ कार्यालय में काम करता है। मंगलवार को मौसम कुमार की पत्नी सोनी (28) घर पर अपनी बेटी के साथ थी। तभी बाइक पर सवार दो नकाबपोश युवक घर पर पहुंचे और आवाज देकर दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खोलने के तत्काल सोनी के सिर में गोली मार दी।

गोली लगते ही महिला सोनी जमीन पर गिर गई और खून से लधपथ हो गई। नकाबपोश हत्यारे बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए। उन्होंने सोनी को जमीन पर गिरे खून से लथपथ देख शोर मचा दिया। शोर से आसपास के लोग एकत्र हो गए और घटना की सूचना मृतका सोनी के पति मौसम कुमार को दी। सूचना पाकर पति भी घर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्यारों की तलाश में लगी है। बादलपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मपाल सिंह ने बताया कि मृतका सोनी 10 साल पहले किसी विनोद नाम के युवक साथ रहती थी।

अब एक साल से मौसम कुमार के साथ रह रही थी। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खाली जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एयरपोर्ट के पास आशियाना पाने के लिए सवा लाख से अधिक ने किया आवेदन

ग्रेटर नोएडा। एयरपोर्ट के पास आशियाने के लिए यमुना प्राधिकरण ने 1184 भूखंडों की योजना सोमवार के समाप्त हो गई। अब 18 अक्तूबर को इसका ड्रॉ निकाला जाएगा। इस योजना में 1,28,062 लोगों ने आवेदन किए हैं। योजना में 2,22,111 लोगों ने आवेदन के लिए पंजीकरण कराया था। जबकि 166457 फार्म खरीदे गए थे इनमें से 1,54,797 लोगों फार्म जमा किए हैं। दरअसल, यमुना प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के पास सेक्टर-16, 17 और सेक्टर-20 में 1184 आवासीय भूखंडों की योजना लांच की थी। इसका ड्रॉ 18 अक्तूबर को होगी। भूखंड 24,600 से 24800 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटित होंगे। साल-2009 में 21 हजार अवासीय भूखंडो की स्कीम लांच की गई थी और इसके बाद दूसरी बार इतने अधिक भूखंडो की योजना लांच की जा रही है और इस बार सबसे अधिक आवेदन भी आए हैं। इनमें एकमुश्त धनराशि जमा करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। यीडा के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि 18 अक्तूबर को ड्रा होगा

तेजी से फैल रहा लंपी, सीएम ने हिसार से मंगाई वैक्सीन

गोरखपुर। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी जीके सिंह ने बताया कि अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार में विकसित वैक्सीन लंपी प्रोवैक आईएनडी की 15000 डोज यहां मंगाई जा रही है। इसमें से 5 हजार डोज वैक्सीन जिले के लिए रहेगी। शेष देवरिया और कुशीनगर के अलावा जरूरत के अनुरूप मंडल के अन्य जिलों को भेजा जाएगा। उमस भरी गर्मी में गायों में तेजी से फैलने वाली लंपी बीमारी ने जिले में भी पांव पसारना शुरू कर दिया है। ऐसे में पशुपालकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

गोरक्षनाथ मंदिर स्थित गोशाला समेत कई अन्य पशुपालकों की गायों में भी लंपी के लक्षण दिखे हैं। सीएम के आदेश पर पशुपालन विभाग ने सैंपल आईबीआरआई बरेली भेजा था, जिसमें बीमारी की पुष्टि हुई। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार से वैक्सीन मंगवाकर संक्रमित गायों को गोशाला में अलग बांधकर इलाज कराया गया। यह वैक्सीन पशुपालकों को आवश्कता के हिसाब से दिलाई जा रही है। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार और डॉ. संजय बरुआ ने यहां आकर गायों का परीक्षण किया है। वैक्सीन लगने के बाद अब सभी गाय स्वस्थ हैं। उधर, संक्रमण रोकने के लिए पशुपालन विभाग ने 15000 डोज लंपी प्रोवैक आईएनडी वैक्सीन की मांग की है। गोवंश में फैलने वाले चर्म रोग लंपी से पिछले साल राजस्थान और उत्तराखंड में बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हुई थी। बाद में पश्चिम बंगाल में कुछ हिस्सों में भी बीमारी के लक्षण मिले थे। सर्दी में इसका असर खत्म हो गया था, लेकिन बरसात में यह बीमारी फिर फैलने लगी है। पिछले दिनों गोरखनाथ गोशाला की कुछ गायें बीमार पड़ीं तो उनकी जांच कराई गई। पता चला कि 49 गायों में लंपी के लक्षण हैं।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जीके सिंह ने बताया कि लंपी बीमारी की रोकथाम पर शोध कर वैक्सीन का फार्मूला खोजने वाले अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के डॉ. नवीन कुमार व डॉ संजय बरुआ भी गोरखपुर आए थे और उन लोगों ने कई गायों का परीक्षण किया। गायों को पहले गोट पॉक्स वैक्सीन लगी थी, लेकिन वह प्रभावी नहीं होने के चलते गायें संक्रमित हो गई थीं। संक्रमित गायों को पहले से ही अलग रखा था, उनके समेत अन्य सभी गायों को अब लंपी प्रोवैक आईएनडी वैक्सीन लगाई गई है, सभी गायें स्वस्थ हैं। वैक्सीन लगने के बाद गोरखनाथ गोशाला में कोई नया मामला नहीं आया है। वैक्सीन से 7 दिन के अंदर विकसित होती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि लंपी बीमारी मच्छर-मक्खी के चलते तेजी से फैलती है। इस संक्रामक बीमारी की रोकथाम के लिए बनी वैक्सीन लंपी प्रोवैक आईएनडी पूर्णतः स्वदेशी है और अब तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। स्वस्थ पशु को वैक्सीन लगने पर सात से 10 दिन के अंदर उसके भीतर रोग प्रतिरोधक क्षमता बनने लगती है। 14 दिन में पशु पूरी तरह से सुरक्षित हो जाता है। एक साल तक इसका प्रभाव बना रहता है।

मंगाई जा रही वैक्सीन की 15000 डोज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी जीके सिंह ने बताया कि अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार में विकसित वैक्सीन लंपी प्रोवैक आईएनडी की 15000 डोज यहां मंगाई जा रही है। इसमें से 5 हजार डोज वैक्सीन जिले के लिए रहेगी। शेष देवरिया और कुशीनगर के अलावा जरूरत के अनुरूप मंडल के अन्य जिलों को भेजा जाएगा।

लंपी रोग के लक्षण

लंपी वायरस से संक्रमित पशु को हल्का बुखार रहता है।

मुंह से लार अधिक निकलती है और आंख-नाक से पानी बहता है।

पूरे शरीर पर छोटी-छोटी गांठें उभर आती हैं।

बीमारी गंभीर होने पर गांठों से खून बहने लगता है।

संक्रमित पशु के दूध उत्पादन में गिरावट आ जाती है।

पशु में गर्भपात का खतरा रहता है और कभी-कभी पशु की मौत भी हो जाती है।

ये रखें सावधानी

संक्रमण के लक्षण दिखते ही अन्य पशुओं को अलग कर दें।

पशुशाला की नियमित सफाई करें और चूने या किसी अन्य कीटनाशक का छिड़काव करें।

संक्रमित पशु की विशेष देखरेख करें, उसके चारा-पानी का विशेष ख्याल रखें।

पशुओं को लंपी से बचाने वाली वैक्सीन लगवाएं।

यह एक संक्रामक बीमारी है, इसलिए पशुओं को खुला न छोड़ें और लावारिश घूम रहे पशुओं पर भी निगरानी रखें।

गोरखनाथ मंदिर के सचिव द्वारिका तिवारी ने कहा कि गोरखनाथ गोशाला की 49 गायों में लंपी रोग हो गया था। डाक्टरों ने बताया तो संक्रमित गायों को अलग रखकर उनका इलाज किया गया। वैक्सीन लगने के बाद सभी गायें पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार ने कहा कि बरसात के दिनों में मच्छर-मक्खी काटने से यह बीमारी तेजी से फैलती है। इसलिए बरसात में पशुशाला की सफाई का विशेष ध्यान रखें। बीमार पशु को मच्छरदानी से कवर करें। पशुपालन विभाग से संपर्क कर पशुओं का टीकाकरण कराएं और उनके चारा-पानी का भी खास ध्यान रखें।

एमिटी की साइंस-20 कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले, स्टार्टअप ने दिखाई तरक्की की राह

ग्रेटर नोएडा। जितेंद्र सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत में बढ़ते स्टार्टअप ने आर्थिक परिदृश्य की काया ही बदलकर रख दी है। 2014 में जहां भारत में चार स्पेस स्टार्टअप थे वहीं, अब वह 150 से अधिक पहुंच रहे हैं। भारत में बढ़ते स्टार्टअप ने आर्थिक परिदृश्य की काया ही बदलकर रख दी है। 2014 में जहां भारत में चार स्पेस स्टार्टअप थे वहीं, अब वह 150 से अधिक पहुंच रहे हैं। इसके बदौलत ही ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 81वें पायदान से 40वें पर आकर खड़ा है। रैंकिंग में यह सुधार भारत की ताकत को दिखाता है। यह बात भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. जितेंद्र सिंह ने एमिटी विश्वविद्यालय में चल रहे दो दिवसीय साइंस-20 कॉन्फ्रेंस के पहले दिन सोमवार को कही।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आठ बिलियन डॉलर की है और स्पेस के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की बदौलत 2040 तक भारत की स्पेस अर्थव्यवस्था 40 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही आज भारत में 1.25 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं और इनमें से 130 यूनिकॉर्न हैं।

एमिटी विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक चौहान ने कहा, विज्ञान, आर्थिक विस्तार और मानव प्रगति के पीछे की प्रेरक शक्ति है और प्रतिष्ठित एस-20 सम्मेलन इस अभियान में प्रमुख भूमिका निभाएगा। डॉ. चौहान ने कहा कि आईएनएसए के सहयोग से इस प्रतिष्ठित सम्मेलन की सह मेजबानी करना बड़ा सम्मान है। चंद्रयान-3 की सफल प्रक्षेपण से भारत ने पूरी दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है। यह दिखाया है कि अगर कुछ हासिल करना हो तो आसमान में उसकी सीमा नहीं है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव एवं एस-20 के सह अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने कहा, व्यापक विषय अभिनव और सतत विकास के लिए विघटनकारी विज्ञान, तीन मुख्य पहलुओं पर जोर देता है, जुगाड़ जिसका अर्थ नवाचार, व्यापार जिसका अर्थ व्यवसाय, और पंगा जिसका अर्थ व्यवधान है। एक टिकाऊ विश्व बनाने के लिए स्वच्छ उर्जा को सभी के लिए उपलब्ध कराना होगा और विज्ञान को समाज से जोड़ना बेहद महत्वपूर्ण है।

मरीजों को पीने के लिए पानी की न हो कोई तकलीफ़ - चंपत राय

श्री राम राजकीय चिकित्सालय में लगाया गया आरो मशीन

अयोध्या । श्री राम राजकीय चिकित्सालय में आज मरीजों के साथ जन सामान्य को पानी पीने समस्या को देखते हुए आज श्री राम अस्पताल के गेट पर आरो मशीन लगाया गया जिसका उद्घाटन चंपत राय जी द्वारा किया गया द्य मुख्य चिकित्सा अधीक्षक राकेश शर्मा और अन्य डॉक्टरों की मौजूदगी में फीता काटकर उद्घाटन किया गया।आरो मशीन के उद्घाटन के अवसर पर डॉक्टर राकेश शर्मा सीएमएस, डॉक्टर आदित्य प्रकाश , डॉ विवेक राय प्रशासनिक अधिकारी , यश प्रकाश सिंह , राजेश श्रीवास्तव , विनोद तिवारी , डॉक्टर अनुपम मिश्रा , राम प्रीति वर्मा , आर सी पांडेय , रामसागर , तुलसीराम , डॉ इंद्रभान विश्वकर्मा , श्रीराम राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय के चिकित्सा डॉ अजय कुमार , प्रदीप कुमार शर्मा , जितेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे । आरो की मशीन श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट की तरफ़ से श्री राम राजकीय चिकित्सालय में पानी पीने के लिए सप्रेम भेट मिला है । श्री चंपत राय की जी ने कहा कि मरीजों के साथ साथ सभी लोगों को पानी पीने के लिए कोई तकलीफ़ न हो यही सोचकर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट की तरफ से आरो मशीन को लगवाया गया ताकि सभी लोगों को ताजा और शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके द्य उन्होंने कहा कि अयोध्या में यह नहीं पता है कि कितने श्रधालुओं का आवागमन होगा इसका कोई अनुमान है द्य अयोध्या में अधिकांश स्थानों पर पैदल ही जाना पड़ेगा द्य इन सबको देखते हुए पेयजल के लिए आरो मशीन लगाया गया।

विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मना

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस व कृष्णजन्माष्ठमी का कार्यक्रम बसखारी प्रखण्ड के हुसैनपुर गिरन्ट में स्थित हनुमान मंदिर के पास सम्पन्न हुआ श्याम बाबू ने कहा कि हम सब जानते है जब कोई विधर्मी/देश विरोधी शक्तियां हमारे देश, धर्म, समाज,मठ मंदिरों,साधु संतों,बहन बेटियों पर बुरी निगाह डालता है तो समाज विश्व हिंदू परिषद की तरफ आस भरी निगाह इस उम्मीद से करता है कि यह संगठन जिसका उद्देश्य ही है कि दुनिया के किसी कोने मे रहने वाले हिन्दू पर आने वाले संकट को दूर करने के लिए संघर्ष किया जाय इस संगठन का स्थापना 29 अगस्त1964 को श्री कृष्ण जन्माष्ठमी के दिन संदीपनी साधनालय मुम्बई में द्वितीय सर संघचालक गुरु जी ने नेतृत्व में पूज्य चिन्मयानंद जी,एस एस आप्टे,मास्टर तारा सिंह सहित पूज्य शंकराचार्य व देश भर के सभी मत सम्प्रदाय के पूज्य सन्तजनो के मार्गदर्शन में हुआ! क्योंकि धर्म युद्ध सत्य की लड़ाई का सबसे बड़ा प्रमाण भगवान श्रीकृष्ण के सानिध्य में लड़ी गई महाभारत की है हमे भी आगे चलकर ऐसी लड़ाइयां लड़नी है इस निमित्त जन्माष्टमी का दिन चुना गया!

हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम सब धर्म की युद्ध के हमेशा सजग रहे क्योंकि धर्म उसी की रक्षा करता है जो धर्म की रक्षा करता है

आज हिंदुओ के अंदर भाई चारे का कीड़ा घर कर गया है पर विचार करिये जिस गौ माता की हम जय बोलतें है और उसे रोटी खिलाने की परंपरा का हम निर्वाहन करते है और जिसे हम भाई बनाने की चाहत में चारा बन रहे है वो उसे रोटी के साथ खाता है ये एकता कैसे सम्भव है कही न कही अपनी कमियों के कारण आज हम सिमटते जा रहे है हम तो विशाल हृदय के लोग है हमने तो समय समय पर सबको शरण दिया है पर हमें हमेशा मिला तो सिर्फ घोखा ऐसे में हम सबको चाहिए कि अपना देश अपनी माटी के साथ अपनी थाती के संरक्षण के लिए विहिप बजरंगदल जैसे संगठन के साथ जुड़कर और यह जुड़ाव किसी को नुकसान पहुचाने के लिए नही बल्कि जो हमे और हमारे धर्म के साथ खिलवाड़ करे हमारे देश के अंदर रहकर उसको नुकसान पहुचाये देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे उसे उसी की भाषा मे जबाब देने में सक्षम हो यही संगठन हिन्दू समाज से चाहता है!

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला संयोजक आलोक चौरसिया,जिला मंत्री विकास मौर्य,जिला सह मंत्री संजय पांडे,जिला धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख दीपक श्रीवासत्व,मैकू पांडे,जयराम यादव,रेनू, सरिता,अमित सिंह,पंकज सिंह,प्रमोद पांडे,धर्मवीर सिंह,सन्तोष खत्री,अंकित गुप्ता,इंद्रजीत चौरसिया,पवन उपाध्याय, अर्जुन आचार्य, दिलीप शर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजुद रहे!

पोषण अभियान के प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु जन आंदोलन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक घटक-मुख्य विकास अधिकारी

अमरेन्द्र त्रिपाठी

बलरामपुर। मुख्य विकास अधिकारी श्री संजीव कुमार द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा 01 सितंबर से 30 सितंबर 2023 तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाये जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पोषण अभियान एक बहुविभागीय कन्वर्जेंस का अभियान है जो माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन सुपोषण भारत को कुपोषण मुक्त भारत पर आधारित है। पोषण अभियान के प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु जन आंदोलन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक घटक हैं जिसमें पोषण से संबंधित कन्वर्जेंस विभागों के समन्वय एवं समेकित प्रयासों से जनपद बलरामपुर में पोषण आधारित जीवन चक्र के महत्वपूर्ण चरणों गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन व किशोरावस्था में पोषण के संबंध में जन जागरूकता लाने हेतु तथा जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की मुख्य थीम सुपोषित भारत साक्षर भारत, सशक्त भारत है। इसका मुख्य उद्देश्य 05 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना, पोषण की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाना तथा एक स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना, कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम प्रधान व पोषण पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका है। शहरी मलिन बस्तियों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के माध्यम से वृद्धि निगरानी का कार्य आयोजित किया जायेगा। वजन सप्ताह के आयोजन के पश्चात् जो बच्चे स्वस्थ्य व सुपोषित है तथा जिनको पूर्व निर्धारित सेवायें मिली है, उनको पुरस्कृत किया जायेगा। पुरस्कार हेतु बच्चों के चयन के लिए मानक निर्धारित किया गया है। स्कूलों में बच्चें द्वारा पोषण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रभात् फेरी, पोषण वाटिका, पोषण मेले का आयोजन, निबन्ध, योगा सत्र, खिलौनों के माध्यम से शिक्षा दी जायेगी। इसके अतिरिक्त पौष्टिक एवं खाद्य पदार्थों की जानकारी भी दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका की स्थापना आंगनबाड़ी के समीप खाली स्थान पर बनायी जायेगी। पोषण वाटिका को कुपोषित बच्चों के घरों में स्थापित करने से इन परिवारों को लाभ भी मिलेगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा गृह भ्रमण किया जायेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य आखिरी त्रैमास की गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशु, 0-6 माह के कम वजन के शिशु तथा सभी सैम व गम्भीर अल्पवजन बच्चों की सेवाएं से आच्छादित किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि पोषण माह गतिविधि कैलेण्डर जारी किया गया है जिसमें 01 से 30 सितम्बर, 2023 तक गतिविधि हेतु नोडल अधिकारी बनाये गये है। 07 सितम्बर से 08 सितम्बर तक वजन दिवस का आयोजन समस्त ग्राम पंचायतों/वार्डों/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विशेष वजन अभियान जिसका मुख्य थीम स्वस्थ बालक स्पर्धा, 09 से 12 सितम्बर तक ईसीसीएसई0 गतिविधि का आयोजन, स्थानीय खिलौने का उपयोग कर समुदाय को जोड़ने हेतु खेलों और पढ़ें विषय को बढ़ावा देना जिसका थीम पोषण भी पढ़ाई भी, 13 से 15 सितम्बर तक आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मॉडल वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण, जल संचयन को बढ़ावा देना तथा साफ-सफाई हेतु विशेष अभियान थीम मिशन लाइफ के माध्यम से पोषण को बढ़ावा देना आंगबा0 केन्द्रों पर जल संरक्षण हेतु वर्षा जल संचयन संरचना बनाना, 16 सितम्बर से 20 सितम्बर, 2023 तक समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों/ ग्राम पंचायत/मोहल्ला/वार्ड में मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों की रेसियों प्रतियोगिता/मोटे अनाज का प्रोत्साहन, मोटे अनाज के विषय पर जागरूकता अभियान, विद्यालयों एवं मदरसों में निबन्ध/चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य थीम मोटे अनाज एवं पोषण वाटिका का उपयोग करते हुये खाद्य पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा, 21 सितम्बर से 23 सितम्बर तक जागरूकता सत्र का आयोजन, 24 से 26 सितम्बर तक अमृत वाटिका का निर्माण, वीरों का वंदन, राष्ट्रीय ध्वज फहराना, 27 से 28 सितम्बर तक एनिमिया जांच हेतु कैम्प का आयोजन एवं संवेदीकरण, 29 से 30 सितम्बर तक पोषण के सूत्र पर संवेदीकरण, दीप उत्सव आदि कार्यक्रम कराए जायेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जिन विभागों को जिम्मेदारी दी गयी है उसका अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित करेंगें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

जिला कोआईजीआर एस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,अजीत कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार के आईजीआरएस पोर्टल पर माह अगस्त में प्राप्त जनमानस की शिकायतों को नियत समय में गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के लिए जनपद अंबेडकरनगर के समस्त थाने प्रदेश में अव्वल रहकर कुल 90 अंक में से 90 अंक प्राप्त किया । समय-समय पर उच्चाधिकारियों व प्रभारी आईजीआरएस शिवांगी त्रिपाठी द्वारा समीक्षा कर आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में आ रही कमियों को दूर किया गया तथा आईजीआरएस सेल में नियुक्त कर्मियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। शासन के मंशानुरूप अधिक लगन व मेहनत से शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किया गया तथा अंबेडकरनगर पुलिस आगे भी प्रत्येक क्षेत्र में इसी तरह से निरंतर कार्य करती रहेगी।

जनपद के 19 थानों 1. को0 अकबरपुर 2. थाना बेवाना 3. थाना बसखारी 4. थाना सम्मनपुर 5. थाना टांडा 6. थाना हंसवर 7. थाना इब्राहिमपुर 8. थाना कटका 9. थाना जलालपुर 10. थाना मालीपुर 11. थाना जैतपुर 12. थाना आलापुर 13. थाना जहांगीरगंज 14. थाना राजेसुल्तानपुर 15. महिला थाना 16. थाना भीटी 17. थाना अहिरौली 18. थाना महरुआ 19. थाना अलीगंज ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के थानों की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं । माह अगस्त में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त कुल 2280 शिकायतों में 1871 शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण/ समयबद्ध निस्तारण किया गया ।

पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर, श्री अजीत कुमार सिन्हा द्वारा आईजीआरएस में कार्य कर रहे समस्त पुलिसकर्मियों की सराहना की गयी।

उपचुनाव को लेकर जिले में पुलिस की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,उपचुनाव को सकुशल/निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत मतदान बूथों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायज़ा,थाना भीटी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत काही में पंचायत सदस्य व थाना टांडा व राजेसुल्तानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत क्रमशः ममरेजपुर, कुरांव में ग्राम प्रधान के उपचुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले मतदान बूथों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया गया व मतदान बूथों के बाहर जमा भीड़ को चेतावनी देकर तितर-बितर किया गया एवं ड्यूटी में लगे अधि0/कर्म0 गणों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

आमजनमानस से संवाद स्थापित कर आपस में प्रेम, सौहृर्द बनाए रखने हेतु व अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गयी व आमजन से उपचुनाव को सकुशल/निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करने हेतु जनपद पुलिस/प्रशासन का सहयोग करने लिए बताया गया। जनपद में शांति ,सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने कि लिए अम्बेडकरनगर पुलिस कटिबद्ध है ।

टीएलएम निर्माण,नवाचार बेस्ट प्रैक्टिसेस महोत्सव का आयोजन हुआ

गोण्डा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दर्जीकुआं में टी0एल0एम0 निर्माण एवं नवाचार बेस्ट प्रैक्टिसेस महोत्सव का आयोजन किया गया।डायट प्राचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।नवाबगंज ब्लॉक की शिक्षिका नलिनी श्रीवास्तव (स0अ0) प्रा0वि0 रमईपुरवा द्वारा सक्रिय रूप से प्रतिभाग करके 卐 भाषा एवं गणित की टी0एल0एम पुस्तिका का प्रदर्शन किया गया,जहां पर निर्णायक मंडल द्वारा टी0एल0एम की सराहना किया गया,इस अवसर पर डाइट प्राचार्य अतुल तिवारी, डायट प्रवक्ता ज्ञानबहादुर,सौमित्र सिंह रीना राव एवं शिक्षकगण रहे।

अदानी ग्रुप के लीगल सेल अफसरों ने बेवाना क्षेत्र में जमीन का किया निरीक्षण

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर, मुख्यमंत्री जी के वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाये जाने के विजन में जिलाधिकारी अविनाश सिंह के सराहनीय प्रयास से जनपद अंबेडकर नगर में दिनांक 4 सितंबर 2023 को अडानी ग्रुप अपने द्यद्गद्दड्डद्य द्ग×श्चद्गह्ल सहित आठ लोगों के साथ ग्राम खंजाहांपुर, सिसवा तथा बेवाना में साइलो प्रोजेक्ट के लिए जमीन दिखाई गई है।जिसमें उनके द्वारा आज दिनांक 6 सितंबर 2023 को दूरभाष से अवगत कराया गया कि उन्हें थाना बेवाना अंतर्गत 5 एकड़ जमीन अपने प्रोजेक्ट के लिए पसंद है। अन्य पेपर संबंधी कार्यवाही कंपनी द्वारा कराई जा रही है।जिसके उपरांत किसानो की सहमति से जमीन खरीद करके प्रोजेक्ट बढ़ाया जाएगा। जमीन दिखाने के दौरान उप जिलाधिकारी सदर अकबरपुर पवन कुमार जायसवाल सहित पूरी राजस्व टीम, जीएमडीआईसी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री अलीशा अंसारी जो कि फातिमा सीनियर सेक्शन स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। विद्यालय के अभिलेख में त्रुटिवश अलीशा अंसारी के पिता का नाम शकील अंसारी दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम शकील अहमद अंसारी (SHAKEEL AHMAD ANSARI) है। छात्रा की माता का नाम त्रुटिवश SAYMAANSARI दर्ज हो गया है जबकि सही नाम SAIMA ANSARI है।

शकील अहमद अंसारी पुत्र इलियास अहमद अंसारी

निवासी-म.नं. 692, पटेलनगर, कोतवाली नगर, जनपद गोण्डा

प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले और भारत लेनिन अमर शहीद बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा का शहादत दिवस मनाया गया

अयोध्या । शिक्षक दिवस के अवसर पर सर्व समाज की महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने वाली प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले , राष्ट्र पिता ज्योतिबराव फुले और भारत लेनिन अमर शहीद बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा जी की शहादत दिवस मनाया गया कार्यक्रम का संचालन करते हुए चंद्रगुप्त भारती बुद्ध वंदना , त्रिशरण और पंचशील का पाठ करते हुए किया गया द्य अर्चना मौर्या ने दीप प्रज्ज्वलित किया द्य रामनयन प्रजापति ने राष्ट्र माता सावित्री बाई फुले और राष्ट्रपिता महात्मा फुले के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा शोषित , वंचित समाज के लिए कार्यों को विस्तार से बताएं भाई जगदेव मौर्य ने गीत के माध्यम से जीवन पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम को और अधिक स्थानों पर कराने के लिए कहा। डॉ राजेश कुमार प्रजापति ने समाज को जगाने के लिए महापुरुषों की जयंती मानने पर जोर दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास मौर्य मण्डल उपाध्यक्ष अयोध्या ने किया और महात्मा ज्योतिबा राव फुले द्वारा गरीबों मजलूम महिलाओं के लिए फातिमा बेग के सहयोग से पहले महिला विद्यालय खोलने का महान कार्य किया ।उन्हे पहले महिला विद्यालय में राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले पढ़ाने जाती थी तो मनुवादी व्यवस्था के लोग उनके ऊपर कीचड़ फेंकते थे इस विषम परिस्थित का सामना करते हुए भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और महिलाओं को पटाने का कार्य करते रहे । साथ में भारत लेने भारत लेनिन अमर शहीद बाबू जगदेव प्रसाद जी के शहादत दिवस पर विस्तार से चर्चा करते हुए बाबूजी के बाबूजी के कह गए सब बातों को बताया 100 मैं 90 शोषित हैं 90 भाग हमारा है धन धरती और राज पाट मे 90 भाग हमारा है ।अब की सावन भादो में गोरी कलैया कादो में पहले पीढ़ी मारी जाएगी दूसरी पीढ़ी जेल जाएगी और तीसरी पीढ़ी राज करेगी आदि बातो को बताया गंगाराम मौर्य , पवन कुमार मौर्य वेदप्रकाश मौर्य ने भी अपने विचार रखे द्य डॉ रामजीत मौर्य मे बाबू जगदेव प्रसाद के त्याग को बताते हुए बताया कि बाबूजी शोषित पीड़ित वंचित समाज की लड़ाई लड़ने के लिए एक पार्टी बनाया और कार्य करते हुए शान सप्ताह तक शासन सत्ता तक पहुंचाने के बाद भी बिहार प्रदेश का मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर जी को और उनके साथ मिलकर कार्य करते हैं उनके कार्यों को देखकर उसे समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी परेशान हो तो और उनको अपने साथ मिलने के लिए काफी प्रयास किया लेकिन बाबूजी अपने वचनों को निभाते हुए उनसे दूरी बनाए रखी अपने विचारों को रखते हुए कार्यक्रम का समापन किया इस अवसर पर विकास मौर्य , पवन कुमार मौर्य , गंगाराम मौर्य , योगेश मौर्य , डॉ राजेश कुमार प्रजापति , डॉ रामजीत मौर्य , जगदेव जी , सुरेन्द्र कुमार , वेदप्रकाश मौर्य , सुमन मौर्य रामनयन प्रजापति , चंद्र गुप्त भारती , कौशल किशोर , अंशुल वर्मा , अर्चनामौर्य , चारू मौर्य , शारदा देवी आदि मौजूद रहे ।

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर मनरेगा के तहत लाखों रुपए के घोटाला का लगाया आरोप

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोण्डा)। उकरा के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर मनरेगा में लाखों रुपए की घोटाला करने का आरोप लगाकर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से की शिकायत। मामला विकास खण्ड पंडरी कृपाल के ग्राम पंचायत उकरा का है जहां के दर्जनों ग्रामीणों ने मनरेगा योजना के तहत ग्राम प्रधान पर लाखों रुपए घोटाला करने का आरोप लगाते हुए डीएम , मुख्य विकास अधिकारी से शिकायत की गई है।शिकायत आरोप लगाया गया है कि ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा के मजदूरों से काम नहीं करवा कर जेसीबी से काम करवाया गया है जिसका साक्ष्य वीडियो क्लिप भी उपलब्ध कराया गया। 70 से 80 साल उम्र के बुजुर्ग लगभग आधे दर्जन मजदूर जो ग्राम प्रधान के संगे संबंधी है उनका जाब कार्ड बनवाकर उनके खाते में पैसा भेज कर निकाल लिया गया है यहां तक कि ये मजदूर चारपाई से उठ नहीं सकते है उनका जाब कार्ड उपयोग किया गया है।वर्षों पूर्व शादी हो चुकी वह अपने घरों पर हैं उनका जाब कार्ड उपयोग किया गया है, कुछ सरकारी कर्मचारी भी हैं जो अपने ड्यूटी पर उपस्थित रहे हैं उनका जाब कार्ड उपयोग किया गया है, उनके खाते में भी पैसा भेज कर निकाला गया है।ग्रामीणों ने बताया कि यहां निर्मित एक अमृत सरोवर तालाब गाटा संख्या 395 में फावड़ा भी नहीं लगाया गया और हजारों रुपए की हेरा फेरी कर ली गई। वहीं ग्राम प्रधान ने इस मामले में बताया कि सारे आरोप गलत है वह चुनावी रंजिश के कारण लगाए जा रहे हैं।

शिक्षक ही छात्रों के भाग्य विधाता - जेपी सिंह

राधा कृष्णनन का जीवन ही हमारे प्रेरणास्त्रोत - अखिलेश मौर्य

बलराम मौर्या

मया बाजार (अयोध्या)। शिक्षक दिवस के अवसर पर सीबीएस इंटर कॉलेज मया बाजार में गोष्ठी का आयोजन हुआ। सर्व प्रथम सीबीएस इंटर कॉलेज के समस्त शिक्षकों द्वारा डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात इस अवसर पर गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य जेपी सिंह ने बताया कि शिक्षा एक ऐसा गुण है जिसको न कोई चुरा सकता है न कोई छीन सकता है इस लिए हमें ऐसे गुण को सीखना चाहिए बच्चों को संबोधित करते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण के लिए खुब तन मन मेहनत करने को कहा ।इसी क्रम में अखिलेश मौर्य जी द्वारा अनेक ऐसे महान व्यक्तियो के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे महान लोग ऐसे ही नहीं याद किये जाते बल्कि वे शिक्षा के बदौलत ही इतनी उंचाई पर पहुंचे हैं इसी क्रम में श्री मौर्य ने डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन परिचय पर एवं शिक्षक दिवस पर मनाऐ जाने का कारण भी स्पष्ट किया इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक हरिकृष्ण जी , दिनेश जी , पाण्डेय जी , निखिल जी , ज्योति जी , लाजोजी , शालू , रुबी , आकांक्षा , रुपम , आंचल , इस अवसर पर विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं मौसमी, नेहा, पार्वती ,पलक , कोमल , चांदनी , खुशी , सुरैया , परवीन , अंशिका , सहित कई अन्य छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे द्य इसके अलावा क्षेत्र के रामलाल संतराम इंटर कॉलेज दिलासीगंज , जूनियर हाई स्कूल महबूबगंज , प्राथमिक विद्यालय लालपुर , प्राथमिक विद्यालय लालपुर नवीन , प्राथमिक विद्यालय वज़ीरपुर श्रृंगी ऋषि इंटर कॉलेज ईशापूर महबूबगंज , मौलाना आज़ाद बालिका इंटर कॉलेज ऊँचेगांव महबूबगंज , धर्मराजी साइंस अकादमी इंटर कॉलेज महबूबगंज सहित क्षेत्र के समस्त विद्यालयों में डा सर्वपल्ली राधाकृष्णनन का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

दबंगों ने मजदूरी का पैसा मांगने पर घर में घुसकर की पिटाई

कर्नलगंज (गोण्डा)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक व्यक्ति के द्वारा मजदूरी का पैसा मांगने पर दबंगों ने घर में घुसकर पिटाई कर दी और घर में जमकर तोड़फोड़ किया। मामले में पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर कार्रवाई ना करके उपद्रव करने वाले लोगों की तरफ से पीड़ित के विरुद्ध ही मुकदमा दर्ज कर लिया,जबकि पीड़ित लगातार थाने का चक्कर काट रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के ग्राम रेंवारी पूरे त्रिलोचन पुरवा निवासी अमरेश कुमार ने उच्चाधिकारियों व कोतवाली पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि बीते दो सितंबर की रात करीब 11 बजे गांव के कुछ लोगों ने उसके घर पर धावा बोल दिया और मारपीट करने लगे। पीड़ित का कहना है कि दैनिक मजदूरी करके उसने 6600 रुपए मजदूरी की मांग किया तो गांव के दबंग लोगों ने उसे गाली-गलौज देते हुए घर में घुसकर मारपीट करना शुरू कर दिया और परिवार की पिटाई करने के साथ-साथ घर में जमकर तोड़फोड़ किया।

जिसमें उसके घर पर छाजन के लिए लगी टीन शेड, बेड, साईकिल एवं मोबाइल को तोड़ कर नुकसान पहुंचाया और धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने डायल 112 पुलिस को सूचना देकर बुलाया उसके बाद सुबह जब थाने पर तहरीर देने गया तो वहां उसके घर तोड़-फोड़ करने वाले लोग पहले से बैठे थे। पुलिस ने उनकी तरफ से पीड़ित पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया। जबकि पीड़ित गांव के चार दबंग लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने का चक्कर लगा रहा है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार का कहना है कि मारपीट का मामला है जिसमें एक पक्ष से मुकदमा दर्ज हुआ है और दूसरे पक्ष की शिकायत पर जांच कराई जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन नोटिस

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं. : 1, लॉट सं. : PnU-LJN-**LMP**-Toi-16-22-1 (Pay and Use-Toilets), **कार्य का विवरण : लखीमपुर** स्टेशन के **वेटिंग हॉल** में स्थित **पे एंड यूज शौचालय** का ठेका संचालन एवं रख-रखाव के आधार पर **03 वर्ष** हेतु।

• निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आईआरईपीएस पोर्टल पर दिए गए तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारंभ एवं बन्द होंगी। • सभी लॉट के लिए ई-ऑक्शन दि.- **20.09.2023, 15.00 बजे** प्रारंभ होकर **20.09.2023, 15.30 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे- डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ

मुजाधि/वाणिज्य-115

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.-09794845955 पर SMS करें

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683

मो0- 09415120085

लखनऊ कार्यालय-

फोन- 0522-4028445

मो0- 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com